हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मुख्यमंत्री ने राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क को सुदृढ़ बनाने पर कार्यशाला का किया शुभारंभ

प्रदेश में साइबर सिक्योरिटी रिसर्च सेंटर बनाएंगे, डेटा सबसे मूल्यवान

कार्यशाला का उद्देश्य राज्य शासन के विभिन्न विभागों में साइबर सुरक्षा से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों, उभरते साइबर खतरों, डेटा संरक्षण की आवश्यकताओं और डिजिटल शासन प्रणालियों की सुरक्षा पर व्यापक विचार-विमर्श करना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज की सबसे मूल्यवान संपत्ति डेटा है। डिजिटल सुरक्षा समय की मांग है। डेटा की सुरक्षा, राष्ट्र की सीमा की सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में न केवल देश अपितु पूरी दुनिया में साइबर तकनीक और उससे जुड़ी चुनौतियों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। हर दिन इसके नए आयाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपराध के तरीके लगातार बदल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी आधुनिक तकनीक और ड्रोन जैसे साधनों के उपयोग से सुरक्षा चुनौतियों का नया स्वरूप देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने साइबर अपराध और डेटा सुरक्षा की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए राज्य में सायबर सिक्योरिटी रिसर्च सेंटर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि महू स्थित मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से यह रिसर्च सेंटर स्थापित किया जाएगा। सेंटर केंद्रीय साइबर सुरक्षा, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के लिये महत्वपूर्ण आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अटैक की समय पर पहचान और निगरानी में आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था से लैस सेंटर की महती भूमिका होगी।

सीमाओं की तरह महत्वपूर्ण है डेटा की सुरक्षा

साइबर तकनीक और उससे जुड़ी चुनौतियों का स्वरूप बदल रहा है तेजी से

कार्यशाला को संबोधित करते सीएम

मप्र ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में : सेल्वेंद्रन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव एम. सेल्वेंद्रन ने कहा कि मप्र ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। विभाग अधिकाधिक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सेवाओं के विस्तार के साथ साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण की चुनौतियां भी बढ़ी हैं, इसलिए लोगों के व्यक्तिगत, वित्तीय, भूमि, शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी डेटा की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एमपीएसईडीसी के एमडी आशीष वशिष्ठ ने कहा कि प्रदेश में 1700 से अधिक शासकीय सेवाएं डिजिटली लोगों को उपलब्ध कराई जा रही हैं।

44 साइबर कमांडो और 3 हजार साइबर वॉरियर तैयार होंगे: एडीजी मनोहर

एडीजी ए. साई मनोहर ने कहा कि प्रदेश में साइबर सुरक्षा क्षमता को बढ़ाने के लिए वर्तमान में 6 साइबर कमांडो कार्यरत हैं और 38 अन्य का चयन किया जा चुका है। राज्य साइबर सेल में सिंहस्थ - 2028 से पहले 44 साइबर कमांडो तैयार कर लिए जाएंगे। सिंहस्थ में साइबर अटैक पर बारीकी से नजर रखने और उसे समय रहते प्रतिबंधित करने के लिए लगभग 3 हजार इंजीनियरिंग विद्यार्थियों एवं युवा स्वयं सेवकों को 'साइबर वॉरियर' के रूप में प्रशिक्षित करने की योजना है।

इंदौर में एक साथ उठी दोनों की अर्थी!

बेटे की मौत का ऐसा सदमा..शव पर हाथ फेरते ही मां ने तोड़ा दम

दोनों के नेत्रदान से रोशन होंगी 4 जिंदगियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

एक मां के लिए उसकी संतान की मौत से बड़ा कोई दुख नहीं होता, और इसी असहनीय दर्द की एक दिल को झकझोर देने वाली घटना इंदौर से सामने आई है। यहां रहने वाले 55 वर्षीय राजुल शर्मा का रविवार को निधन हो गया था। शाम करीब 5 बजे जब घर में मातम पसरा हुआ था और राजुल की अंतिम यात्रा की तैयारी चल रही थी, तभी उनकी 75 वर्षीय मां किरण शर्मा अपने लाडले के शव के पास बैठकर बिलख रही थीं। रोते-रोते उन्होंने जैसे ही आखिरी बार अपने बेटे के सिर पर हाथ फेरा, सदमे के कारण वह अचानक बेसुध होकर नीचे गिर पड़ीं। परिजन आनन-फानन में उन्हें लेकर अस्पताल भागे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बेटे की विदाई के वक्त हुए इस दोहरे वज्रपात के कारण रविवार शाम को होने वाली अंतिम यात्रा को टालना पड़ा। सोमवार सुबह जब एक ही घर से मां और बेटे की अर्थी एक साथ उठी, तो पूरे इलाके की आंखें नम हो गईं । इस गहरे दुख और आंसुओं के बीच शर्मा परिवार ने एक ऐसा साहसिक, ऐतिहासिक और मानवीय फैसला लिया जो समाज के लिए एक बड़ी मिसाल बन गया है। मां किरण शर्मा व बेटे राजुल शर्मा, दोनों का नेत्रदान करवा दिया।

सीधी में चक्काजाम खुलवाने गए थे

टीआई के सिर पर कुल्हाड़ी मारी, आए 12 टांके, गंभीर

5 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीधी

जिले के कमर्जी थाना क्षेत्र के ग्राम पटपरा में सोमवार दोपहर कानून-व्यवस्था संभालने पहुंचे थाना प्रभारी इंद्राज सिंह पर चक्काजाम कर रहे कुछ लोगों ने कुल्हाड़ी और हंसिए से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें तत्काल डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया गया, जहां उनके सिर पर 12 टांके लगाए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही चुरहट एसडीएम विकास कुमार आनंद और पांच थानों का पुलिस बल भारी मुस्तैदी के साथ मौके पर पहुंचा। पुलिस ने सड़क पर लगे जाम को खुलवाया और हमला करने वाले उपद्रवियों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। अस्पताल के डॉक्टर बृजेश पांडे के अनुसार टीआई की हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। ग्राम पटपरा में सरकारी रास्ते को लेकर दो पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। एक पक्ष का आरोप था कि कुछ लोगों ने सरकारी मार्ग पर अवैध अतिक्रमण कर रखा है, जिसके खिलाफ तहसील कार्यालय में कई बार आवेदन भी दिए गए थे। प्रशासन द्वारा कार्रवाई न होने से नाराज होकर लोगों ने सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सड़क पर चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी इंद्राज सिंह अपने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने लोगों को समझाइश देकर मार्ग खुलवाने का प्रयास किया। इसी दौरान उग्र हुई भीड़ में से कुछ लोगों ने उन पर टांगी (कुल्हाड़ी) और हंसिए से हमला कर दिया। पुलिस ने दिनेश पटेल उर्फ गुंठी, सुनील पटेल, विनय पटेल, प्रीतम पटेल और रितेश उर्फ सिंटू पटेल के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है।

दुर्लभ महासंयोग में पुण्य का गोता

सोमवती अमावस्या पर नर्मदा तटों पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

नर्मदापुरम। ज्येष्ठ अधिकमास की सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर सोमवार को नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस बार अमावस्या, सूर्य संक्रांति और अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) के त्रिवेणी महासंयोग ने इस दिन के धार्मिक महत्व को कई गुना बढ़ा दिया। इस दुर्लभ संयोग का लाभ उठाने के लिए तड़के 5 बजे से ही घाटों पर भक्तों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। सूर्योदय के साथ ही मुख्य स्नान की शुरुआत हुई, जहां घाट पर हजारों भक्तों ने पवित्र नदी में डुबकी लगाई, ध्यान किया और विशेष पूजा-अर्चना की।

ओंकारेश्वर में रात्रि 3 बजे खुले मंदिर के पट: अधिक मास में आए दुर्लभ सोमवती अमावस्या पर्व पर ज्योतिर्लिंग नगरी ओंकारेश्वर में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र मां नर्मदा में स्नान कर भगवान श्री ओंकारेश्वर एवं भगवान श्री ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए तथा ॐकार पर्वत की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ओंकारेश्वर मंदिर के पट रात्रि 3 बजे से ही दर्शनार्थ खोल दिए गए थे। ट्रस्ट के अधिकारी एवं कर्मचारी नए झूला पुल, पुराने झूला पुल, मंदिर मार्ग एवं दर्शन कतारों में लगातार मुस्तैद रहे। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं महिलाओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

हरिभूमि सहेली
आज के अंक के साथ

'कुमकुम भाग्य' और 'छावा' फेम एक्ट्रेस संचिता उगले का निधन

मुंबई के घर में मिली लाश, सदमे में आई टीवी इंडस्ट्री

मौके से नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

संचिता उगले

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। मशहूर टीवी और फिल्म अभिनेत्री संचिता उगले का 30 वर्ष की कम उम्र में निधन हो गया है। अभिनेत्री ने मुंबई के वसई स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। यह दुखद घटना रविवार शाम करीब 7:30 बजे की है। संचिता वसई में अपने माता-पिता और छोटी बहन के साथ रहती थीं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त माता-पिता घर पर नहीं थे और उनकी छोटी बहन किसी काम से थोड़ी देर के लिए बाहर गई हुई थी। इसी बीच मौका पाकर संचिता ने कथित तौर पर पंखे पर साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

गडकरी ने दी वाहनों के लिए ई100 फ्यूल नियमों को मंजूरी

अब टोयोटा, मारुति सुजुकी, हुंडई और एमजी जैसी कंपनियां ई100 फ्लैक्स फ्यूल व्हीकल लॉन्च कर सकेंगी

देश में जल्द लॉन्च होगी 100% एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अच्छी खबर

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत में ई100 फ्यूल के उपयोग को कानूनी मंजूरी देने वाले नियमों को स्वीकृति दे दी है। इस फैसले के साथ देश में 100 प्रतिशत एथेनॉल आधारित फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए रास्ता साफ हो गया है। गडकरी ने नागपुर में आयोजित चीनी, इथेनॉल और बायो-एनर्जी इंडिया सम्मेलन के दौरान कहा कि उन्होंने ई100 फ्यूल को कानूनी रूप से मान्यता देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह कदम भारत के मौजूदा ई 20 कार्यक्रम से आगे बढ़कर एथेनॉल को प्रमुख ईंधन के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

क्या है ई100 फ्यूल?

ई100 नाम सुनने में 100 प्रतिशत एथेनॉल जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में इसमें लगभग 93 से 95 प्रतिशत एथेनॉल होता है। बाकी हिस्सा पेट्रोल और कुछ विशेष एडिटिव्स का होता है, जो इंजन स्टार्ट करने और ईंधन की स्थिरता बनाए रखने में मदद करते हैं। हाल ही में मारुति सुजुकी ने फ्लेक्स-फ्यूल वैगनआर का प्रदर्शन किया था, जबकि हीरो मोटोकॉर्प भी एथेनॉल आधारित मोटरसाइकिलें पेश कर चुकी है। नितिन गडकरी के अनुसार आने वाले डेढ़ महीने के भीतर टोयोटा, सुजुकी, हुंडई और एमजी भी ई100-संगत वाहन बाजार में उतार सकती हैं।

क्या हैं चुनौतियां?

- देशभर में ई 100 फ्यूल पंप और डिस्पेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा
- तेल विपणन कंपनियों को स्टोरेज और सप्लाई नेटवर्क अपग्रेड करना पड़ेगा
- फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों की कीमत शुरुआती दौर में अधिक हो सकती है
- एथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में ऊर्जा घनत्व कम होता है, जिससे माइलेज प्रभावित हो सकता है।

क्या होंगे फायदे?

- कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी। किसानों और चीनी उद्योग को फायदा मिलेगा। कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिल सकती है।

जबलपुर
मंगलवार 16 जून 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष-2
वर्ष : 21, अंक : 45
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 37
न्यून. 25

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

भारत ने निर्यात में कर दिया कमाल
45.2 अरब डॉलर के साथ बनाया रिकॉर्ड

■ छह माह के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट व अन्य वैश्विक अस्थिरता के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2026-27 में निर्यात में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। सोमवार को वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक मई में वस्तु निर्यात में पिछले साल मई के मुकाबले 18 प्रतिशत का इजाफा रहा। इस साल अप्रैल में वस्तु निर्यात में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

खबर संक्षेप

प्रीतम बॉलीवुड म्यूजिक से ले रहे हैं ब्रेक?

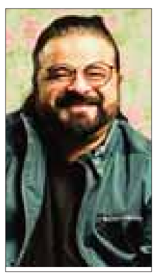

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज संगीतकार और गायक प्रीतम ने अपने जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिससे करोड़ों फैंस के बीच उनके बॉलीवुड छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। प्रीतम ने लिखा, सभी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आज मैंने खुद को कुछ साल अलग तरह से जीने का तोहफा देने का फैसला किया है। उन चीजों को पूरा करने का समय आ गया है, जो इतने सालों में मुझसे छूट गईं। उन्होंने आगे लिखा कि अब मेनस्ट्रीम से हटकर उन अनछुए रास्तों को तलाशने का समय है, जिन्हें बहुत लंबे समय से पीछे छोड़ दिया गया था। इस इमोशनल पोस्ट के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि अरिजीत सिंह के बाद अब प्रीतम भी कमर्शियल म्यूजिक से दूरी बना सकते हैं।

थोक महंगाई 43 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। देश में आम जनता पर महंगाई की मार और बढ़ गई है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर बढ़कर 9.68% पर पहुंच गई है, जो पिछले 43 महीनों में सबसे अधिक है। अप्रैल में यह 8.26% थी। इसकी मुख्य वजह ईंधन, बिजली रोजमर्रा की चीजों के दामों में हुई बढ़ोतरी है।

महिला को गोली मारी फिर खुद को भी उड़ाया

जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र में मर्डर और सुसाइड का सनसनीखेज मामला सामने आया है। भंडारी अस्पताल के पास राजुल डुप्लेक्स में रहने वाली शक्ति कोहली की उसके बिजनेस पार्टनर दीपेश राठौर ने गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को भी मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा, जहां दोनों के खून से सने शव मिले।

अयोध्या राम मंदिर दान में हेराफेरी: सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जैसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच की मांग की गई

यूपी सरकार ने तीन सदस्यों की एसआईटी बनाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित हेराफेरी के आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दी गई है। एडवोकेट अनूप प्रकाश अवस्थी ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को यह पत्र भेजा है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की सीधी निगरानी में सीबीआई जैसी किसी बड़ी एजेंसी से स्वतंत्र जांच कराने की अपील की है। अर्जी में कहा गया है कि यह मामला करोड़ों लोगों की आस्था और भरोसे से जुड़ा है। राम मंदिर के दान के पैसों में गड़बड़ी या उनके गायब होने की खबरों ने देश और विदेश के भक्तों को बहुत चिंतित कर दिया है। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाई है, लेकिन अभी तक कोई औपचारिक आपराधिक मामला या एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। अर्जी के अनुसार, एफआईआर न होने से संस्थान की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।

नृपेंद्र मिश्र बोले- जांच में कोई ढिलाई नहीं होगी

राम मंदिर दान पात्र में कथित गड़बड़ी के मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी को लेकर राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार ने बेहद तेजीसे कार्रवाई करते हुए एसआईटी का गठन किया है और अब जांच में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

इकबाल अंसारी बोले- भगवान स्वयं अपने पैसे को ढूंढ लेंगे

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण को लेकर बाबरी मस्जिद के पूर्व पैरोकार इकबाल अंसारी ने निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है। उन्होंने एसआईटी पर भरोसा जताते हुए कहा कि जांच पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता से होनी चाहिए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

अयोध्या में एसआईटी की एंट्री
15 दिनों में आएगी अंतिम रिपोर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यों की एसआईटी बनाई है। इसमें लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत, आईजी किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं।

भारत-अमेरिका समझौते पर 99 प्रतिशत बनी सहमति, कुछ मुद्दों का समाधान भी हो जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत तेज करने जा रहे हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल 23-24 जून को नई दिल्ली पहुंचेगा, जहां समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए उच्चस्तरीय चर्चा की जाएगी।

यह जानकारी सोमवार को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी। मासिक व्यापार आंकड़ों की ब्रीफिंग के दौरान वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि यूएसटीआर का प्रतिनिधिमंडल अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और भारत के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा। अग्रवाल ने कहा, हमारी उम्मीद है कि यह चर्चा समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के साथ-साथ उस व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर भी केंद्रित होगी, जिस पर दोनों देशों के बीच पहले से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि वार्ता का उद्देश्य केवल अंतरिम समझौते को पूरा करना ही नहीं, बल्कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापक व्यापार समझौते की दिशा में भी प्रगति करना है। यह दौरा इसी महीने की शुरुआत में नई दिल्ली में हुई वार्ताओं के बाद हो रहा है, जब यूएसटीआर के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय अधिकारियों के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की थी। 2 से 4 जून के बीच हुई उन बैठकों के बाद सरकार ने कहा था कि दोनों पक्षों ने वस्तुओं के व्यापार, गैर-शुल्कीय बाधाओं, सीमा शुल्क और व्यापार सुगमता, आर्थिक सुरक्षा सहयोग तथा अन्य पारस्परिक हितों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। भारत और अमेरिका ने इससे पहले फरवरी में एक संयुक्त बयान जारी किया था, जिसमें पारस्परिक और दोनों देशों के लिए लाभकारी व्यापार के आधार पर एक अंतरिम समझौते का खाका पेश किया गया था।

पीएम नरेंद्र मोदी का स्लोवाकिया में 'परंपरा व विरासत' से वेलकम

नमक रोटी भेंट की, पंचतंत्र की चित्रावली दिखाई गई, कीर्तन मंडली ने भजन भी गाए

स्लोवाकिया ने साफ संदेश दिया कि भारत उसके लिए एक अहम पार्टनर है और वह रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाना चाहता है

एजेंसी ▶▶ स्लोवाकिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विदेश दौरे के दौरान स्लोवाकिया पहुंचे, जहां उनका स्वागत एक खास परंपरा के साथ किया गया। एयरपोर्ट पर उन्हें 'ब्रेड एंड सॉल्ट' यानी रोटी और नमक भेंट किया गया। पहली नजर में यह तरीका थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन स्लोवाकिया और दूसरे स्लाविक देशों में यह सम्मान और दोस्ती का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। खास बात यह है कि 1993 में स्लोवाकिया के गठन के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है। ऐसे में यह स्वागत सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों का भी संदेश माना जा रहा है। स्लोवाकिया में किसी खास मेहमान का स्वागत ब्रेड और सॉल्ट देकर करना सदियों पुरानी परंपरा है।

सम्मान, दोस्ती और गुडविल का प्रतीक माना जाता है नमक रोटी को

पीएम मोदी को नमक रोटी भेंट करते हुए, दूसरे चित्र में भजन मंडली की प्रस्तुति

» *1993 में स्लोवाकिया के गठन के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा*

» *भारतीय कंपनियों के लिए यूरोप में नए अवसर और स्लोवाकिया के लिए भारत जैसे बड़े बाजार तक पहुंच भी बैठक का अहम एजेंडा*

ब्रेड और नमक का क्या होता है मतलब?

इस परंपरा में दोनों चीजों का अलग-अलग महत्व है। ब्रेड को समृद्धि, भोजन और जीवन का प्रतीक माना जाता है। इसका मतलब है कि मेहमान के साथ खुशहाली और संसाधन साझा किए जा रहे हैं। वहीं नमक को वफादारी, भरोसे और लंबे समय तक चलने वाली दोस्ती का प्रतीक माना जाता है।

क्यों खास है मोदी की स्लोवाकिया यात्रा?

यह यात्रा इसलिए ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि स्लोवाकिया के स्वतंत्र देश बनने के बाद पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री वहां पहुंचा है। इससे पहले दोनों देशों के रिश्ते अच्छे रहे हैं, लेकिन इतनी हाई-लेवल यात्रा कभी नहीं हुई।

स्लोवाकिया के बाद क्या है मोदी का अगला प्लान?

स्लोवाकिया में दो दिन के कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी फिर फ्रांस जाएंगे, जहां वह जी7 समिट में हिस्सा लेंगे। इस समिट में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था, एआई, सुरक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मोदी कई देशों के नेताओं के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं। ऐसे में स्लोवाकिया दौरा सिर्फ एक पड़ाव नहीं बल्कि यूरोप में भारत की बढ़ती कूटनीतिक सक्रियता और वैश्विक भूमिका को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आवारा कुत्ते का मासूम पर जानलेवा हमला

डॉक्टरों ने प्लास्टिक सर्जरी से री-कंस्ट्रक्ट किया चेहरा

घावों पर लगाए गए करीब 40 टांके

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

नालछा तहसील के ग्राम बांग्ला में आवारा कुत्तों का खूंखार रूप सामने आया है। यहां घर के आंगन में खेल रही आनंद जाट की तीन वर्षीय मासूम बेटी हितांशी पर एक आवारा कुत्ते ने अचानक जानलेवा हमला कर दिया। इससे पहले कि परिजन कुछ समझ पाते, कुत्ते ने बच्ची के चेहरे को बुरी तरह नोंच डाला, जिससे उसकी नाक और कान के पास का मांस तक बाहर निकल आया। धार के अस्पताल में डॉ. मयंक महाजन और उनकी टीम ने बेहद गहरे जख्मों को देखते हुए करीब दो घंटे तक कड़ी मशक्कत की।

सीधी में दर्दनाक हादसा

सोन नदी में पिकनिक मनाने गए मैहर के चार युवक-युवतियां डूबे

एक युवती का शव बरामद
तीन की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीधी

पुलिस की टीम जांच करते हुए

रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सोन नदी के भंवरसेन घाट पर सोमवार दोपहर करीब 1 बजे एक बड़ा हादसा हो गया, जिससे पिकनिक की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। मैहर से अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ पिकनिक मनाने आए चार युवक-युवतियां नदी में नहाते समय अचानक गहरे पानी और तेज बहाव की चपेट में आ गए।

शिक्षक भर्ती में पद वृद्धि की मांग

कड़ी धूप में 'अर्धनग्न' होकर किया सड़क पर दंडवत प्रणाम

जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय से लोक शिक्षण संचालनालय तक किया प्रदर्शन

सड़कों पर प्रदर्शन करते शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में शिक्षक भर्ती परीक्षा 2025 में पद वृद्धि की मांग को लेकर उम्मीदवारों का प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। शिक्षक भर्ती उम्मीदवारों ने सोमवार को जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय से लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) तक अनोखा प्रदर्शन किया।

इस दौरान उम्मीदवार कड़ी धूप में अर्धनग्न होकर सड़क पर ही लेट गए और दंडवत प्रणाम करते हुए डीपीआई तक पहुंचे। उम्मीदवारों ने सरकार से वर्ग-3 प्राथमिक शिक्षक भर्ती में 25 हजार पद बढ़ाने तथा वर्ग-2 माध्यमिक शिक्षक भर्ती में प्रत्येक विषय में 3-3 हजार अतिरिक्त पद जोड़ने की मांग की है। अभ्यर्थियों कहा कहना है कि वह पिछले कई महीनों से अलग-अलग चरणों में धरना, प्रदर्शन, मुंडन और मार्कशीट दहन जैसे आंदोलन कर चुके हैं। परंतु मांगों पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

प्रदर्शन के दौरान शिक्षक भर्ती उम्मीदवारों ने हाथों में तख्तियां लेकर जमकर नारेबाजी की और शिक्षक भर्ती में रिक्त पदों के अनुरूप पद वृद्धि कर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की मांग उठाई। अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रदेश में शिक्षकों के एक लाख से अधिक पद रिक्त हैं, लेकिन भर्ती में केवल 8 से 10 हजार पद ही निकाले जाते हैं।

ट्विशा शर्मा डेथ केस

आज कोर्ट में पेश होंगे गिरिबाला और समर्थ दूसरी पीएम रिपोर्ट सौंप सकती है सीबीआई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गिरिबाला सिंह समर्थ सिंह

राजधानी भोपाल के बहुचर्चित ट्वीशा शर्मा सुसाइड केस में सोमवार को अहम सुनवाई होने जा रही है। मामले में आरोपी गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह को न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। इस दौरान जांच एजेंसी मामले से जुड़ी दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी अदालत के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।अदालत को अब तक की जांच, पूछताछ और जुटाए गए साक्ष्यों की जानकारी देगी। दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद एजेंसी आरोपियों की आगे की हिरासत की मांग कर सकती है। दूसरी ओर बचाव पक्ष की ओर से जमानत याचिका पर सुनवाई की मांग किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है।

एटीएस के आरोपी भी होंगे कोर्ट में पेश

इधर, मध्य प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) द्वारा हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपी मोहम्मद फराज और उसके साथ पकड़े गए अन्य आरोपियों को भी सोमवार को विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। एटीएस का दावा है कि आरोपियों को प्रदेश में नेटवर्क खड़ा करने और सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने का टारगेट दिया गया था। एटीएस अदालत से आरोपियों की रिमांड बढ़ाने की मांग कर सकती है ताकि नेटवर्क, फंडिंग और अन्य संपर्कों से जुड़े पहलुओं की गहन जांच की जा सके।

प्रदेश में पारा 40 डिग्री के नीचे, कुछ जिलों में बारिश, तेज हवाएं चलीं

18 जून को आएगा नया पश्चिमी विक्षोभ
प्री-मानसून गतिविधियां बढ़ेंगी

20 जून के आसपास प्रदेश में मानसून का 'आगमन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित करीब दो दर्जन जिलों में सोमवार को सुबह से देर रात के बीच मौसम बदला रहा। इन जिलों में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ीं। प्रदेश में दिन का पारा 40 डिग्री से नीचे रहने से कुछ राहत रही। यह सामान्य से औसतन 2 डिग्री अधिक दर्ज हुआ है। सोमवार को भी दो दर्जन से अधिक जिलों में पारा एक से दो डिग्री तक बढ़ा,जबकि आधा दर्जन जिलों में 2 से 3 डिग्री तक बढ़त रही। मंगलवार को भोपाल सहित कुछ जिलों में मौसम का यही मिजाज रहेगा।

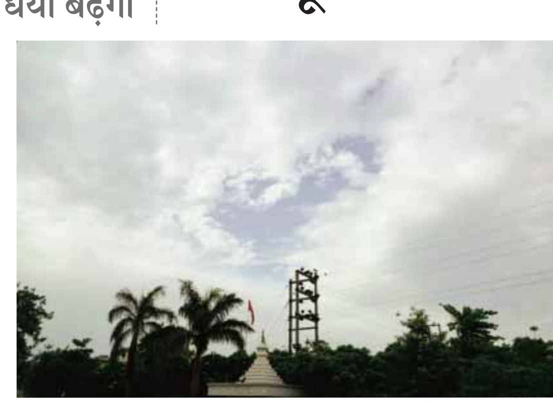

भोपाल में दिन भर आसमान में बादलों की लुका-छिपी चलती रही

यहां चलेगी आंधी

मौसम केंद्र के अनुसार मंगलवार को सीहोर, सागर में 40 से 50 किमी की रफ्तार से आंधी चलेगी। भोपाल, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां,अनुपपुर, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा,सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में कुछ जगह तेज हवाएं और बौछारें पड़ेंगी।

इन जिलों में गर्मी बढ़ी

सोमवार को पश्चिमी मप्र के धार, गुना, इंदौर, राजगढ़, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन में पारा 1 से 3 डिग्री तक बढ़कर औसतन 39 डिग्री रहा। भोपाल में दशमलव 9 डिग्री गिरकर 34.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम है। पूर्वी मप्र के दमोह, छिंदवाड़ा, नौगांव, खजुराहो, जबलपुर, सागर, सतना, टीकमगढ़ और मलाजखंड में औसतन एक डिग्री की बढ़त रही। यहां औसत अधिकतम पारा 38 डिग्री तक रहा। यह औसत सामान्य से करीब 3 डिग्री अधिक रहा। प्रदेश में औसत पारा 40 डिग्री रहा, जो सामान्य से औसतन 2 डिग्री अधिक रहा है।

खबर संक्षेप

महिला को बचाने नदी में कूदा युवक लापता

देहरादून। ग्वालियर का युवक का परिवार हेंवल नदी के मुहाने पर गंगा नदी में स्नान कर रहा था।

एसडीआरएफ निरीक्षक कवींद्र सजवाण ने बताया कि स्नान के दौरान परिवार की एक महिला सदस्य, रेनू गुर्जर,(33) अचानक नदी के तेज बहाव में बहने लगी। महिला को बचाने के चक्कर में ग्वालियर के शैलेंद्र महावी गंगा नदी में कूद गया। महिला नदी से सुरक्षित बाहर निकल आई। लेकिन युवक नदी के तेज बहाव में लापता हो गया। एसडीआरएफ की ओर से रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से युवक की तलाश की जा रही है।

अमरनाथः बेस कैंप से यात्रा मार्ग तक हाई अलर्ट

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा 2026 को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए डीजीपी नलिन प्रभात ने

सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करते हुए बेस कैंप, यात्रा मार्ग और संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। यात्रा के दौरान सीसीटीवी, आरएफआईडी ट्रैकिंग सिस्टम, क्यूआरटी और नियमित एंटी-सैबोटेज जांच के जरिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी। इस दौरान यात्रा रूट, बेस कैंप और संवेदनशील जगहों की सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश दिए गए। डीजीपी ने हाई अलर्ट पर रहने और आपसी तालमेल मजबूत करने को कहा।

ऐतिहासिक दौरा: स्लोवाकिया पहुंचे पीएम मोदी

द्विपक्षीय रिश्तों को व्यापक साझेदारी में बदलने का किया ऐलान,सहमति

प्रधानमंत्री फिको बोले- भारत की आर्थिक रफ्तार से सीखे यूरोप

एजेंसी ▶▶ब्रातिस्लावा (स्लोवाकिया)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर स्लोवाकिया पहुंचे। इसके साथ ही वे इस देश की यात्रा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। राजधानी ब्रातिस्लावा में स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस उच्च स्तरीय बैठक में भारतीय दल की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। वार्ता के बाद समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान और संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि भारत और स्लोवाकिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का ऐतिहासिक फैसला किया है। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि यह व्यापक साझेदारी दोनों देशों की साझा सोच, साझा प्राथमिकताओं और साझा भविष्य का प्रतीक है। इसके साथ ही उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और इसे जल्द से जल्द लागू करने की दिशा में स्लोवाकिया द्वारा मिल रहे सहयोग के लिए प्रधानमंत्री फिको का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

> पीएम मोदी ने फिको को भारत आने का न्योता दिया

> स्लोवाकिया ने यूएनएससी की स्थाई सदस्यता के लिए भारत का समर्थन किया

स्लोवाकिया की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी

भारत के डिजिटल क्रांति की हुई सराहना

दूसरी ओर, स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने भारत की आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत आज कई विकसित देशों से भी तेज गति से आगे बढ़ रहा है और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश व पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के प्रधानमंत्री का स्वागत करना उनके लिए बेहद सम्मान की बात है। फिको ने भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य और डिजिटलाइजेशन में मिली सफलता की तारीफ करते हुए यूरोपीय संघ की आर्थिक चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यदि यूरोप भी भारत की तरह छह से सात प्रतिशत की विकास दर हासिल कर सके, तो उसकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह महत्वपूर्ण यात्रा स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के विशेष निमंत्रण पर हो रही है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत होते रिश्तों को दर्शाती है। इससे पहले अप्रैल 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्लोवाकिया का राजकीय दौरा किया था, जबकि स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी भी फरवरी 2026 में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेने भारत आए थे। अपनी इस तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी से भी मुलाकात करेंगे। इस पूरे दौरे में दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, इनोवेशन, ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रेलवे विकास और अन्य रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

भारत स्थाई सदस्यता का हकदारः स्लोवाकिया

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का समर्थन करते हुए जोरदार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट का हकदार है। आधिकारिक कार्यक्रमों के दौरान बोलते हुए उन्होंने वैश्विक संस्थाओं में बदलाव करके उन्हें आज की हकीकत के अनुरूप बनाने के लिए स्लोवाकिया के समर्थन की सार्वजनिक रूप से घोषणा की। फिको ने कहा मैं सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करना चाहता हूं कि स्लोवाकिया गणराज्य की सरकार संयुक्त राष्ट्र में सुधार का समर्थन करती है और हमारा दृढ़ विश्वास है कि भारत जैसे देशों को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए।

ज्वॉइंट पीसी में पीएम मोदी ने कहीं 5 प्रमुख बातें

- *आज हमने अपने संबंधों को व्यापक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया है। यह हमारे आपसी विश्वास, प्राथमिकताओं और भविष्य का प्रतीक है।*
- *भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए मैं पीएम फिको का विशेष आभार व्यक्त करता हूं।*
- *स्लोवाकिया की एक यूनिवर्सिटी में एआई के विषय पर इंडिया चेयर बनाई जा रही है। एआई मानवता की सेवा और प्रगति का सशक्त माध्यम बने, यही हमारी साझा सोच है।*
- *रक्षा सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रमाण है। मुझे खुशी है कि इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में आज हमने लेटर ऑफ इंटेंट साइन किया।*
- *भारत के प्राचीन उपनिषदों का "स्लोवाक" भाषा में अनुवाद किया जाना हमारी सांस्कृतिक निकटता का बेहतरीन उदाहरण है।*

समझौते के बीच भारत का बड़ा कदम

निश्चिंत रहें भारत में ईंधन की कोई कमी नहीं, पर्याप्त है भंडार

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक शांति समझौते के ऐलान के बाद जहां वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट दूर होने की उम्मीद जगी है, वहीं भारत सरकार ने देश में ईंधन की स्थिति को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान जारी किया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीज का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई पूरी तरह स्थिर है। हमारी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त बफर स्टॉक सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने कुछ पेट्रोल पंपों पर दिख रही अतिरिक्त भीड़ का कारण स्पष्ट करते हुए बताया कि औद्योगिक और कमर्शियल ग्राहक (जो पहले थोक में खरीदारी करते थे) अब सीधे रिटेल आउटलेट्स से ईंधन खरीद रहे हैं। इसी वजह से कुछ जगहों पर बिक्री सामान्य से अधिक देखी जा रही है, जो कि केवल एक अस्थायी बदलाव है।

होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकला पहला गैस जहाज, 18 जून को पहुंचेगा भारत

शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम द्वारा संचालित यह कमर्शियल जहाज 62,370 मीट्रिक टन एलएनजी कार्गो लेकर भारत आ रहा है। 18 जून तक गुजरात के दाहेज पोर्ट पर पहुंचने की संभावना है। पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के डायरेक्टर ओपेश कुमार शर्मा का कहना है कि एलएनजी कैरियर दिशा सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है। इसके 18 जून को गुजरात के दाहेज पोर्ट पर पहुंचने की उम्मीद है।

भड़के बांग्लादेश ने भारतीय राजनयिक को किया तलब

एजेंसी ▶▶ढाका

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सूचना सलाहकार जाहेद उर रहमान को भारत में प्रवेश न देने के मामले पर दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को भारत के कार्यवाहक हाई कमिश्नर पवन बाधे को तलब कर इस घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। जाहेद उर रहमान को दिल्ली में होने वाली इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (आईओआरए) की बैठक में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना था। बांग्लादेश का आरोप है कि राजनयिक पत्र के जरिए पहले से सूचित किए जाने के बावजूद, भारतीय आव्रजन अधिकारियों ने रविवार शाम दिल्ली एयरपोर्ट पर उन्हें रहस्यमय कारणों से रोक दिया। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान और राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने इस घटना को अप्रत्याशित बताया है।

ब्रिटेन में 16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं चला पाएंगे सोशल मीडिया

एजेंसी ▶▶लंदन

बच्चों को डिजिटल दुनिया के खतरों से बचाने के लिए ब्रिटेन सरकार ने एक बहुत बड़ा कदम उठाने का ऐलान किया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को घोषणा की कि देश में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया चलाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई जाएगी। इसके साथ ही गेमिंग और लाइवस्ट्रीमिंग सेवाओं पर भी कड़े प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने अभी उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के नामों का खुलासा नहीं किया है जिन पर यह बैन लगेगा, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया है कि यह नियम अगले साल की शुरुआत में लागू हो जाएगा। इस बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों को ऑनलाइन नुकसान से बचाने के लिए सख्त कदम उठाना बेहद जरूरी है।

सोमवती अमावस्या पर हरिद्वार में उमड़ा आस्था का सैलाब

लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी, पूजा की

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए 6 सुपर जोन, 16 जोन और 40 सेक्टर बनाए गए हैं, जिनमें डिप्टी एसपी, सीओ, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों की तैनाती की गई है

सुबह तड़के पहुंचे लोग घाटों पर लगी भीड़

पुलिस प्रशासन अलर्ट हर जगह बल तैनात रहा

एजेंसी ▶▶ हरिद्वार

धर्मनगरी हरिद्वार में सोमवती अमावस्या के पावन पर्व पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह तड़के से ही हर की पौड़ी समेत गंगा के प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने खुद ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

300 वर्ष बाद दुर्लभ योग बना

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने बताया कि लगभग तीन सौ वर्षों बाद ज्योतिषीय गणना के अनुसार ऐसा दुर्लभ योग बना है। ग्रहों की वर्तमान स्थिति, समवर्ती अमावस्या और अधिक मास का यह संयोग बना है। यह अपने आप में अत्यंत विशेष है। उन्होंने कहा कि जो लोग पूरे मास व्रत रखते हैं, उन्हें सोमवती अमावस्या के दिन अपने पूर्वजों और पितरों का तर्पण करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति घर पर ही है, तो वह स्नान के जल में थोड़ा-सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकता है और अपने पूर्वजों का स्मरण कर सकता है।

पितरों का तर्पण किया

सोमवती अमावस्या के दिन श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद भगवान शिव का अभिषेक किया। अपने कुल के दिवंगत सदस्यों अर्थात पितरों का तर्पण किया। जरूरतमंद ब्राह्मणों को यथाशक्ति दान-दक्षिणा देनी चाहिए तथा उन्हें भोजन भी कराया।

हरिद्वार में हर की पौड़ी घाट पर स्नान करते श्रद्धालु

घाटों पर सभी व्यवस्थाएं की गईं

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि प्रशासन की ओर से घाटों पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। वहीं एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए 6 सुपर जोन, 16 जोन और 40 सेक्टर बनाए गए हैं, जिनमें डिप्टी एसपी, सीओ, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों की तैनाती की गई है।

बम डिस्पोजल स्क्वाड तैनात

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने कहा कि सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। सुरक्षा जांच के लिए बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस) और डॉग स्क्वाड भी तैनात हैं।

खबर संक्षेप

फोर्ब्स सफल प्रवासियों की सूची में 30 भारतवंशी

नई दिल्ली। अमेरिका की स्थापना के 250 साल पूरे होने के ऐतिहासिक मौके पर प्रसिद्ध

बिजनेस पत्रिका फोर्ब्स ने अमेरिका के सबसे सफल 250 प्रवासियों की एक विशेष सूची जारी की है। इस प्रतिष्ठित सूची में भारतीय मूल के 30 दिग्गजों ने अपनी जगह बनाकर वैश्विक पटल पर भारत का नाम रोशन किया है।

सीएम भगवंत मान खालसा पंथ विरोधी करार

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान को खालसा पंथ विरोधी करार दिया है।

श्री अकाल तख्त के जत्थेदार ने पंजाब विधानसभा के सभी सिख विधायकों व कैबिनेट को 29 जून को तलब किया है। एक बैठक में सीएम मान के खिलाफ शिकायत में आपत्तिजनक वीडियो पाया गया।

नागौर जिले में सड़क हादसा, 3 लोगों की मौत

नागौर। राजस्थान के नागौर जिले में सोमवार को सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

हो गई तथा पांच अन्य घायल हुए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा लूणी नदी पर से गुजरने के रास्ते के पास हुआ जब एक वैन और निजी बस की टक्कर हो गई। वैन में सवार सभी आठ लोग एक ही परिवार के थे।

रिलायंस अनिल ग्रुप के दो ग्रुप एमडी अरेस्ट

नई दिल्ली। ईडी ने 'प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002' के तहत अपराधों के लिए रिलायंस

अनिल अंबानी ग्रुप के ग्रुप एमडी सतीश सेठ और गौतम भाईलाल दोषी को अरेस्ट किया है। सतीश सेठ को मेसर्ज रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लि. और गौतम दोषी को रिलायंस कम्युनिकेशंस लि. में अरेस्ट किया।

पंजाब के निजी स्कूलों में 25% गरीब बच्चों के प्रवेश का मुद्दा

15 साल से क्यों लागू नहीं हुआ शिक्षा का अधिकार कानून?, सुको ने केंद्र व राज्य से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सुझाव दिया कि वह कम से कम एक जिले में सर्वेक्षण करे ताकि यह पता चल सके कि वहां कितने निजी स्कूल हैं। उनमें से कितने अधिनियम के प्रावधानों को लागू नहीं कर रहे हैं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और पंजाब सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा है। जिसमें राज्य में बाल शिक्षा के निशुल्क और अनिवार्य अधिकार (आरटीई) अधिनियम 2009 के कार्यान्वयन न होने का दावा किया गया है। याचिका में केंद्र को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि पंजाब सरकार की ओर से अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी और निरंतर अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, जिसमें निजी स्कूलों में कक्षा 1 में कम से कम 25 प्रतिशत कमजोर वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को प्रवेश देने से संबंधित प्रावधान भी शामिल है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उपस्थित याचिकाकर्ता से पूछा, 'क्या आप कुछ ऐसे स्कूलों की पहचान कर पाए हैं जो ऐसा नहीं कर रहे हैं?'

50000 गरीब छात्र लाभ से वंचित

याचिकाकर्ता को एक जिले का सर्वेकरने को कहा

करीब 450 छात्रों को ही मिला प्रवेश

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि पंजाब में पिछले 15 वर्षों से अधिनियम के प्रावधानों को लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के 2012 के उस फैसले का हवाला दिया जिसमें आरटीई अधिनियम की वैधता को बरकरार रखा गया था। पीठ ने राज्य की ओर से पहले दायर किए गए एक हलफनामे का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 450 से अधिक छात्रों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिया गया था।

हम नोटिस जारी कर रहे

याचिकाकर्ता ने कहा कि यह संख्या लगभग 50,000 होनी चाहिए थी, क्योंकि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रवेश स्तर पर हर साल लगभग दो लाख छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। बेंच ने कहा कि हम नोटिस जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सुझाव दिया कि वह कम से कम एक जिले में सर्वेक्षण करे ताकि यह पता चल सके कि वहां कितने निजी स्कूल हैं। उनमें से कितने अधिनियम के प्रावधानों को लागू नहीं कर रहे हैं।

पारदर्शी तंत्र स्थापित करने की मांग

याचिका में केंद्र को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह पंजाब में अधिनियम की धारा 12(1)(सी) के प्रावधानों को लागू करने के लिए एक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी कार्यान्वयन तंत्र की स्थापना सुनिश्चित करे, जिसमें उपलब्ध सीटों का निर्धारण और प्रकाशन, प्रवेश कार्यक्रम का प्रकाशन, सुलभ आवेदन प्रक्रिया, प्रतिपूर्ति ढांचा और गैर-अनुपालन के लिए वैधानिक परिणामों का प्रवर्तन शामिल है।

क्या है धारा 12?

अधिनियम की धारा 12 निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के लिए विद्यालय की जिम्मेदारी की सीमा से संबंधित है। धारा 12 (1) (सी) कहती है कि एक विद्यालय कक्षा 1 में, उस कक्षा की कुल संख्या के कम से कम 25 प्रतिशत तक, आस-पड़ोस के कमजोर वर्गों और वंचित समूहों से संबंधित बच्चों को प्रवेश देगा। इसकी साथ ही उसकी पूर्णता तक मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा देंगे।

ट्रांसजेंडर कानूनः अलग-अलग अदालत में सुनवाई पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें देश के विभिन्न हाईकोर्टों में लंबित उन याचिकाओं को अपने पास स्थानांतरित करने की मांग की गई है, जो ट्रांसजेंडर पर्सन्स (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स) अमेंडमेंट एक्ट, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती हैं।

यह नया व्यवसाय बन गया है, आरोपियों को अग्रिम जमानत देने से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत सक्रियता को 'एक नया व्यवसाय' करार देते हुए एक आरटीआई कार्यकर्ता और सड़क निर्माण कार्य में सरकारी कर्मचारी को बाधा पहुंचाने के आरोपी अन्य लोगों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विजय बिश्नोई

आरटीआई सक्रियता पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

की बेंच ने आरटीआई कार्यकर्ता राकेश कुमार बहल और उनके सहयोगी को जमानत देने से इनकार कर दिया और सड़क निर्माण के काम की निगरानी करने के उनके अधिकार पर भी सवाल उठाए। जस्टिस मेहता ने कहा, आरटीआई सक्रियता लोगों के बीच एक नया व्यवसाय बन गया है। केंद्र सरकार ने फंड जारी किया है, वही सड़क निर्माण का ध्यान रखेगी। आप कोई नहीं हैं। तथाकथित आईटीआई एक्टिविस्ट! यलो जर्नलिज्म... याचिका खारिज।

सीएम ने शुरू किए जन कल्याण शिविर

केंद्र ने वीबी-जी राम जी के तहत बंगाल को दिए 8508 करोड़ रु.

यूपी के बाद बंगाल सर्वाधिक राशि पाने वाला राज्य

ग्राम सड़क योजना के लिए 2400 करोड़ रुपए मंजूर

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बंगाल को 'वीबी-जी राम जी' योजना के तहत 8,508 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यूपी के बाद बंगाल इस योजना में सबसे ज्यादा फंड पाने वाला दूसरा राज्य बन गया है। योजना के तहत उत्तर प्रदेश को 9,721.48 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसके अलावा, ग्राम सड़क योजना के तहत भी 2,400 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं, जिनमें से 1,000 करोड़ रुपए केंद्र ने जारी कर दिए हैं। सीएम ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से राज्यव्यापी 'जन कल्याण शिविर' कार्यक्रम की शुरुआत की।

टीएमसी का विलय स्वागत योग्य

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी सांसदों ने नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय के

ऐलान की जानकारी पर एनसीपीआई के संस्थापक और राष्ट्रीय संगठन सचिव शांतनु डे ने कहा कि टीएमसी के उन्हें इस घटनाक्रम की जानकारी मीडिया के जरिए मिली। उन्हें अब तक इस संबंध में कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई है। अगर कोई बातचीत करना चाहता है तो वह उसके लिए तैयार हैं। उनका कहना था कि किसी भी राजनीतिक विस्तार का स्वागत किया जा सकता है, लेकिन उसके लिए संवैधानिक और संगठनात्मक प्रक्रिया का पालन जरूरी है। शांतनु ने कहा कि उनकी पार्टी पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों और एनडीए का समर्थन करती है।

एनडीए को समर्थन देना जनादेश से विश्वासघात

टीएमसी नेताओं ने बागी सांसदों के एनसीपीआई में विलय को पार्टी और मतदाताओं दोनों के साथ विश्वासघात करार दिया है, जबकि भाजपा ने इसे सत्तारूढ़ दल के भीतर बढ़ते असंतोष और वैचारिक शून्यता का परिणाम बताया है। टीएमसी विधायक कुणाल घोष ने कहा कि बागी सांसद टीएमसी के चुनाव चिन्ह और ममता बेनर्जी के नेतृत्व में जीतकर संसद पहुंचे थे। जिन मतदाताओं ने उन्हें चुना, वे भाजपा विरोधी विचारधारा के थे। ऐसे में एनडीए का समर्थन करना हर मतदाता के साथ धोखा है।

उत्तरांचल में स्कॉलरशिप घोटाला

फेल-गुमनाम छात्रों के नाम पर 13 करोड़ की हेराफेरी में संपत्ति जब्त

एजेंसी ▶▶ देहरादून

ईडी देहरादून सब-जोनल ऑफिस ने उत्तराखंड में एससी/एसटी स्कॉलरशिप घोटाले की चल रही

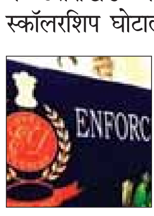

जांच के सिलसिले में, प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत लगभग 13.83 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त किया है। आरोपियों ने ऐसे छात्रों को स्कॉलरशिप के लिए चुना, जो परीक्षा में फेल हो गए थे या दूसरी तरह से वे अयोग्यता की श्रेणी में आते थे। इतना ही नहीं, कुछ छात्र तो ऐसे भी थे, जिनकी यूनिवर्सिटी का कोई अता पता नहीं था। लगभग छह हजार दावों में से 2895 दावे फर्जी निकले। इस मामले में 13 करोड़ रुपए की आपराधिक आय का पता लगा है। ईडी ने उत्तराखंड पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर इस केस की जांच शुरू की थी। यह एफआईआर 2011-12 से 2016-17 के दौरान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप से संबंधित थी।

जेवर से पहली उड़ान में लखनऊ पहुंचे किसान

किसानों के चेहरे पर दिखा गर्व

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए पहली उड़ान सफलतापूर्वक रवाना हुई। इस विशेष विमान में यात्री के रूप में जेवर के वे स्थानीय किसान सवार थे, जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण परियोजना के लिए अपनी जमीनें खुशी-खुशी सरकार को दी थीं। यह अनूठी हवाई यात्रा इन भूमिदाता किसानों का सम्मान बढ़ाने और उन्हें विकास का सहभागी बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। अपने ही गांव की जमीन से सीधे सूबे की राजधानी तक का पहला हवाई सफर पूरा करके उतरे किसानों के चेहरे पर गर्व नजर आया।

नीट री-एग्जाम के नाम पर साइबर ठगी

अंतरराज्यीय टेलीग्राम गैंग का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ जयपुर

अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को राजस्थान के दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पर टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से री-नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा कर छात्रों और अभिभावकों से कथित ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय साइबर नेटवर्क को संचालित करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कई टेलीग्राम चैनल, टेलीग्राम

आईडी और ऑनलाइन समूह बनाए थे, जिनमें री-नीट प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने संबंधी संदेश प्रसारित किए जाते थे। साइबर क्राइम ब्रांच के अनुसार छात्रों और अभिभावकों से प्रश्नपत्र और गोपनीय जानकारी उपलब्ध कराने के नाम पर पैसे लिए जाते थे। इनका उपयोग वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया गया।

अल नीनो से कमजोर मानसून की चिंता में सरकार ने कसी कमर

'खेत बचाओ अभियान' शुरू, हर राज्य के लिए आकस्मिक योजना भी तैयार

किसानों को वैकल्पिक उपाय बताए जा रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मौसम विभाग ने जून-सितंबर 2026 के मानसून कमजोर रहने का अनुमान जताया है। इसके चलते देश के 25 फीसदी हिस्से में सूखा पड़ने की आशंका है। इसका असर फसल उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य कीमतों पर पड़ सकता है। केंद्र सरकार सूखे से होने वाले नुकसान को कम करने की तैयारी में जुट गई है। इस कमजोर मानसून की वजह अल नीनो को बताया जा रहा है। इससे बचने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 'खेत बचाओ अभियान' भी शुरू किया है, जिसके जरिए किसानों तक समय रहते मौसम संबंधी चेतावनियां, फसल प्रबंधन सलाह और वैकल्पिक कृषि उपाय पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। सरकार की कोशिश संकट आने के बाद राहत देने के बजाय पहले से तैयारी कर नुकसान को कम करना है।

देश में पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न का स्टॉक

साप्ताहिक समीक्षा बैठकें की जा रहीं

कृषि मंत्रालय ने देशभर में 197 ऐसे जिलों की पहचान की है जिन पर अल नीनो का सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है। सरकार ने प्रत्येक राज्य के लिए अलग-अलग आकस्मिक योजना तैयार की है, ताकि तुरंत कदम उठाए जा सकें। स्थिति की समीक्षा के लिए साप्ताहिक बैठकें की जा रही हैं।

पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध

सरकार का दावा है कि खाद्य सुरक्षा को लेकर भी तैयारी की गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार देश में पर्याप्त खाद्यान्न बफर स्टॉक मौजूद है और अल नीनो के बावजूद खाद्य संकट की आशंका नहीं है। खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जबकि आगामी रबी सीजन के लिए उर्वरकों की आपूर्ति नवंबर से शुरू करने की योजना है।

क्या है अल नीनो?

अल-नीनो एक स्पैनिश भाषा का शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ है- लिटिल बॉय यानी छोटा लड़का। यह प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जो हर दो से सात साल में होती है। इससे दुनिया के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ आती है, जबकि अन्य हिस्सों में गंभीर सूखा और अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ता है।

जयपुर में सीजेपी का जोरदार प्रदर्शन

संस्थापक दीपके से हुई मारपीट 6 आरोपी गिरफ्तार, जांच शुरू

एजेंसी ▶▶ जयपुर

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ सोमवार को जयपुर में मारपीट हुई है।

दरअसल, जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर सीजेपी नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रही थी। अभिजीत दीपके को उनके समर्थक कंधे पर बैठकार ले जा रहे थे, तभी भीड़ में से कुछ युवकों ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

भीड़ ने युवकों को पीटा

दीपके को 6 युवकों ने थप्पड़ मारे हैं। इसके बाद पार्टी के समर्थकों ने उनमें से दो युवकों को पकड़कर पीट दिया। थप्पड़ मारने वाले राकेश गुर्जर, रोहित वैष्णव, अर्जुन पंडित, अजय समेत 6 युवकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। सभी को विधायकपुरी थाने लाया गया है। जयपुर दक्षिण के डीसीपी राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि हम जांच कर रहे हैं कि यह किसी संगठन से जुड़े हुए हैं या नहीं।

हमला कायरता की निशानी

हालांकि अभिजीत दीपके ने मंच से कहा कि हमला करने वाले युवकों को छोड़ दिया जाए। उन्होंने कहा कि हमला करना डर और कायरता की निशानी है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को दोहराया। अभिजीत ने नारा लगाया कि हिंदू-मुस्लिम की राजनीति नहीं चलेगी, नहीं चलेगी।

द्वारिका शारदापीठ के शंकराचार्य ने धर्मस्थलों की धार्मिक-आर्थिक सुरक्षा के लिए सनातन बोर्ड बनाने की बताई आवश्यकता

शासनाधीन होने के कारण धर्मक्षेत्र बन रहे पर्यटन स्थल : स्वामी सदानंद सरस्वती

जबलपुर। द्वारिका शारदापीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने यहां कहा कि शासन के अधीन होने के कारण धार्मिक क्षेत्र पर्यटन स्थल बनते जा रहे है। यह गहन चिंता का विषय है। उन्होंने धर्मस्थलों की धार्मिक और आर्थिक सुरक्षा के लिए सनातन बोर्ड बनाए जाने पर बल दिया। जबलपुर प्रवास के दौरान शंकाराचार्य महाराज मढ़ाताल स्थित शंकराचार्य मठ में पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर श्री बंगलामुखी सिद्धपीठ के पुजारी ब्रम्हचारी चैत्यानंद भी मौजूद थे। अनौपचारिक चर्चा में अयोध्या के राममंदिर में हाल ही में प्रकाश में आयी लाखों रुपये की चोरी के मामले में अपना रुख स्पष्ट करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि हिंदू धर्मस्थलों की धार्मिक-आर्थिक सुरक्षा के लिए सनातन बोर्ड का गठन किया जाना आवश्यक है। इस बोर्ड में चारों मान्य शंकराचार्यों सहित अन्य परंपराओं की पीठ तथा अखाड़ा परिषद के मान्य शीर्षस्थ जनों को शामिल किया जाना चाहिए और सरकार व्यवस्था को पूर्ण पारदर्शी स्वरूप देने बोर्ड का समय-समय पर आडिट कराकर उसे जनता के समक्ष रखे।

शंकराचार्य जी ने आगे कहा कि तीर्थस्थलों और धर्मक्षेत्रों में धर्मसम्मत विधि निषेध का पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि अधिकारियों को धार्मिक विधि-निषेध की जानकारी नहीं होती और वे शास्त्रीय अनभिज्ञता के कारण धार्मिक विधियों को नहीं जानते, इस कारण मनमाना आचरण होता है। अयोध्या की चर्चा से पहले भी धार्मिक स्थलों पर ऐसी बातें हुईं हैं, जिससे हिंदू समाज आहत हुआ है। तिरुपति का लड्डू विवाद सहित कई मामले ऐसे हैं, जिससे हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह धर्मस्थल शासनाधीन न कर धर्माधीन करे।

शंकराचार्य जी ने कहा कि हिंदू समाज आजादी के इतने सालों बाद भी धर्मक्षेत्रों का विकास धर्मआधारित नहीं कर पा रहा हैं, तो इसका कारण ही यह है कि धर्मक्षेत्र शासनाधीन हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुस्लिम समाज के लिए वक्फ बोर्ड गठित हो सकता है तो हिंदू समाज के लिए सनातन बोर्ड गठित क्यों नहीं किया जा सकता। शासनाधीन होने के कारण धर्मक्षेत्र पर्यटन स्थल बनते जा रहे हैं। पर्यटन स्थल के रूप में यदि धर्मक्षेत्रों को विकसित किया जाएगा, तो उनकी पवित्रता प्रभावित होगी।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर पूर्व में आरोप लगाने के बाद नया खुलासा करने वाले आशुतोष ब्रम्हचारी को लेकर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि समाज अपनी आंख खोले और तय करे कि धार्मिक तथा धर्माचार्य कौन है। जो व्यक्ति अपने विविध-विविध बयानों से स्वयं अपनी विश्वसनीयता खो चुका है, उस पर क्या ही कहा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पर एक षडयंत्र के तहत आरोप लगाए गए हैं। जब भी ऐसे मामले हों, तो उनकी निष्पक्ष जांच कर दूध का दूध और पानी का पानी अलग किया जाना चाहिए।

9 प्रधानमंत्री बदल गए, हिन्दुओं की मांग जहां की तहां

गौमाता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने की मांग के लेकर पूछे गए सवाल पर महाराजश्री ने कहा कि 1966 से ही हिंदू समाज द्वारा गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने की मांग की जा रही है परंतु तब से अब तक नौ सरकारें और 7 प्रधानमंत्री बदल गए और हिंदुओं की मांग जहां की तहां है। उन्होंने कहा कि यदि गोवंश के मांस निर्यात से सरकार अपने लाभ के कारण ऐसा नहीं कर रही है, तो उनके पास ऐसा गणित है, जिसके आधार पर सरकार खुद मानेगी कि गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने और गोवंश वध प्रतिबंध करने के बाद उसकी आय कई गुना ज्यादा बढ़ जाएगी। हाल ही में कतिपय मुस्लिम संगठनों द्वारा गौरक्षा संबंधी की जा रही मांग पर स्वामी जी ने कहा कि मुस्लिम समाज द्वारा जो मांग की जा रही है वो राजनीति प्रेरित है परंतु बावजूद इसके चूंकि मांग गो रक्षण को लेकर है, लिहाजा हम उसका स्वागत करते हैं। कॉमन सिविल कोर्ट को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत में निवास करने वालों की पूजा पद्धति कुछ भी हो पर संविधान के अधिकार सबके लिए बराबर होने चाहिए।

अभिभावकों की चिंता : फीस, किताबे और यूनिफॉर्म महंगी

नई उम्मीदों के साथ नया शिक्षण सत्र शुरू

जबलपुर। गर्मी की छुट्टियों के बाद मंगलवार से शहर के अधिकांश स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने जा रहा है। एक ओर बच्चे नए बैग, नई किताबों और नए दोस्तों से मिलने को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर अभिभावकों के सामने बढ़ते शैक्षणिक खर्चों की चुनौती खड़ी है। स्कूल फीस, किताबें, यूनिफॉर्म, जूते, स्टेशनरी और परिवहन शुल्क ने मध्यम वर्गीय परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। शहर के कई अभिभावकों का कहना है कि हर साल शिक्षा का खर्च लगातार बढ़ रहा है। एक बच्चे की पढ़ाई पर ही हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं। जिन परिवारों के दो या तीन बच्चे स्कूल में हैं, उनके लिए नया सत्र किसी आर्थिक परीक्षा से कम नहीं है।

किताबों और यूनिफॉर्म पर सबसे ज्यादा खर्च

जबलपुर के विभिन्न बाजारों में पिछले एक सप्ताह से स्कूल सामग्री खरीदने वालों की भीड़ देखी जा रही है। किताबों, कॉपियों और यूनिफॉर्म की दुकानों पर अभिभावकों की लंबी कतारें लग रही हैं। कई अभिभावकों का कहना है कि स्कूलों द्वारा निर्धारित दुकानों से सामग्री खरीदने के कारण खर्च और बढ़ जाता है। एक अभिभावक ने बताया कि बच्चे की वार्षिक फीस के अलावा किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य सामग्री पर ही 15 से 20 हजार रुपये तक खर्च हो गए हैं।

मध्यम वर्ग पर सबसे ज्यादा असर

विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती महंगाई के दौर में शिक्षा का खर्च मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सबसे बड़ी चिंता बनता जा रहा है। घर का किराया, बिजली, चिकित्सा और अन्य जरूरतों के बीच बच्चों की शिक्षा पर होने वाला अतिरिक्त खर्च परिवारों के मासिक बजट को प्रभावित कर रहा है।

बच्चों में उत्साह, अभिभावकों में चिंता

स्कूल खुलने को लेकर बच्चों में उत्साह का माहौल है। नए बैग, नई कक्षाएं और नए शिक्षक बच्चों को आकर्षित कर रहे हैं। वहीं अभिभावक चाहते हैं कि बच्चों की पढ़ाई में कोई कमी न रहे, लेकिन बढ़ते खर्च उन्हें परेशान कर रहे हैं।

अभिभावकों की मांग

शहर के कई अभिभावकों ने मांग की है कि निजी स्कूल फीस वृद्धि पर नियंत्रण रखा जाए और किताबों व यूनिफॉर्म की खरीद में अभिभावकों को विकल्प दिए जाएं। उनका कहना है कि शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा जब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आम परिवारों की पहुंच में रहे। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ जबलपुर में जहां स्कूलों की घंटियां फिर से गूंजेंगी, वहीं हजारों परिवारों के लिए बच्चों की पढ़ाई का बढ़ता खर्च एक बड़ी चिंता का विषय बना रहेगा।

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव

आज से शुरू होगी मतगणना, वकीलों में उत्सुकता

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद (स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश) के बहुप्रतीक्षित चुनाव की मतगणना मंगलवार 16 जून से शुरू होने जा रही है। प्रदेशभर के अधिवक्ताओं की नजरें अब चुनाव परिणामों पर टिकी हैं, क्योंकि अगले पांच वर्षों के लिए अधिवक्ता परिषद का नया नेतृत्व चुना जाएगा। चुनाव के लिए मतदान 12 मई को संपन्न हुआ था और मतगणना की प्रक्रिया अब प्रारंभ हो रही है। सभी राज्य भर से मत पेटियां स्टेट बार कौंसिल के जबलपुर स्थित आफिस पहुंच चुकी है। स्टेट बार के हॉल में मतगणना की जाएगी। इस चुनाव में प्रदेशभर से 122 प्रत्याशी मैदान में थे, जबकि लगभग 87 हजार से अधिक अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रदेश के 244 मतदान केंद्रों पर संपन्न कराया गया था

जबलपुर पर रहेगी विशेष नजर

प्रदेश की न्यायधानी माने जाने वाले जबलपुर का इस चुनाव में विशेष महत्व है। यहां स्थित मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय और बड़ी अधिवक्ता बिरादरी के कारण चुनावी समीकरणों में जबलपुर हमेशा निर्णायक भूमिका निभाता रहा है। कई प्रमुख प्रत्याशियों को महाकोशल क्षेत्र से बड़ी संख्या में मत मिलने की उम्मीद है।

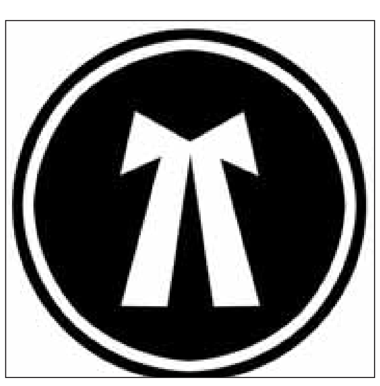

एकल संक्रमणीय मत प्रणाली से होती है गणना

राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव सामान्य चुनावों से अलग एकल संक्रमणीय मत प्रणाली के तहत कराए जाते हैं। इस प्रणाली में मतदाता उम्मीदवारों को प्राथमिकता क्रम (1, 2, 3, 4...) में अंकित करता है। मतगणना के दौरान निर्धारित कोटा प्राप्त करने वाले उम्मीदवार निर्वाचित घोषित होते हैं और अतिरिक्त अथवा स्थानांतरित मत अगले वरीयता क्रम के प्रत्याशियों को हस्तांतरित किए जाते हैं। यही कारण है कि इसकी गणना प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली मानी जाती है।

राजेंद्र जैन को माना जाता था एसटीवी प्रणाली का विशेषज्ञ

जबलपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय राजेंद्र जैन जो लंबे समय तक स्टेट बार काउंसिल के सचिव भी रहे को अधिवक्ता परिषद चुनावों की एकल संक्रमणीय मत प्रणाली का गहरा जानकार माना जाता था। चुनावी गणित, वरीयता मतों के स्थानांतरण और परिणामों की संभावनाओं का सटीक विश्लेषण करने में उन्हें महारत हासिल थी। अधिवक्ता समुदाय में आज भी चुनावी गणना और एसटीवी प्रणाली की चर्चा होने पर उनका नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। उनके निधन के बाद अधिवक्ता जगत ने चुनावी प्रक्रिया के एक महत्वपूर्ण जानकार को खो दिया।

परिणामों पर पूरे प्रदेश की नजर

अधिवक्ता परिषद में चुने जाने वाले सदस्य आगे चलकर परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और विभिन्न समितियों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यही कारण है कि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर सहित पूरे प्रदेश के अधिवक्ता समुदाय की निगाहें मतगणना और उसके परिणामों पर टिकी हुई हैं।

महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण की संभावना पर बन रही रणनीति

नगरीय निकाय चुनाव की सरगर्मियां तेज

जबलपुर। प्रदेश में आगामी नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों के बीच जबलपुर में भी राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। राज्य सरकार द्वारा आरक्षण प्रक्रिया को लेकर बनाई जा रही रूपरेखा के अनुसार नगर निगम जबलपुर समेत सभी नगरीय निकायों में कुल पदों का 50 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान लागू किया जाएगा। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षण संबंधित निकाय क्षेत्र की जनसंख्या के अनुपात में निर्धारित किया जाएगा। नगर निगम जबलपुर में महापौर और पार्षद पदों के आरक्षण को लेकर राजनीतिक दलों और संभावित दावेदारों की निगाहें सरकार की आगामी अधिसूचना पर टिकी हुई हैं। महापौर पद के आरक्षण का निर्धारण लॉटरी प्रणाली से किया जाएगा। इसमें पूर्व में आरक्षित रह चुकी सीटों को छोड़कर शेष सीटों को प्राथमिकता दिए जाने का प्रावधान है।

आरक्षण गणित पर टिकी रणनीति

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आरक्षण की अंतिम स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही नगर निगम चुनाव के संभावित उम्मीदवारों की तस्वीर सामने आएगी। महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू होने से बड़ी संख्या में नए चेहरे चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। वहीं ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलने से शहर की कई वार्डों की राजनीतिक समीकरण भी बदल सकते हैं।

पुलिस कप्तान के पास पहुंचा कलमवीरों का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

फर्जी पत्रकारों पर शिकंजे की मांग तेज

हरिभूमि, जबलपुर।

पत्रकारिता की आड़ में कथित रूप से संचालित ब्लैकमेलिंग, अवैध वसूली और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को कलमवीर संघर्ष संगठन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर जिले में सक्रिय कथित फर्जी पत्रकारों की जांच एवं उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पत्रकारिता की साख बचाने की पहल

ज्ञापन में कहा गया कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जिसका उद्देश्य जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना और शासन-प्रशासन तथा जनता के बीच पारदर्शिता बनाए रखना है। लेकिन कुछ लोग बिना वैध पहचान, मान्यता अथवा अधिकृत मीडिया संस्थानों से जुड़े हुए स्वयं को पत्रकार बताकर प्रभाव जमाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पत्रकारिता की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है और वास्तविक पत्रकारों की छवि पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

सत्यापन अभियान चलाने की मांग

संगठन ने जिले में सक्रिय पत्रकारों एवं मीडिया संस्थानों का व्यापक सत्यापन अभियान चलाने की मांग की। ज्ञापन में फर्जी प्रेस कार्ड, अवैध पहचान पत्रों के उपयोग तथा पत्रकारिता के नाम पर किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही गई। प्रतिनिधियों का कहना था कि कुछ असामाजिक तत्वों की गतिविधियों के कारण आम नागरिकों और सरकारी अधिकारियों के बीच वास्तविक पत्रकारों के प्रति भी संदेह की स्थिति बन रही है, जिससे निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारों को अपने कार्य के दौरान अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

अधिकृत पत्रकारों को ही मिले मान्यता

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि सभी शासकीय विभागों और कार्यालयों को निर्देशित किया जाए कि वे केवल सत्यापित एवं अधिकृत पत्रकारों को ही आधिकारिक रूप से पत्रकार के रूप में मान्यता दें। साथ ही आमजन को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाए ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति द्वारा पत्रकार होने का दावा किए जाने पर उसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचाई जा सके।

सृजन शुक्ला ने रखी बात

कलमवीर संघर्ष संगठन के जिला अध्यक्ष सृजन शुक्ला ने कहा कि पत्रकारिता समाज की आवाज है और इसकी गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की कथित गतिविधियों के कारण पूरे पत्रकार समाज की छवि प्रभावित होती है। ऐसे में वास्तविक पत्रकारों के हितों की रक्षा और पत्रकारिता की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्रवाई समय की मांग है।

बड़ी संख्या में रहे मौजूद

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक तिवारी के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार सच्चिदानंद शेकटकर, प्रदेश अध्यक्ष शुभम शुक्ला, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संजय साहू, राष्ट्रीय प्रवक्ता सत्यजीत यादव, प्रदेश सचिव सुधीर खरे, परितोष वर्मा, हर्षित चौरसिया, अजहर खान, धीरज शाह, सुमन पुरोहित, पीयूष श्रीवास्तव, नील तिवारी, धर्म गौतम, अनिल तिवारी, दिलीप तिवारी, आदित्य विश्वकर्मा, गोपाल गुमास्ता, सुनील सेन, डॉ. सुरेंद्र कुशवाहा, अमित झा, ओमप्रकाश पॉल, बबलू रजक, राहुल सक्सेना, राजेंद्र दुबे, संजय उपाध्याय, कार्तिक गुप्ता, अनूप लाल रॉबिन, जितेंद्र वैष्णव, तीरथ कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं नागरिक उपस्थित रहे।

निष्पक्ष जांच की अपेक्षा

कार्यक्रम के अंत में पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई। इस पहल ने जिले में पत्रकारिता की विश्वसनीयता, जवाबदेही और पेशेवर मानकों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। संगठन ने उम्मीद जताई कि प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाएगा।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ की कार्रवाई

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, अवैध शराब के कारोबार में लिप्त आरोपियों तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पिलाने वालों तथा चोरी, नकबजनी एवं मारपीट तथा वारंटियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसी प्रकार मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 56 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये 19 हजार 600 रूपये समन शुल्क वसूला गया। कंट्रोल रुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 15 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 79 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 17 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 16 गैरम्यादी, 19 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है एवं 19 जमानती वारंट तामील किये गये तथा अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 66 व्यक्तियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 115 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 15 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी तथा 5 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 5 चाकू जप्त किये गये।

निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण गुणवत्ता के साथ सड़क निर्माण कार्य को पूर्ण कराने अधिकारियों और ठेकेदार को दिये गए निर्देश

रानी अवंती बाई वार्ड में 4 करोड़ की लागत से बन रही सड़कों का महापौर विधायक ने निगमाध्यक्ष और निगमायुक्त के साथ किया निरीक्षण

क्षेत्रीय नागरिकों की मॉंग पर शेष बचीं सड़कों के निर्माण कार्य जल्द होंगे शुरू, महापौर ने दी सहमति

जबलपुर। नगर के विकास और शहर के नागरिकों की सुविधाओं को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ रानी अवंती बाई वार्ड के चैतन्य सिटी में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली मुख्य सड़क का महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने संयुक्त रूप से निर्माण कार्य का सघन निरीक्षण किया गया और प्रगति की जानकारी ली गयी।

निरीक्षण के दौरान महापौर श्री अन्नू और विधायक श्री रोहाणी ने संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार को कड़े निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर और पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चैतन्य सिटी और आस-पास के नागरिकों की मांग को सहदयता से सुनते हुए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने एक और बड़ी घोषणा की। उन्होंने क्षेत्रीय नागरिकों की मांग पर वार्ड की शेष बची अन्य आंतरिक सड़कों के निर्माण कार्य को भी जल्द से जल्द शुरू कराने की अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी है। इसके साथ ही, इस ऐतिहासिक सड़क का निर्माण वीरांगना रानी दुर्गावती जी के गौरवशाली कार्यकाल की यादों और विरासत को सहेजते हुए किया जा रहा है। इस अवसर पर अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकगण उपस्थित रहे।

दादा ईश्वरदास रोहाणी स्मृति गौरव शिखर सम्मान के आयोजन को लेकर हुई बैठक

जबलपुर। दादा ईश्वरदास रोहाणी स्मृति में आगामी 1 जुलाई को आयोजित होने वाले "गौरव शिखर सम्मान 2026" समारोह की तैयारियों के संबंध में आयोजन समिति की बैठक होटल नर्मदा जैक्शन में संपन्न हुई। बैठक में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', विधायक श्री अशोक रोहाणी, जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संदीप जैन, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, जस्टिस एस पी सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में समारोह की रूपरेखा एवं विभिन्न सम्मान श्रेणियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि दादा ईश्वरदास रोहाणी की स्मृति में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए चयन समिति प्राप्त नामांकन के आधार पर सम्मानार्थियों का चयन करेगी। प्रस्तावित सम्मान श्रेणियों में 'सनातन ज्ञान गौरव शिखर सम्मान 2026' (आचार्य, वैदिक विद्वान एवं ज्योतिषाचार्य), 'कर्मयोगी गौरव शिखर सम्मान 2026' (समाज सेवा), 'नारी शक्ति गौरव शिखर सम्मान 2026' (महिला सशक्तिकरण), 'संस्कार गौरव शिखर सम्मान 2026' (संस्कृति एवं कुटुंब प्रबोधन), 'युवा गौरव शिखर सम्मान 2026' (युवा प्रेरणा), 'ज्ञान ज्योति गौरव शिखर सम्मान 2026' (शिक्षा), 'उद्योग गौरव शिखर सम्मान 2026' (उद्योग एवं उद्यमिता), 'संजीवनी गौरव शिखर सम्मान 2026' (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य), 'कलमवीर गौरव शिखर सम्मान 2026' (पत्रकारिता), 'वीरता गौरव शिखर सम्मान' (सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी), 'विधि सेवा गौरव शिखर सम्मान 2026' (विधि क्षेत्र) तथा 'न्याय सेवा गौरव शिखर सम्मान 2026' (सेवानिवृत्त न्यायाधीशों हेतु लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान) शामिल हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि स्वर्गीय दादा ईश्वरदास रोहाणी केवल एक जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग से जुड़े हुए व्यक्तित्व थे। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के रूप में मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया और अपने कार्यकाल में जनसेवा की उत्कृष्ट मिसाल प्रस्तुत की। श्री सिंह ने कहा कि उनके नाम पर प्रारंभ किया जा रहा यह सम्मान न केवल जबलपुर और महाकौशल, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का सम्मान है। उन्होंने उपस्थित गणमान्य नागरिकों से सुझाव आमंत्रित करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह सम्मान समारोह एक प्रतिष्ठित और गरिमामय परंपरा के रूप में स्थापित होगा।

जबलपुर के सम्माननीय रक्तदाताओं का किया जाएगा अभिनंदन

जबलपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, जबलपुर, अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स, जबलपुर एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में "रक्तदाता सम्मान समारोह 2026" का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जबलपुर के उन समर्पित एवं प्रेरणादायी रक्तदाताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने नियमित रक्तदान कर अनेक लोगों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कार्यक्रम का आयोजन 16 जून 2026 (मंगलवार) को सायं 5:00 बजे आईएमए हॉल, राइट टाउन, जबलपुर में किया जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, आईएएस होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, जबलपुर के उपाध्यक्ष डॉ. सौरभ बड़ेरिया करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. नवीन कोठारी (सीएमओ, जबलपुर) एवं डॉ. श्रद्धा शर्मा (अध्यक्ष, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, जबलपुर) उपस्थित रहेंगी। आयोजकों ने बताया कि रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवाओं में से एक है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर रूप से बीमार अथवा दुर्घटना पीड़ित व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। इसी उद्देश्य से समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं नियमित रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. भगवान सिंह यादव, डॉ. अमिता जैन, डॉ. अभितोष भल्ला, डॉ. तुषार गुप्ता एवं डॉ. शरद जैन का विशेष सहयोग रहेगा।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुनील मिश्र, कार्यकारिणी सदस्य, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, जबलपुर ने शहर के सभी रक्तदाताओं, सामाजिक संगठनों, चिकित्सा जगत से जुड़े व्यक्तियों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

"आपका एक यूनिट रक्त बचाता है किसी की पूरी जिंदगी"

सेवा-साधना से ही मिलती है सफलता और यश - कीर्ति, स्वराभिनंदन समारोह में समाजसेवी व कलाकार सम्मानित

जबलपुर। कार्य का क्षेत्र कोई भी हो व्यक्ति को सफलता और यश - कीर्ति उसकी विश्वसनीय सेवा - साधना से ही प्राप्त होती है । आज हमने तीर्थ स्थान मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गौंटिया एवं जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन सहित जिन गायक और वादक कलाकारों का सम्मान किया है यह विशिष्ट क्षेत्र में की गई उनकी साधना का ही परिणाम है । उपरोक्त आशय के विचार गुंजन कला सदन ₹युवा₹ द्वारा शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के सहयोग से शहीद स्मारक भवन में आयोजित ₹स्वराभिनंदन₹ समारोह में अतिथि अजय विश्नोई, अभिलाष पांडे एवं संगीतकार बबलू मैथ्यूज ने व्यक्त किए । इस अवसर पर 7 स्टार 7 सिंगर गीतों का कार्यक्रम अनिकेत देवक के निर्देशन में हुआ जिसमें गायक दिलीप कोरी, अवशेष बेंटिया, सुब्रत पात्रा, राजा सोनी, रवि शुक्ला, ध्रुव मुखर्जी, मयंक विश्वकर्मा कु.अवनि विश्वकर्मा एवं राखी मजूमदार ने मधुर गीत प्रस्तुत किए । प्रारंभ में पं. रोहित दुबे, श्याम चौदहा, लायन नरेन्द्र जैन, जादूगर एस.के.निगम, डॉ. सत्येंद्र जैन, इंदिरा पाठक तिवारी, ने दीप प्रज्वलन किया । आलोक पाठक ने आयोजन पर प्रकाश डाला । प्रतुल श्रीवास्तव ने डॉ. आनंद तिवारी की ओर से शुभकामनाएं व्यक्त की । अतिथियों, समाजसेवियों एवं कलाकारों का सम्मान सुरेश सराफ, विजय जायसवाल, अभय जैन, निखिल तिवारी, राजेश गुप्ता ने किया । अभिनंदन पत्रों का वाचन डॉ. रजनीश गर्ग एवं विक्रम परवार ने किया , अतिथि परिचय व उद्बोधन आग्रह लायन नरेंद्र जैन ने किया । कार्यक्रम के द्वितीय चरण का शुभारंभ कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु तिवारी के उद्बोधन से प्रारंभ हुआ जिसमें देर रात्रि तक गीत - गंगा प्रवाहित हुई । संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने आभार विवेक सोनी ने व्यक्त किया ।

कांग्रेस का पोल खोल हल्ला बोल अभियान ने दिखाया असर

सिहोरा। जिला ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के निर्देशन पर पोल खोल हल्ला बोल कार्यक्रम के अंतर्गत नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पवन सोनी के संयोजन में एवं वार्ड अध्यक्ष मो इशरत की अगुवाई में जनजागृति आम सभा एवं पुतला दहन कार्यक्रम सिहोरा मंडी प्रांगण में आयोजित किया गया। आयोजन की अध्यक्षता प्रकाश कुररिया ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में मंजू मिश्रा उपस्थिति थी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अमोल चौरसिया, बाबा कुरैशी, राजेश चौबे, प्रकाश अहिरवार, नवनीत शुक्ला, आलोक पांडे,के के कुरारिया, प्रदीप पटेल, शेख साबिर,गौस भाई आजाद,संतोष पांडे,शंकर वंशकार, कमलेश सोनी, गुल्लू खान उपस्थिति थे। वक्ताओं ने कहा कि वार्ड नंबर 1 में आवासी पट्टे, हैंडपंप, सड़क, वृद्धावस्था पेंशन,नाली निर्माण,जलापूर्ति जैसी अनेकों विकट समस्याएं है जिस पर प्रशासन आँख मूंदे है ऊपर से बिजली के बिल भी लोगों के प्राण लिए ले रहे हैं। अमोल चौरसिया ने अपने उद्बोधन में मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा सांसद के प्रत्याशी फार्म निरस्त होने की घटना को दुःखद एवं निन्दनीय होने के साथ साथ चुनाव आयोग के चेहरे पर बदनुमा दाग बतलाया। एवं तेल और गैस की किल्लत काला बाजारी एवं अनियंत्रित भाव की बात रखी साथ ही अवैध शराब बिक्री, अवैध रेत उत्खनन, महगाई, भ्रष्टाचार एवं बढ़ते हुए अपराधों की समस्याओं की बात रखी।आम सभा के बाद कांग्रेस जनों ने मुख्यमंत्री का पुतला लेकर, अपनी सभी मांगो के साथ मोहन यादव मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए पूरी बस्ती का भ्रमण कर पुतला जलाया। इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस से काफी झीना झपटी का सामना करना पड़ा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेवा-साधना से ही मिलती है सफलता और यश-कीर्ति

स्वराभिनंदन समारोह में समाजसेवी व कलाकार सम्मानित

जबलपुर। "कार्य का क्षेत्र कोई भी हो व्यक्ति को सफलता और यश- कीर्ति उसकी विश्वसनीय सेवा साधना से ही प्राप्त होती है। आज हमने तीर्थ स्थान मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद गौंटिया एवं जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन सहित जिन गायक और वादक कलाकारों का सम्मान किया है यह विशिष्ट क्षेत्र में की गई उनकी साधना का ही परिणाम है।" उक्त आशय के विचार गुंजन कला सदन 'युवा' द्वारा शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के सहयोग से शहीद स्मारक भवन में आयोजित 'स्वराभिनंदन' समारोह में अतिथि अजय विश्नोई, डॉ. अभिलाष पांडे एवं संगीतकार बबलू मैथ्यूज ने व्यक्त किए। इस अवसर पर '7 स्टार 7 सिंगर' गीतों का कार्यक्रम अनिकेत देवक के निर्देशन में हुआ जिसमें गायक दिलीप कोरी, अवशेष बेंटिया, सुब्रत पात्रा, राजा सोनी, रवि शुक्ला, ध्रुव मुखर्जी, मयंक विश्वकर्मा कु. अवनि विश्वकर्मा एवं राखी मजूमदार ने मधुर गीत प्रस्तुत किए। प्रारंभ में आलोक पाठक ने आयोजन पर प्रकाश डाला। प्रतुल श्रीवास्तव ने डॉ. आनंद तिवारी की शुभकामनाओं को व्यक्त करते हुए सम्मानितजनों के व्यक्तित्व-कृतित्व पर प्रकाश डाला। अतिथियों, समाजसेवियों एवं कलाकारों का सम्मान श्याम चौदहा, डॉ. सत्येंद्र जैन, सुरेश सराफ, विजय जायसवाल, अभय जैन, नवनीत माहेश्वरी, सुमेश सराफ, अभिषेक अग्रवाल, प्रदीप जैन, कौशल यादव, मनीष जायसवाल, समर सिंह, राजीव गुप्ता, हेमंत अरोरा, अभय पचौरी, अभिजीत राय, नितिन पांडे, निखिल तिवारी, राजेश गुप्ता ने किया। अभिनंदन पत्रों का वाचन डॉ. रजनीश गर्ग एवं विक्रम परवार ने किया, अतिथि परिचय व उद्बोधन आग्रह लायन नरेंद्र जैन ने किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण का शुभारंभ कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु तिवारी के उद्बोधन से प्रारंभ हुआ जिसमें देर रात्रि तक गीत- गंगा प्रवाहित हुई। संचालन राजेश पाठक 'प्रवीण' ने, आभार विवेक सोनी ने व्यक्त किया।

12 महिला व 33 पुरुष खिलाड़ी चयनित

जबलपुर : मध्य प्रदेश टीम की घोषणा कर दी गई है। चयनित टीम पश्चिम भारत स्ट्रेंथ लिफ्टिंग व इंक्लाइन बैंच प्रेस स्पर्धा में भाग लेंगे। टीम में 12 महिला व 33 पुरुष खिलाड़ी चयनित किए गए हैं।मध्य प्रदेश स्ट्रेंथ लिफ्टिंग संघ की सचिव सावित्री यादव के अनुसार प्रतियोगिता 19 से 21 जून तक दल्लीराजहरा, छत्तीसगढ़ में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की ओर से कुल 45 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। सभी चयनित खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, परिश्रम और खेल कौशल के माध्यम से प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम के सफल संचालन हेतु सतीश यादव को मैनेजर नियुक्त किया गया है, जबकि गुरुचरन श्रीवास्तव, प्रदीप पटेल एवं महेंद्र सिंह ठाकरिया को प्रशिक्षक (कोच) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मध्य प्रदेश टीम में शामिल खिलाड़ी :

महिला वर्ग सीमा मिश्रा, धनुश्री, अनन्या सोधिया, आस्था कोरी, सरस्वती, तुषी दास, तीना मोठ, प्रतीक्षा विश्वकर्मा, सानिया ओरे, लक्ष्मी नाकबल, सोमिया देवड़ा, मोहि गुप्ता।पुरुष वर्ग यश काछी, आशीष बर्मन, अंशुल चक्रवर्ती, गेरवियल, अनुराग बर्मन, राजा बाबू बाबरिया, सुशील कुमार मिश्रा, हिमांशु पटेल, वंश झा, प्रांजल निगम, बादल परिहार, जयंत, मणि चौधरी, गजेंद्र सिंह, नरेंद्र तिवारी, अंकुर खरे, यश हरड़िया, आर्यन चौहान, महेंद्र सिंह ठाकरिया, गुरुचरन श्रीवास्तव, प्रदीप पटेल, सन्नी नाकबल, विशाल चौहान, प्रणय चौधरी, अंश यादव, अर्जुन भूरिया, चिराग बारिया, अमन मिश्रा, अंशुमन यादव, गुलाब सिंह गुरिया, पुष्पेंद्र पाठक, कमल पाल, अमित नरवलिया शामिल हैं।

वार्षिकोत्सव में साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति ने किया विभिन्न संस्थाओं का सम्मान

सिहोरा। नगर की साहित्यिक संस्था अभिव्यक्ति सिहोरा ने अपने वार्षिकोत्सव समारोह में संस्थाओं, पत्रकारों, विशिष्ट जनों का सम्मान करने के साथ दो पुस्तकों का विमोचन एंव काव्य गोष्ठी का भी शानदार आयोजन किया।

अनेक क्रीड़ा संस्थाओं का भी किया सम्मान

कार्यक्रम गुरुदेव सियाबल्लभ दास वेदांती महाराज के मुख्य आतिथ्य,अश्वनी कुमार पाठक वरिष्ठ साहित्यकार की अध्यक्षता,संतोष बरकड़े विधायक,नित्य निरंजन खम्परिया पूर्व विधायक सिहोरा के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। जिसमें सम्मान,विमोचन व काव्य पाठ के मिले जुले कार्यक्रम में नगर की विभिन्न प्राचीन- नवीन साहित्यिक,सांस्कृतिक,क्रीड़ा संस्थाओं में पंचशील,जूही,वीणा,समता,ऐंग्लो क्लब,एम सन क्लब,नवनीत समिति के साथ जबलपुर की समवेत स्वर संस्था को सम्मानित किया गया। इसी तरह विशिष्ट जन सम्मान से गोविंद गुप्त,अमित मिश्रा,नरेंद्र त्रिपाठी,सावन पहारिया,हवलदार उजियार सिंह,अमित विश्वकर्मा,रश्मि पटेल,सुरेंद्र पटेल,के.पी.चौहान के साथ देश का चौथा स्तंभ मीडिया के द्वारा सामाजिक,धार्मिक,सांस्कृतिक साहित्यिक

पुस्तक विमोचन, काव्य गोष्ठी का भी आयोजन

खबरों के माध्यम से समाज में ऊर्जा का संचार करने के लिए करीब एक दर्जन पत्रकारों को सम्मानित किया गया। होटल यशराज में आयोजित समारोह में पान उमरिया के साहित्यकार राजा चौरसिया को साहित्य अकादमी के द्वारा वर्ष 2024 का प्रादेशिक हरीकृष्ण देवसरे (बाल साहित्य) पुरस्कार उनके काव्य संग्रह बचपन है फुलवारी पर घोषित किया गया है इसके लिए उनका मुख्य रुप से सम्मान किया गया।

डॉ.अरुणा पाण्डे,आशा अवस्थी की पुस्तक का विमोचन

इसी तरह संस्था अध्यक्ष डॉ.अरुणा पाण्डे की पुस्तक 'देखी सुनी कही' व आशा अवस्थी की दो पुस्तकों कठपुतली,चल पड़े हैं कदम का विमोचन भी अतिथियों के द्वारा किया गया।नारायण तिवारी,मुकेश त्रिपाठी ने कार्यक्रम का संचालन किया। विभिन्न कवियों में विजय बागरी विजय ,अनिल मिश्रा,चंद्र किशोर श्रीवास्तव चंदन, सुशील जैन, आशा निर्मल जैन,सुषमा खरे, प्रकाश सिंह, ठाकुर, प्रमोद दाहिया,जितेंद्र पटवा नीरस, सुशील शर्मा, शिवम शर्मा, लक्ष्मीनारायण पटेल, इंद्रसिंह राजपूत, शरद जायसवाल ,डॉ.प्रद्युम्न मिश्रा, नीरज पाण्डे,विश्वास पटेल,रमेश सेन बमचक आदि के काव्य पाठ का काविद्वत जन,साहित्य प्रेमियों ने खूब आनंद उठाया। सफल बनाने में राजकुमार महोबिया, आशुतोष तिवारी,अपर्णा शुक्ला, विनीता तिवारी, सुदीप पाण्डे, निधि पाण्डे, प्राची तिवारी का सहयोग रहा।

श्री नन्हें लाल- गौराव तालाब इंद्रा बस्ती रतन नगर निवासी श्री नन्हें लाल (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती प्रभुता बारी- काचंघर समीक्षा टाउन निवासी श्री संतोष बारी की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभुता बारी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राकेश राजपूत- करियापाथर आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री राकेश राजपूत (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती आशा पांडे- होम साईंस कॉलेज रोड नेपियर टाउन निवासी श्री दिनेश कांत पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती आशा पांडे (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

डॉ. मातेंद्र सिंह- न्यू रामनगर अधारताल निवासी डॉ. मातेंद्र सिंह (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कपूरा बाई विश्वकर्मा- लेबर चौक स्नेह नगर गढ़ा रोड निवासी श्री हरि कृष्ण विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती कपूरा बाई विश्वकर्मा (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रमोद कुमार राव- बिलहरी पोस्ट आफिस के पीछे निवासी श्री सुरेश कुमार राव के पुत्र श्री प्रमोद कुमार राव (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती माया श्रीवास- गली नं. 18, सदर निवासी श्री शंकर लाल श्रीवास की धर्मपत्नी श्रीमती माया श्रीवास (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामरति कुशवाहा- बेहना मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री श्याम लाल कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती रामरति कुशवाहा (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती कौशल्या शर्मा- विजय नगर छापर रामपुर निवासी श्री नाथूराम शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या शर्मा (98) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती देवकी बाई झारिया- महाराजपुर निवासी श्री जमना प्रसाद झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती देवकी बाई झारिया (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

पीएनबी, उज्जीवन ने बढ़ाईं एफसीएनआर जमा दरें

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पीएनबी ने प्रवासी भारतीयों ग्राहकों के लिए विदेशी मुद्रा प्रवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) अमेरिकी डॉलर जमा पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इस कदम का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को विदेशी मुद्रा में अपनी आय बढ़ाने का अवसर देना तथा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के जोखिम से सुरक्षा प्रदान करना है। एफसीएनआर (बी) जमा योजना के तहत तीन से चार वर्ष की अवधि के लिए छह प्रतिशत, जबकि चार से पांच वर्ष की अवधि के लिए 6.05 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। पांच वर्ष की सावधि जमा पर पीएनबी 6.1 प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

चीन ने मस्क को दिया तगड़ा झटका, पहला कमर्शियल ब्रेन-चिप किया लांच

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस टेक्नोलॉजी को व्यावसायिक बनाने की दौड़ में चीन ने दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क को झटका दिया है। चीन मस्क की 'जीसस-लेवल टेक्नोलॉजी' अपनाने वाली न्यूरालिंक से आगे निकल गया है।

- कंपनी फिलहाल इस चिप का 11 लोगों पर इसका टेस्ट कर रही

चीनी विशेषज्ञों ने सफल क्लिनिकल ट्रायल के बाद दुनिया की पहली व्यावसायिक उपलब्ध ब्रेन चिप को मंजूरी दे दी है। नियो नाम का सिक्कों के आकार का इम्प्लांट, कमर्शियल इस्तेमाल के लिए क्लिनिकल टेस्टिंग पास करने वाला पहला सर्जिकली इम्प्लांट ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) डिवाइस बना है। फिलहाल 11 लोगों पर इसका टेस्ट चल रहा है।

पहला सर्जिकली इम्प्लांट ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस डिवाइस बनाई

मस्क की कंपनी को मंजूरी नहीं

रिसर्चर, टेक्नोलॉजी कंपनियां और इन्वेस्टर ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस को इंसानों के मशीनों के साथ बातचीत करने के तरीके में बहुत बड़े बदलाव की शुरुआत के तौर पर देख रहे हैं। यह डेवलपमेंट ऐसे समय हुआ है, जब मस्क की न्यूरालिंक अमेरिका में ह्यूमन ट्रायल कर रही है लेकिन उसे अभी तक कमर्शियल इस्तेमाल के लिए रेगुलेटरी मंजूरी नहीं मिली है।

कीमतों में बदलाव का अधिक सटीक आकलन संभव होगा

पहली बार उत्पादक मूल्य सूचकांक के आंकड़े जारी अगले पांच साल में लेगा डब्ल्यूपीआई की जगह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को पहली बार वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों के लिए 'उत्पादक मूल्य सूचकांक' (पीपीआई) के आंकड़े जारी किए। इससे कीमतों में बदलाव का अधिक सटीक आकलन संभव होगा और अगले पांच वर्षों में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) को चरणबद्ध ढंग से हटाने की राह तैयार होगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि यह कदम उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के व्यवहार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसमें भारत को डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई को अपनाने की जरूरत पर बल दिया गया था।

कीमतों में बदलाव को बेहतर तरीकों से समझा जा सकेगा

मंत्रालय के मुताबिक, आउटपुट और इनपुट दोनों प्रकार के पीपीआई उपलब्ध होने से उद्योगों में उपयोग होने वाले कच्चे माल (इनपुट) और तैयार उत्पाद (आउटपुट) की कीमतों में बदलाव को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि उत्पादकों पर इनपुट लागत में बढ़ोतरी का अंतिम उत्पाद की कीमतों पर किस तरह असर पड़ता है।

अगले पांच वर्षों में डब्ल्यूपीआई हटाने की राह तैयार होगी

बदलाव नीति आयोग की सिफारिश के बाद किया गया

यह बदलाव नीति आयोग के पूर्व सदस्य रमेश चंद की अध्यक्षता वाले कार्य समूह की सिफारिशों के बाद किया गया है। इस समूह का गठन 30 दिसंबर, 2024 को किया गया था। चंद ने अपनी रिपोर्ट में कहा था, ''थोक मूल्य सूचकांक के उलट, पीपीआई उत्पादकों के दृष्टिकोण से कीमतों में बदलाव को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है (

पीपीआई 109.6 दर्ज किया गया

मई, 2026 के लिए अखिल भारतीय आउटपुट पीपीआई (सभी वस्तुएं) 109.6 दर्ज किया गया, जो अप्रैल में 108.6 था। वहीं, विनिर्माण क्षेत्र के लिए परीक्षण आधार पर जारी इनपुट पीपीआई मई में 104.9 रहा। मंत्रालय ने बताया कि इनपुट पीपीआई को फिलहाल प्रायोगिक आधार पर जारी किया जा रहा है ताकि आंकड़ों की गुणवत्ता का आकलन किया जा सके और हितधारकों से सुझाव प्राप्त किए जा सकें।

पीपीआई मुद्रास्फीति भी बढ़कर आई : मई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर अप्रैल के 8.26 प्रतिशत से बढ़कर 9.68 प्रतिशत हो गई। इसी के अनुरूप आउटपुट पीपीआई मुद्रास्फीति भी अप्रैल के 8.1 प्रतिशत से बढ़कर मई में 9.4 प्रतिशत हो गई है। सरकार ने डब्ल्यूपीआई और पीपीआई दोनों के लिए आधार वर्ष को संशोधित कर 2022-23 कर दिया है। इसमें कुल 957 वस्तुओं को शामिल किया गया है।

विनिर्मित उत्पादों का भारांश सबसे अधिक : आउटपुट पीपीआई (वस्तुएं) में विनिर्मित उत्पादों का भारांश सबसे अधिक 69.93 प्रतिशत है जबकि कृषि, वानिकी एवं मत्स्य का 22.16 प्रतिशत, बिजली का 4.49 प्रतिशत और खनन का भारांश 3.42 प्रतिशत है। पीपीआई के पहले चरण में सात सेवाओं- बैंकिंग, प्रतिभूति लेनदेन, बीमा, पेंशन फंड प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्री सेवा एवं दूरसंचार को शामिल किया गया है।

रुपया 47 पैसे चढ़कर 94.71 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को 47 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.71 (अस्थायी) पर रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता होने की घोषणा करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।

खाड़ी में शांति की उम्मीद से बाजार दूसरे दिन भी झूमा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर सहमति बनने से कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आने और वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजार सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 736 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 231 अंक की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 736.38 अंक चढ़कर 76,264.33 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,293.12 अंक चढ़कर 76,821.07 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह निफ्टी 231 अंक बढ़कर 23,853.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 388.5 अंक चढ़कर 24,011.40 अंक तक चला गया था। इस समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर सहमति बनी है।

देश का निर्यात मई में आठ फीसदी बढ़ा, पर व्यापार घाटे में वृद्धि दर्ज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश का निर्यात मई में 18 प्रतिशत बढ़कर छह महीने के उच्च स्तर 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया।

वहीं कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के आयात में वृद्धि से व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर तक बढ़ गया। मासिक आधार पर हालांकि व्यापार घाटा अप्रैल के 28.38 अरब डॉलर से मामूली घटा है। पिछले वर्ष मई में व्यापार घाटा 21.88 अरब डॉलर था। आयात मई में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 73.41 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिससे पिछले वर्ष की तुलना में व्यापार घाटा और बढ़ गया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि मई के आंकड़े '' सबसे अधिक मासिक निर्यात आंकड़ों में से एक'' हैं और रुझान को देखते हुए यह वर्ष निर्यात के लिए अच्छा रहेगा।

- निर्यात मई में बढ़कर 45 .2 अरब डॉलर रहा
- कच्चे तेल में उछाल से व्यापार घाटा बढ़ा

सोने का आयात 60 प्रतिशत बढ़ा

चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दो महीनों (अप्रैल-मई) में सोने का आयात 60 प्रतिशत बढ़कर 9.04 अरब डॉलर तक पहुंच गया। कच्चे तेल का आयात 16.5 प्रतिशत बढ़कर 41.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। अग्रवाल ने कहा कि इस वर्ष मई में पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात लगभग पिछले वर्ष के समान स्तर पर पहुंच गया, जबकि उस क्षेत्र में व्यवधान बने रहे।

रीबॉक स्टोर की संख्या 210 से अधिक : एबीएलबीएल

नई दिल्ली। खेल के जूते, परिधान और खेल सामग्री बनाने वाले ब्रांड रीबॉक की बिक्री भारत में पिछले तीन साल में दोगुना से अधिक हो गई है। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड (एबीएलबीएल) ने यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि इस दौरान रीबॉक के स्टोर की संख्या बढ़कर 210 से अधिक हो गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	लागत राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Tender ID-2026_UAD_516037_1 PRO-304 Date- 15/06/2026	संभाग क्रमांक-1 गढ़ा के अंतर्गत तिलवारा स्कूल में फिलिंग बाउन्ड्रीवाल निर्माण मरम्मत एवं अन्य कार्य।	16.55 लाख 2 month	2000.00 12500.00	30/06/2026

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank Of India

क्षेत्रीय कार्यालय नागपूर

परिशिष्ट IV - कब्ज़े का नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (SARFAESI Act, 2002) के अंतर्गत तथा उक्त अधिनियम की धारा 13(2) एवं 13(12) को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़े जाने पर प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे उल्लिखित मांग सूचना की तिथि के अनुसार उधारकर्ता/गारंटर को नोटिस जारी कर, उक्त नोटिस में वर्णित राशि तथा उस पर देय ब्याज एवं अन्य शुल्कों का भुगतान नोटिस प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर करने का निर्देश दिया था।
उधारकर्ता/गारंटर द्वारा उक्त राशि का भुगतान करने में विफल रहने के कारण, उधारकर्ता/गारंटर तथा आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने SARFAESI अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) तथा सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा ग्रहण कर लिया है।
उधारकर्ता/गारंटर तथा आम जनता को विशेष रूप से सावधान किया जाता है कि वे उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का लेन-देन न करें। उक्त संपत्ति/संपत्तियों के संबंध में किया गया कोई भी लेन-देन, नीचे उल्लिखित राशि, उस पर देय ब्याज तथा अन्य शुल्क/व्यय आदि के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रभाराधीन रहेगा। उधारकर्ताओं का ध्यान SARFAESI अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसमें सुरक्षित परिसंपत्तियों के मोचन (Redemption) हेतु उपलब्ध समयावधि का प्रावधान किया गया है।

अ. क्र.	उधारकर्ता(ओं) का नाम	शाखा का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तारीख	राशि(रु.)	कब्ज़े की तारीख़ / कब्ज़े का प्रकार
1.	श्री. विकास मदनलाल यादव	मोहगाव शाखा नागपूर	अचल संपत्ति मौजा - ग्वारीघाट, बंदोबस्त नंबर 603, पीएच एच नंबर 23/27, खसरा नंबर 151/4 का हिस्सा, म्यूटेशन के बाद खसरा नंबर 151/5, खसरा नंबर 152, 156, 157, 158, 159, 160 और 161/2, पूरे खसरे को मिलाकर बिल्डर ने 'समदरिया आस्था नगर' टावर नंबर 3, फ्लैट नंबर 604 बनाया है, जो छठी मंजिल पर स्थित है, बिल्ट अप एरिया 810 वर्ग फुट, अविभाजित एरिया 135 वर्ग फुट। तहसील और जिला जबलपुर। प्रॉपर्टी विकास मदनलाल यादव की है। **सीमाएँ: उत्तर:** खुली ज़मीन, **दक्षिण:** कॉरिडोर और फ्लैट नंबर 601, **पूर्व:** फ्लैट नंबर 605, **पश्चिम:** फ्लैट नंबर 603	24/10/2025	रु. 14,85,824.04 (रुपये चौदह लाख पचासी हजार आठ सौ चौबीस और चार पैसे मात्र) (जो दिनांक 24/10/2025 तक देय मूलधन एवं उस पर अर्जित ब्याज को दर्शाता है), तथा दिनांक 25/10/2025 से वास्तविक भुगतान की तिथि तक लागू ब्याज एवं अन्य प्रभार/शुल्क अतिरिक्त देय होंगे	11.06.2026 सांकेतिक कब्जा

स्थान : जबलपुर
तारिख : 11/06/2026
(विवाद की स्थिति में अंग्रेजी के मूल पाठ को ग्राह्य माना जाएगा।)
प्राधिकृत अधिकारी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India

अचल संपत्तियों का विक्रय नोटिस ई-नीलामी दिनांक- 20/07/2026

क्षेत्रीय कार्यालय - साउथ एवेन्यू मॉल के सामने, ग्वारीघाट रोड, पोलीपाथर, जबलपुर (म.प्र)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परंतुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का प्रलक्षित कब्जा (नीचे वर्णित) प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को ''जहाँ है जैसा है और जो कुछ भी है, जिस प्रकार है, एवं दायित्व रहित'' के आधार पर निम्नलिखित देनदारों, प्रत्याभूति-दाता तथा जमानतदारों से प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि की वसूली हेतु ई-नीलामी द्वारा बेचे जाने हेतु विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :

क्र.	ऋण खाता/ ऋणी/ प्रत्याभूति-दाता/ जमानतदार एवं संबंधित शाखा	मांग सूचना दिनांक आधिपत्य दिनांक बकाया राशि (मांग सूचना के अनुसार)	साम्यबंधक अचल संपत्तियों का विवरण/ कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य / अग्रिम धरोहर जमा राशि / बिड वृद्धि राशि
1	मे. श्री माँ रेवा हॉस्पिटल एंड रीसर्च सेंटर प्रा. लि. द्वारा निदेशक डा. ब्रिजेश विश्वकर्मा एवं श्रीमती कल्पना विश्वकर्मा (मुख्यउधारकर्ता) पता - प्लॉट न . 30, दुर्गा मंदिर के पास, वृन्दावन नगर, रिमजा कटंगी रोड, जबलपुर म.प्र., 482001 डा. ब्रिजेश विश्वकर्मा निदेशक मे. श्री माँ रेवा हॉस्पिटल एंड रीसर्च सेंटर प्रा. लि.(उधारकर्ता) पता - प्लॉट न . 30, दुर्गा मंदिर के पास, वृन्दावन नगर, रिमजा कटंगी रोड, जबलपुर म.प्र., 482001 ब्रिजेश विश्वकर्मा(उधारकर्ता) पता-30, कटंगी रोड, दुर्गा मंदिर के पास, वृन्दावन नगर, जबलपुर 482001 श्रीमती कल्पना विश्वकर्मा निदेशक मे. श्री माँ रेवा हॉस्पिटल एंड रीसर्च सेंटर प्रा. लि. (उधारकर्ता) पता - प्लॉट न . 30, दुर्गा मंदिर के पास, वृन्दावन नगर, रिमजा कटंगी रोड, जबलपुर म.प्र., 482001 श्रीमती कल्पना विश्वकर्मा W/O ब्रिजेश(उधारकर्ता) पता :- पत्नी ब्रिजेश 481/1, कटंगी रोड करमेता , जाटा शंकर मंदिर के पास, जबलपुर-482001 श्री संतोष कुमार वर्मा पुत्र बाबू लाल बारी (गारंटीदाता एवं बंधककर्ता) पता- वार्ड न. 12, स्टेशन रोड, आम पेड़ के पास, ग्राम व थाना चंदिया, तहसील चंदिया, जिला उमरिया, म.प्र., 484660 श्री रवि वर्मा पुत्र श्री संतोष कुमार वर्मा (गारंटीदाता) पता - वार्ड न. 8, स्टेशन रोड, आम पेड़ के पास, ग्राम व थाना चंदिया, तहसील चंदिया, जिला उमरिया, म.प्र., 484660 शाखा : म.प्र. हाउसिंग बोर्ड	22/07/2025 08/10/2025 रु 1,29,19,734.65 + भविष्य ब्याज + विधिक व्यय	साम्य बंधक भूमि / भवन: संपत्ति ऐसे सभी भाग, जिसमे खसरा नं 2300/2/3/1/1, कुल खसरा क्षेत्रफल 1000(680+320) वर्गमीटर, नगर पंचायत चंदिया वार्ड न . 08 ग्राम चंदिया पटवारी हल्का चंदिया रा. नि . म. चंदिया तहसील चंदिया जिला उमरिया म. प्र. जंगम संपत्ति, दृष्टि बंधक मशीनरी:औज़ार, चिकित्सक उपकरण एवं अस्पताल मे मौजूद अन्य उपलब्ध मशीनरी। संपत्ति/ भवन स्वामी: श्री संतोष कुमार वर्मा पुत्र बाबू लाल बारी चतु:सीमा: उत्तर - शंकर लाल अग्रवाल कि दुकान व गोदाम, दक्षिण- दुकान मकान मालिक के द्वारा छोड़ा गया रास्ता 10 फीट, पूर्व- दुकान मकान मालिक कि भूमि, पश्चिम- नेशनल हाइवे 78 रोड प्रलक्षित कब्जा	रू. 2,84,70,000.00 रू. 28,47,000.00 रू. 50,000/-
2.	मे० हैल्थ प्लस फ्लेवर्ड मिल्क प्रोप. श्रीमति सुरिंदर कौर छाबड़ा पिता श्री हरजीत सिंह छाबड़ा (उधारकर्ता/ संपत्ति बंधककर्ता) पता- म.क्र. 366, गुप्तेस्वर रोड, मदन महल, जिला जबलपुर, म.प्र. 482001 पता- 7बी, बेसमेंट, जी के 4, न्यू दिल्ली 110048 पता- 7बी, बेसमेंट, जी के 4, न्यू दिल्ली 110048 एवं पता- ग्राम मेढ़ी औद्योगिक विकास फूड पार्क मनेरी के प्लाट नं. 44 औद्योगिक क्षेत्र मनेरी, तहसील निवास, जिला मंडला, म.प्र. शाखा : म.प्र. हाउसिंग बोर्ड	29/05/2025 09/10/2025 रु 2,39,34,032.82 + भविष्य ब्याज + विधिक व्यय	साम्य बंधक भूमि / भवन: संपत्ति ऐसे सभी भाग, जिसमे ग्राम मेढ़ी औद्योगिक विकास फूड पार्क मनेरी के प्लाट नं. 44 का रकवा 17754 वर्गफुट (1650 वर्गमीटर) जिस पर निर्मित शेड का रकवा 11879 वर्गफुट (1104 वर्गमीटर) जो कि औद्योगिक क्षेत्र मनेरी तहसील निवास जिला मंडला में स्थित है। संपत्ति/ भवन स्वामी: मे० हैल्थ प्लस फ्लेवर्ड मिल्क प्रोप. श्रीमति सुरिंदर कौर छाबड़ा पिता श्री हरजीत सिंह छाबड़ा चतु:सीमा: उत्तर - प्लाट नं. 43, दक्षिण- रोड, पूर्व- प्लाट नं. 45, पश्चिम- रोड, दृष्टि बंधक मशीनरी प्रलक्षित कब्जा	रू. 36,69,500.00 रू. 3,66,950.00 रू. 20,000/-
3.	मे. सिद्धि ग्रामीण गोडाउन प्रोप. श्रीमति सुशीला पटेल पत्नी बलदेव सिंह पटेल (उधारकर्ता/ संपत्ति बंधककर्ता) पता- निवास: ग्राम खटिया लोहारी, तहसील पाटन जिला जबलपुर 482001 पता-: ख.न. 38,प.ह.न. 22/11 न.ब. 45 आर०एन०एम कटंगी ग्राम खटिया लोहारी, तहसील पाटन जिला जबलपुर482001 श्री सुनील पटेल पुत्र श्री बलदेव सिंह पटेल(जमानतदार) पता: ग्राम खटिया लोहारी, तहसील पाटन जिला जबलपुर 482001 श्री बलदेव सिंह पटेल पुत्र श्री खेत सिंह पटेल (जमानतदार) पता: ग्राम खटिया लोहारी, तहसील पाटन जिला जबलपुर482001 संबन्धित शाखा : म.प्र. हाउसिंग बोर्ड	20/05/2025 30/08/2025 रु 51,10,567.14 + भविष्य ब्याज + विधिक व्यय	स्थावार संपत्ति का विवरण: संपत्ति ऐसे सभी भाग, जिसमे न. ब. 45, प.ह.क्र. 22/11, खसरा न. 38, डाइवरटेड भूमि क्षेत्रफल 25000 वर्गफुट एवं भूमि पर निर्मित गोदाम ग्राम खटिया लोहारी तहसील पाटन, जिला जबलपुर 482001 (म.प्र.) संपत्ति/ भवन स्वामी:- श्री बलदेव सिंह पटेल पुत्र श्री खेत सिंह पटेल चतु:सीमा: उत्तर - ख. न. 39 संपत्ति, पूर्व- रोड, दक्षिण- ख. न.36 एवं 37 संपत्ति, पश्चिम- विजय पल संपत्ति ख. न. 23 प्रलक्षित कब्जा	रू. 91,80,000.00 रू. 9,18,000.00 रू. 50,000/-
4.	श्री दयादास कुशमानी पिता स्व.गुरुदास कुशमानी (उधारकर्ता /संपत्ति बंधककर्ता) पता : 2811,जोगी मोहल्ला,बनारसीदास,भनोत वार्ड,गोरखपुर तहसील व जिला-जबलपुर, म.प्र. 482001 श्री प्रभुदास कुशमानी पिता स्व. गुरुदास कुशमानी(जमानतदार/ संपत्ति बंधककर्ता) पता : 2811,जोगी मोहल्ला,बनारसीदास,भनोत वार्ड, गोरखपुर तहसील व जिला-जबलपुर, म.प्र. 482001 श्रीमती गोमती कुशमानी पत्नी स्व. गुरुदास कुशमानी (जमानतदार/ संपत्ति बंधककर्ता) पता : 2811,जोगी मोहल्ला,बनारसीदास,भनोत वार्ड,गोरखपुर तहसील व जिला-जबलपुर, म.प्र. 482001 श्रीमती शिवानी कुशमानी पत्नी श्री दयादास कुशमानी (सहउधारकर्ता) पता : 2811,जोगी मोहल्ला,बनारसीदास,भनोत वार्ड,गोरखपुर तहसील व जिला-जबलपुर, म.प्र. 482001 शाखा: नेपियर टाउन	22/08/2025 13/11/2025 रु 35,96,994/- + भविष्य ब्याज + विधिक व्यय	साम्य बंधक भूमि / भवन: संपति ऐसे सभी भाग, जिसमे निर्मित मकान मौज़ा-गोरखपुर सेटलमेंट न.-605 ,प.ह.न. 29,ख. न. 272,प्लॉट न.182 के भाग में स्थित भू-खंड का रकवा करीबन 2167 वर्गफुट तहसील व जिला-जबलपुर(म.प्र.) संपत्ति/ भवन स्वामी: 1) श्री दयादास कुशमानी 2) श्री प्रभुदास कुशमानी 3) श्रीमती गोमती कुशमानी चतु:सीमा: उत्तर- कंजरवेंसी लैंड, दक्षिण - रोड, पूर्व - नंदुलाल का मकान, पश्चिम - गली प्रलक्षित कब्जा	रू. 36,72,000.00 रू. 3,67,200.00 रू. 20,000/-
5.	श्री निधि फूड प्रोपराइटर श्री मनीष पटेल श्री मनीष पटेल S/O श्री प्रदीप पटेल (उधारकर्ता) पता - ग्राम खमोंद खैरी, पोस्ट उडना सड़क, तहसील पाटन, जिला जबलपुर, पिन-483113 पता-581/14, कंचन विहार रोड़, विजय नगर, दमोह रोड़, तहसील जबलपुर जिला जबलपुर, पिन-482001 श्रीमती निर्मला पटेल w/o श्री प्रदीप पटेल (गारंटर/ संपत्ति बंधककर्ता) पता - ग्राम खमोंद खैरी, पोस्ट उड़ना सड़क, तहसील पाटन, जिला जबलपुर, पिन-483113 शाखा: मिलौनीगंज	15/07/2022 04/10/2022 रु 55,43,684.00 + भविष्य ब्याज + विधिक व्यय	साम्य बंधक भूमि / भवन: संपति ऐसे सभी भाग, जिसमे भूमि एवं भवन मौजा मुड़िया, प.ह.नं. 20/23, खसरा नं. 22/1 (नया खसरा नं. 22/4) परिवर्तिक भूमि का भाग, बंदोबस्त नंबर-369, R.I. सर्कल पाटन, तहसील पाटन, जिला जबलपुर (म.प्र), कुल प्लॉट एरिया 6000 वर्गफुट संपत्ति/भवन स्वामी: श्रीमती निर्मला पटेल W/O श्री प्रदीप पटेल चतु:सीमा: उत्तर -साइड रोड, दक्षिण-श्री प्रदीप पटेल की संपत्ति, पूर्व- श्री प्रदीप पटेल की संपत्ति, पश्चिम-श्री जितेंद्र पटेल की संपत्ति प्रलक्षित कब्जा	रू. 52,72,500.00 रू. 5,27,250.00 रू. 50,000/-
6.	मे. नेस्ट फ़ार्मा प्रो. श्री राहुल क्लेमेंट पिता श्री जॉर्ज एबिल (उधारकर्ता) पता : मकान नं. 21, लक्ष्मी विहार , राम नगर , वॉटर टैंक के पास , रामपुर , जबलपुर म. प्र. 482001 श्री जॉर्ज एबिल पिता गिरगोरी फिलिप (ज़मानतदार/ संपत्ति बंधककर्ता) पता : मकान नं. 21, लक्ष्मी विहार , राम नगर , वॉटर टैंक के पास , रामपुर , जबलपुर म. प्र. 482001 संबन्धित शाखा : नेपियर टाउन	01.03.2025 17.05.2025 रु. 11,25,395.37 + भविष्य ब्याज + विधिक व्यय	संपत्ति ऐसे सभी भाग, जिसमे निर्मित मकान मौज़ा रामपुर नं. बं. 1 प. ह. नं. 28 ख. नं. 31/3 के भाग मे स्थित यू. भू. क्र. 21 का रकवा 10.3 फुट बाइ 41 फुट करीबन 423.3 व. फु. शंकरशाह नगर वार्ड तह. व जिला जबलपुर संपत्ति/भवन स्वामी:- श्री जॉर्ज एबिल पिता गिरगोरी फिलिप चतु:सीमा: उत्तर- प्लॉट नं. 22, दक्षिण - प्लॉट नं. 20, पूर्व - नाला , पश्चिम - साइड रोड प्रलक्षित कब्जा	रू. 13,98,500.00 रू. 1,39,850.00 रू. 10,000/-

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्योरे के लिए कृपया नीचे दिये गए प्रतिभूत लेनदार की वेबसाइट अर्थात www.centralbankofindia.bank.in देखें या बैंक अनुबंधित सेवा प्रदाता PSB alliance के वेबपोर्टल http://baanknet.com पर उपलब्ध लिंक देखें। क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर प्राधिकृत अधिकारी (मो. 8226014333) से संपर्क कर सकते है। ये ऋणियों/ प्रत्याभूति-दाता/ जमानतदार को सरफेसी अधिनियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन तीस (30) दिनों की वैधानिक विक्रय सूचना है।

दिनांक: 16/06/2026, जबलपुर
कृते सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, प्राधिकृत अधिकारी

मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक
(सरकार के स्वामित्वाधीन अनुसूचित बैंक) क्षेत्रीय कार्यालय -जबलपुर

शाखा जबलपुर (मुख्य) जिला जबलपुर के लिये परिसर की आवश्यकता

जबलपुर शहर में शाखा जबलपुर (मुख्य) जिला जबलपुर हेतु विवरणानुसार लीज पर परिसर की आवश्यकता है :-

क्र.	प्रस्तावित कार्यालय का नाम	लोकेशन	कार्पेट
1	शाखा जबलपुर (मुख्य) क्षेत्र जबलपुर	वर्तमान शाखा जबलपुर (मुख्य) के 1 कि.मी. के दायरे में	लगभग 1000-1300 वर्गफुट भूतल

इच्छुक व्यक्ति बैंक की वेबसाईट www.mpgb.co.in में दी गई निर्धारित निविदा प्रक्रिया/शर्तों के तहत् निविदा प्रारूप में अपने प्रस्ताव बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर में प्रस्तुत करें, निर्धारित प्रपत्र बैंक की वेबसाईट/क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा जबलपुर (मुख्य) में उपलब्ध है, निविदा प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 30.06.2026 को (शाम 04:00 बजे) एवं निविदा प्रस्ताव खोलने की तिथि 01.07.2026 को दोपहर 03:00 बजे रहेगी। कार्यालय का पता: माँ शारदा परिसर, एस.आर. सिनेमा के पास, अग्रसेन वार्ड, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) पिन- 482002
क्षेत्रीय प्रबंधक

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु ई-निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/13/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तालिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	30261003	लोअर स्प्रिंग सीट फॉर एक्सल बॉक्स गाइड अरेंजमेंट	5734 नंबर्स	06/07/2026
2	40262022	लो मेंटनेंस लीड एसिड बैटरी सेट 8 वोल्ट	22 सेट्स	08/07/2026
3	40262660	इलेक्ट्रॉनिक रेक्टिफिएर कम रेगुलेटर	68 नंबर्स	13/07/2026
4	40262202	वाल्व रेगुलेटेड लीड एसिड सिंगल सेल ऑफ 1100 AH	42सेट्स	23/07/2026
5	50264007A	रेड एम्पेक्ट मैन LED सिगनल 110V AC रेट्रोफिटेबल ग्रीन एस्पेक्ट मैन LED सिगनल, 110 वोल्ट AC रेट्रोफिटेबल	134नंबर्स 864नंबर्स	06/08/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मो को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। हस्ता.
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

IDBI BANK

आईडीबीआई बैंक लि., डब्ल्यूटीसी कॉम्पलेक्स, कफ परेड, मुम्बई, Website: www.idbibank.in
शाखा - आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, शहडोल, मध्य प्रदेश
वार्ड नंबर 05, पाली रोड, शहडोल, पिनकोड - 484001 मध्य प्रदेश

अचल संपत्ति के लिए कब्जे की सूचना नियम 8 (1)

अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीबीआई बैंक लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी होते हुये वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 की 54) की धारा 13(12) सपठित नियम 3 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये मांग नोटिस दिनांक 23 फरवरी 2026 को उधारकर्ता श्री विश्वनाथ खरे (उधारकर्ता एवं बंधककर्ता) और श्री रजत खरे (सह-उधारकर्ता एवं बंधककर्ता) को नोटिस में उल्लिखित रू. 378955/- (तीन लाख अठहत्तर हजार नौ सौ पचपन रुपये मात्र) 60 दिनों की समयावधि में भुगतान करने हेतु नोटिस दिया गया था चूंकि उक्त उधारकर्ता/बंधककर्ता उल्लेखित राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं। अत: खासतौर पर उक्त उधारकर्ता/बंधककर्ता को और सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने प्रतिभूती हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पड़ी जाने वाली धारा 13 की उपधारा (4) में निहित अधिकारो के प्रत्यायोजन स्वरूप नीचे उल्लेखित सम्पत्ति पर दिनांक 10 जून 2026 को कब्जा ले लिया है। एतद् द्वारा उधारकर्ता/बंधककर्ता को विशेष एवं जन साधारण को सामान्य रूप से सचेत किया जाता है उक्त संपत्ति विष्यक में कोई संव्यवहार न करें एवं इस सम्पत्ति पर किया गया कोई भी व्यवहार राशि रू. 378955/- (तीन लाख अठहत्तर हजार नौ सौ पचपन रुपये मात्र) एवं उस पर देय ब्याज हेतु आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के अधीन रहेगी। उधारकर्ता/बंधककर्ता को एक्ट की धारा 13 एवं उपधारा 8 के प्रावधान के अन्तर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मोचन में उपलब्ध समय की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

संपत्ति का विवरण

वह पूरी प्रॉपर्टी जो मौजा शहडोल, नगर पालिका शहडोल, वार्ड नंबर - 37, पटवारी हल्का नंबर - 78, खसरा नंबर 277/6, एरिया - 1997.75 Sq. ft. (185.79 sq.mtr.), रा.नि.म. सोहागपुर नंबर 1, तहसील - सोहागपुर, जिला - शहडोल, मध्य प्रदेश - 484001 (श्री रजत खरे के नाम पर) में स्थित है।

जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं - पूर्व में -13 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम में - श्री शुक्ला जी का प्लाट, दक्षिण में - श्री टी.एस. राव का प्लाट, उत्तर में - सुश्री पूजा और श्री यश दीक्षित का प्लाट

उस पर मौजूद वर्तमान और भविष्य की सभी एवं पृथक-पृथक संरचनायें और निर्माण दोनो साथ साथ इस में शामिल है।

स्थान : शहडोल, दिनांक - 16/06/2026
अधिकृत अधिकारी
आईडीबीआई बैंक लि.

चिंतन

ट्रंप को दबाव में लेने में सफल रहा ईरान

आखिरकार 107 दिन से अधिक समय तक जारी संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो ही गया। अब उम्मीद है कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव खत्म होगा और महंगाई से जूझ रही दुनिया को कुछ राहत मिलेगी। हालांकि समझौते की शर्तों को देखकर लगता है कि यह काफी पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन दोनों देशों के अड़ियल रुख के कारण अटका हुआ था। अब ईरान आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दबाव में लेने में सफल रहा और दोनों देश शांति समझौते पर सहमत हुए हैं। यदि 19 जून को जेनेवा में प्रस्तावित समझौते पर हस्ताक्षर हो जाते हैं तो यह केवल दो देशों के बीच युद्धविराम नहीं होगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में शक्ति संतुलन का एक महत्वपूर्ण संकेत भी होगा। दिलचस्प बात यह है कि जिस ईरान को अमेरिका लगातार आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और कूटनीतिक अलगाव के जरिए झुकाने की कोशिश कर रहा था, वही ईरान आज अपनी प्रमुख शर्तें मनवाने में सफल रहा। ट्रंप ने समझौते की घोषणा करते हुए इसे अपनी बड़ी कूटनीतिक जीत बताया है। उन्होंने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने और नौसैनिक नाकेबंदी हटाने की बात कही है, लेकिन सवाल यह है कि यदि अमेरिका को अंततः यही कदम उठाने थे तो फिर 107 दिनों की तबाही, क्षेत्रीय अस्थिरता और वैश्विक आर्थिक संकट की आशंका क्यों पैदा की गई? दरअसल यह समझौता बताता है कि केवल सैन्य शक्ति के दम पर किसी राष्ट्र को हमेशा झुकाया नहीं जा सकता। ईरान की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि उसने दबाव झेलते हुए भी अपने मूल हितों से समझौता नहीं किया। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया कि यदि अमेरिका को स्थायी शांति चाहिए तो उसे नौसैनिक नाकेबंदी हटानी होगी, सैन्य कार्रवाई रोकनी होगी और ईरान के जमे हुए फंड जारी करने होंगे। हालांकि इस समझौते को अंतिम सफलता मान लेना जल्दबाजी होगी। स्वयं ट्रंप ने कहा है कि परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका की संतुष्टि जरूरी होगी, अन्यथा सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि अविश्वास अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। दोनों देशों के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी किसी एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर से समाप्त नहीं होगी। इस पूरे घटनाक्रम में इजराइल का रुख भी महत्वपूर्ण है। समझौते की घोषणा से ठीक पहले लेबनान में की गई बमबारी और इजराइली नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय राजनीति अभी भी जटिल बनी हुई है। ऐसे में यदि अमेरिका और ईरान के बीच रिश्तों में नरमी आती है तो यह इजराइल की रणनीतिक चिंताओं को बढ़ा सकती है। यही वजह है कि शांति प्रक्रिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल वाशिंगटन और तेहरान नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति है। इस समझौते का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। वहां तनाव बढ़ने पर तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई का खतरा लगातार बना हुआ था। यदि समुद्री मार्ग सामान्य होते हैं और क्षेत्रीय स्थिरता लौटती है तो ऊर्जा बाजार को राहत मिलेगी। इसका लाभ उन देशों को भी मिलेगा जो पहले से महंगाई और आर्थिक सुस्ती से जूझ रहे हैं। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि इस दौर में कूटनीति ने हथियारों पर बढ़त बनाई है और ईरान ने यह साबित किया है कि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और रणनीतिक धैर्य के बल पर बड़ी से बड़ी महाशक्ति को भी बातचीत की मेज तक लाया जा सकता है।

डिजिटल पंचायत
बलकार सिंह

ई-गवर्नेंस पुरस्कार से दिखी गांवों की बदलती तस्वीर

भारत के लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उसकी पंचायतों में निहित है। संविधान के 73वें संशोधन ने जिस पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक आधार प्रदान किया था, आज वही व्यवस्था डिजिटल तकनीक, डेटा आधारित निर्णय और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से विकास की नई इबारत लिख रही है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के परिणाम इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इन पुरस्कारों ने न केवल पंचायतों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय पहचान दी है, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि विकसित भारत 2047 का सपना गांवों की भागीदारी के बिना साकार नहीं हो सकता। पंचायती राज मंत्रालय की चार पहलों का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चयनित होना अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल तकनीक के उपयोग का सम्मान नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के प्रयासों की स्वीकृति है। यह पहल देशभर की ग्राम पंचायतों के विकास प्रदर्शन का वैज्ञानिक और डेटा-आधारित मूल्यांकन करती है। स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के नौ विषयों पर आधारित यह सूचकांक पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें परिणामोन्मुख शासन की ओर प्रेरित करता है। यह पहली बार है जब ग्राम पंचायतों के विकास को इतने व्यापक और तथ्यपरक तरीके से मापा जा रहा है। डेटा आधारित शासन की यह संस्कृति आने वाले समय में ग्रामीण प्रशासन की दिशा और दशा दोनों बदल सकती है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में महाराष्ट्र के सांगली जिले की कादेपुर ग्राम पंचायत का स्वर्ण पुरस्कार जीतना विशेष रूप से प्रेरणादायक है। यह पंचायत आज डिजिटल भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। यहां 4,300 से अधिक लाभार्थियों को 1,355 से अधिक सेवाएं पूर्णतः ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। पूरी पंचायत कागज रहित ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य कर रही है। आठ एआई-संचालित प्रशासनिक अनुप्रयोग, ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड प्रबंधन और जीआईएस आधारित संपत्ति जियो-टैगिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग यह दर्शाता है कि तकनीकी नवाचार केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। कादेपुर देश की एकमात्र ग्राम पंचायत है जिसके पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन, नैनो तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और रोबोटिक्स पर औपचारिक रूप से स्वीकृत नीतियां हैं। यह उपलब्धि बताती है कि यदि नेतृत्व दूरदर्शी हो तो गांव भी वैश्विक स्तर की तकनीकी प्रयोगशाला बन सकते हैं। इसी प्रकार त्रिपुरा की बिजॉय नगर ग्राम पंचायत ने रजत पुरस्कार प्राप्त कर यह सिद्ध किया है कि डिजिटल परिवर्तन केवल तकनीक का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक भागीदारी का भी विषय है। इस पंचायत ने सहभागी शासन, वित्तीय जवाबदेही और डिजिटल समावेशन का उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किया है। पंचायत उन्नति सूचकांक में इसका स्कोर 88.55 तक पहुंच गया है, जो पिछले संस्करण की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि महिलाओं में 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता प्राप्त करना है। यह उदाहरण बताता है कि जब तकनीक समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती है, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद की 'ई-आरोग्य धामनी' पहल को मिला स्वर्ण पुरस्कार ई-गवर्नेंस की सामाजिक उपयोगिता को रेखांकित करता है। आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। इस पहल ने सिद्ध किया है कि तकनीक का सर्वोत्तम उपयोग तभी है जब वह उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। पंचायत उन्नति सूचकांक, कादेपुर, बिजॉय नगर और ई-आरोग्य धामनी जैसी पहलें दिखाती हैं कि गांवों में परिवर्तन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज का जो सपना देखा था, वह आत्मनिर्भरता, पारदर्शिता और जनभागीदारी पर आधारित था। आज डिजिटल तकनीक उस स्वप्न को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर रही है। यदि देश की पंचायतें इसी प्रकार तकनीक को जनकल्याण का माध्यम बनाती रहीं, तो विकसित भारत 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक साकार होती हुई वास्तविकता बन जाएगा। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 ने यह साबित कर दिया है कि भारत की विकास यात्रा की सबसे मजबूत नींव गांवों में ही रखी जा रही है और डिजिटल पंचायतें ही भविष्य के भारत की नई पहचान बनने जा रही हैं।

(लेखक इग्नू में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राष्ट्रभक्ति
महेन्द्र तिवारी

वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है।

सैन्य परंपरा-पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है।

इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है। इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहां की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की

औपचारिक पोशाक में पहली बार 'बंदी' नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है। अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं। इस प्रकार, सैन्य व्यवस्था और उसकी जीवनशैली में किए गए ये सभी बदलाव केवल ऊपरी या सतही परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र की सोच में आ रहे एक व्यापक गुणात्मक सुधार को रेखांकित करते हैं। सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। यह युगांतरकारी बदलाव भविष्य की पीढ़ियों को भी अपनी अनूठी संस्कृति पर गर्व करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगा। परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी। अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है। यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है। सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है। युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं। लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे। गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था। अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है। जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं। इन सुधारों के माध्यम से सेना ने यह साबित कर दिया है कि वह आधुनिकतम तकनीकों और घातक हथियारों से लैस होने के साथ-साथ वैचारिक रूप से पूरी तरह भारतीय मूल्यों, सिद्धांतों और राष्ट्रभक्ति के प्रति समर्पित है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

भजन ही शरीर का प्राण

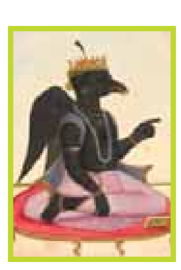

संकलित
दर्शन

काकभुशुंडि जी कहते हैं, मेरे इस भाव परिवर्तन से मेरे परमकृपालु सदाशिव विश्वनाथ मुझ पर और भी अधिक प्रसन्न हो गए। उन्हें लगा कि मेरे इस भक्त (काकभुशुंडि) का प्रवेश मेरे हृदय में हो गया है और इसने देख लिया कि मेरे इष्ट तो बालक राम हैं, जो अयोध्या में दशरथ के अजिर में मालपुआ लेकर घूमते रहते हैं। काकभुशुंडि जी हमें और आपको यह बताना चाहते हैं कि जब उन्होंने कौआ होकर भी भगवान को पा लिया तो हम लोगों के भाग्य के लिए तो शब्द ही नहीं हैं। प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने स्वयं भी समस्त चराचर के कल्याण के लिए मनुष्य का ही शरीर धारण कर लिया है। वे कहते हैं कि इस शरीर को पाने का मात्र एक ही लाभ है कि व्यक्ति भगवान का भजन करे। भक्त काकभुशुंडि ने मनुष्य शरीर से भजन करने के प्रताप और फल को बताते हुए कहा कि ज्ञानी ऋषि लोमश ने मेरे अंदर भक्ति के प्रति पक्षपात देखकर भले ही मुझे अपनी दृष्टि से कौआ बनने का शाप दिया था, पर वह मेरे लिए वरदान हो गया। महत्व इसका नहीं है कि हम किस शरीर, किस देश, किस जाति और धर्म के हैं। काकभुशुंडि जी कहते हैं कि महत्वपूर्ण यह है कि हम भगवान की भक्ति और भजन कर रहे हैं या नहीं? भजन ही शरीर का प्राण है। गोस्वामी जी ने इस बात पर जोर दिया है कि जिसने इस धरा पर जन्म लेकर भगवान का भजन कर लिया, बस वही धन्य है। उसी की विजय होती है, वही संसार में सबके प्रति विनयी होता है, वही गुणों की खान होता है और सारे विश्व में उसी का यश त्रैलोक्य में उजागर होता है।

ईश्वर बहुत दयालु है

संकलित
प्रेरणा

एक राजा का एक विशाल फलों का बगीचा था, उसमें तरह-तरह के फल होते थे और उस बगीचा की सारी देखरेख एक किसान अपने परिवार के साथ करता था। वह किसान हर दिन बगीचे के ताज़े फल लेकर राजा के राजमहल में जाता था। एक दिन किसान ने पेड़ों पे देखा नारियल, अमरुद, बेर, और अंगूर पक कर तैयार हो रहे हैं, किसान सोचने लगा आज कौन सा फल महाराज को अर्पित करूँ। फिर उसे लगा अँगूर करने चाहिए, क्योंकि वो तैयार हैं। इसलिए उसने अंगूरों की टोकरी भर ली और राजा को देने चल पड़ा! किसान राजमहल में पहुंचा, राजा किसी दूसरे ख्याल में खोया हुआ था और नाराज भी लग रहा था। किसान रोज की तरह मीठे रसीले अंगूरों की टोकरी राजा के सामने रख दी और थोड़े दूर बैठ गया। अब राजा उसी ख्यालों-ख्यालों में टोकरी में से अंगूर उठाता एक खाता और एक खींच कर किसान के माथे पे निशाना साधकर फेंक देता। राजा का अंगूर जब भी किसान के माथे या शरीर पर लगता था तो किसान कहता था, ईश्वर बड़ा दयालु है। राजा फिर और जोर से अंगूर फेकता था, किसान फिर वही कहता था, ईश्वर बड़ा दयालु है। थोड़ी देर बाद राजा को एहसास हुआ कि वो क्या कर रहा है और प्रत्युत्तर क्या आ रहा है, वो सम्भल कर बैठा। उसने किसान से कहा, मै तुझे बार-बार अंगूर मार रहा हूँ और ये अंगूर तुम्हे लग भी रहे हैं, फिर भी तुम यह बार-बार क्यों कह रहे हो कि ईश्वर बड़ा दयालु है।

सटाका

आज की पाती

बढ़ती असहिष्णुता

राजधानी रायपुर में मामूली विवाद से शुरू हुआ झगड़ा हत्या तक पहुंच रहा है। ऐसी घटनाएं समाज में बढ़ती असहिष्णुता, गुस्से और संवाद की कमी की गंभीर समस्या को उजागर करती है। आज देशभर में छोटी-छोटी बातों पर हिंसा, मारपीट और हत्याओं की घटनाएं बढ़ती दिखाई दे रही हैं। इसके पीछे घटता धैर्य, बढ़ता तनाव, नशे का दुरुपयोग, सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री और न्याय प्रक्रिया में देरी जैसे कई कारण जिम्मेदार माने जा सकते हैं। हालांकि कानून कमजोर नहीं है। भारतीय न्याय संहिता हत्या, दंगा और हिंसा के लिए कड़े दंड का प्रावधान करती है। चुनौती कानूनों की कमी नहीं, बल्कि उनके प्रति सम्मान और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने की है। - *डॉ. संदीप सैनी, हिसार*

करंट अफेयर

पिचाई के भाषण में छात्रों ने लहराए फिलिस्तीनी झंडे

अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई के संबोधन के दौरान फलस्तीन समर्थक कई छात्रों ने बहिर्गमन किया और झंडे लहराए। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से 'मैटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग' में मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री प्राप्त कर चुके पिचाई रविवार को वर्ष 2026 की कक्षा को संबोधित करने के लिए अपने पूर्व शिक्षण संस्थान लौटे थे। 'स्टैनफोर्ड रिपोर्ट' के अनुसार विश्वविद्यालय के 135वें दीक्षांत समारोह में 3,600 छात्रों सहित 20,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। 'एसएफगेट' की एक खबर में कहा गया है कि पिचाई द्वारा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित किए जाने के दौरान लगभग 200 छात्र समारोह स्थल से बाहर चले गए। खबर के अनुसार, दर्शक दीर्घा में मौजूद कुछ समूहों ने बैनर और फलस्तीनी झंडे लहराए तथा सीटी बजाई। बाद में वे भाषण के बीच में ही बाहर निकल गए। खबर में कहा गया कि फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने इजराइल सरकार के साथ गूगल के संबंधों, विशेष रूप से वर्ष 2021 में हुए 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के क्लाउड कंप्यूटिंग समझौते 'प्रोजेक्ट निम्बस' का विरोध किया।

ऑफ बीट

भोजन के साथ आपके संबंध कैसे हैं

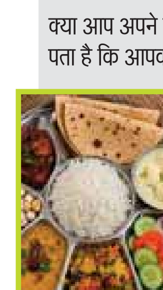

क्या आप अपने शरीर के संकेतों को समझते हैं, जिसका अर्थ है कि आपको पता है कि आपको कब भूख लगी है, कब नहीं और कब पेट भरा हुआ महसूस हो रहा है? सभी खाद्य समूहों में नियमित अंतराल पर उचित मात्रा और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खा रहे हैं ताकि आपकी पोषक तत्व, स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी ज़रूरतें पूरी हों? दूसरों के साथ खाना और अकेले खाना भी आरामदायक है? क्या आप भोजन का आनंद लेने में सक्षम हैं, यदि आपको अधिक जवाब हां में नहीं मिले, तो आपको भोजन के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने पर काम करने की आवश्यकता हो सकती है। समस्या यह है कि यह मस्तिष्क के पुरस्कार केंद्र को ट्रिगर करता है, जिसका अर्थ है कि यद्यपि आप बेहतर महसूस करते हैं, यह व्यवहार प्रबल हो जाता है, इसलिए नकारात्मक भावनाओं के जवाब में आपके खाते रहने की संभावना अधिक होती है। भावनात्मक खान-पान और अनियंत्रित खान-पान की प्रवृत्ति खाने के विकार के लक्षणों और खराब गुणवत्ता वाले आहार से जुड़ी होने की अधिक संभावना है, जिसमें सब्जियों का कम सेवन और कम पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन शामिल है।

ट्रेंड

भारत-स्लोवाकिया दोस्ती

प्रधानमंत्री फिको के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। भारत-स्लोवाकिया दोस्ती के लिए यह एक बहुत खास पल है। ऑटोमोबाइल, रेलवे, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जीवन में ठोस सुधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में,पिछले 12 वर्षों में टैक्स में राहत, मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, आधुनिक कनेक्टिविटी और 'ईज़ ऑफ़लिविंग' (जीवन को आसान बनाने) पर लगातार ध्यान दिए जाने से भारत के मध्यम वर्ग के जीवन में ठोस सुधार आए हैं।
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

ईडी पार्टी जिम्मेदार

ईडी पार्टी के अधिकारी खुद पंजाब में ड्रग्स बेचते हुए पकड़े गए। क्या उसके तार ड्रग्स से जुड़े हैं? आज पंजाब में 70% ड्रग्स गुजरात के रास्तों से आ रही है। पंजाब के युवाओं को बर्बाद करने के लिए ईडी पार्टी और 'चिट्टा पार्टी' ज़िम्मेदार हैं।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

मातृभूमि की नई कहानी

नफ़रत के कांटे बहुत बढ़ गए हैं, अब 'फूलों का मौसम' लाने का समय आ गया है। 'प्यार, करुणा और अपनापन' लेकर हमें हर गांव और गली तक पहुंचना है। मिलकर, हम सभी को अपनी मातृभूमि की एक नई कहानी लिखनी है।
-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

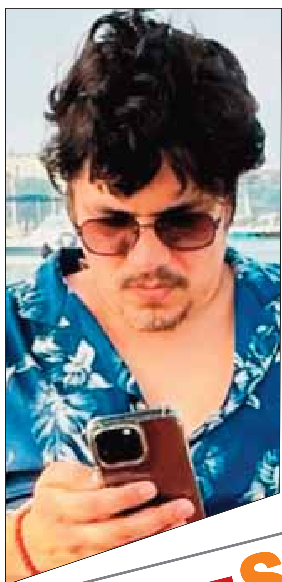

एआई-171 हादसे की दर्दनाक कहानी पर्दे पर उतारेंगे मिलन

मुंबई। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के क्रैश में अपनी बड़ी बहन को खोने वाले निर्माता ने इस हादसे पर आधारित एक फीचर फिल्म बनाने की योजना पर बात की। उन्होंने इसे अपना निजी मिशन बताया है। उनका कहना है कि यह उनके कॅरियर का आखिरी प्रोजेक्ट हो सकता है। मूल रूप से हरियाणा के कुरुक्षेत्र के रहने वाले और वड़ोदरा में काम करने वाले फिल्ममेकर मिलन शर्मा बताया कि पिछले साल 12 जून को हुए इस क्रैश के कुछ ही दिनों बाद उन्होंने यह फिल्म बनाने का फैसला किया था। उन्होंने भारत के सबसे भयानक एविएशन हादसों में से एक में अपने रिश्तेदारों को खोने वाले परिवारों का दुख देखा था। इस हादसे में मिलन ने अपनी 56 साल की बहन अंजू शर्मा को खो दिया।

लाइफ Style

मृणाल

शिकागो की सड़कों पर सैर करती आईं नजर

'है जवानी तो इश्क होना है' की चर्चा के बीच मृणाल ठाकुर अमेरिका के शिकागो गई हैं। यहां से उन्होंने अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर चर्चा में हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ठीक ठाक कमाई कर रही है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इस बीच मृणाल ठाकुर शिकागो की सैर पर गई हैं। यहां से उन्होंने अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं। मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने शिकागो की सड़कों पर पोज दिए हैं। उन्होंने अलग-अलग आउटफिट भी पहने हैं। यही नहीं उन्होंने यहां से वर्कआउट करते हुए भी तस्वीर शेयर की है। तस्वीरें शेयर करते हुए मृणाल ठाकुर ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा 'बैग पैक कर रही हूं और इस शहर को गुड बाय कह रही हूं। ये वाकई जानलेवा है।' इसके साथ उन्होंने रोने वाला और दिल टूटने वाला इमोजी भी लगाया है। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 5 जून को रिलीज हुई है। इसके निर्देशक डेविड धवन हैं। इसे टिप्स फिल्म्स और मैक्सिमिलियन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। इसमें मृणाल ठाकुर के अलावा वरुण धवन और पूजा हेगड़े अहम किरदारों में हैं। मुख्य कलाकारों के अलावा इसमें सहायक कलाकारों में मौनी रॉय, चंकी पांडे, राकेश बेदी, कुब्रा सैत और अन्य शामिल हैं। फिल्म की कहानी जस (वरुण धवन) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह अपनी पत्नी बानी (मृणाल ठाकुर) से इसलिए तलाक लेने की कोशिश करता है क्योंकि वह बच्चा चाहता है।

हॉलीवुड मसाला

रिलीज से पहले भारत में मारेगा एंट्री

नई दिल्ली। अभिनेता टॉम हॉलैंड की अपकमिंग फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' को लेकर भी भारत में काफी क्रेज नजर आ रहा है। इस बीच 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' के मेकर्स की तरफ से सुपर हीरो मूवी की इंडिया रिलीज को लेकर बड़ा दांव खेला है। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट इंडिया ने ये कन्फर्म किया है कि टॉम हॉलैंड स्टारर 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' भारत में 30 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। जो फिल्म की ऑफिशियल रिलीज डेट 31 जुलाई से एक दिन पहले है।

दो बच्चे होने के बाद सिंगर पेरी ने की एलेक्स से शादी

लॉस एंजिल्स। सिंगर पेरी एडवर्ड्स और उनके फुटबॉलर बॉयफ्रेंड एलेक्स ऑक्सलेड-चेम्बरलेन ने लगभग एक दशक तक साथ रहने के बाद पुर्तगाल में शादी कर ली। यह शादी शनिवार को फारो में हुई। इसमें परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए। यह खबर इस जोड़े के दूसरे बच्चे के जन्म के कुछ ही महीनों बाद आई। उनकी बेटी एलैनिस वेलेंटाइन का जन्म जनवरी 2026 में हुआ था। इस जोड़े का एक बेटा एक्सल भी है, जिसका जन्म अगस्त 2021 में हुआ था। एडवर्ड्स ने फूलों की डिजाइन वाला लंबी आस्तीन का सफेद वेडिंग गाउन पहना था। ऑक्सलेड-चेम्बरलेन ने क्लासिक काला टक्सीडो पहना था। इस जोड़े ने जानबूझकर अपनी शादी की योजना को इस साल की शुरुआत में अपनी बेटी के जन्म के बाद तक के लिए टाल दिया था। समारोह के बाद, एडवर्ड्स को ऑक्सलेड-चैंबरलेन के साथ हाथ में हाथ डाले चर्च से निकलते हुए देखा गया।

साइबर क्राइम केस में उलझे अरशद

मुंबई। राजकुमार हिरानी बड़े पर्दे से निकलकर ओटीटी पर आ चुके हैं। बतौर क्रिएटर उनकी सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो'का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। अरशद वारसी, वीर हिरानी और विक्रांत मैसी के अनोखे किरदार सीरीज में नजर आएंगे। यह सीरीज 3 जुलाई को जीयो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। अरशद वारसी अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाते हैं, जल्द ही सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में उनका ऐसा ही अंदाज नजर आएगा। लेकिन, इस बार कॉमेडी के साथ साइबर क्राइम की कहानी भी दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस सीरीज के क्रिएटर निर्देशक राजकुमार हिरानी हैं। सीरीज में कई नामी बॉलीवुड एक्टर्स भी नजर आएंगे। ट्रेलर में दिखाया गया है कि अरशद वारसी गोवा में रहते हैं। वह क्राइम ब्रांच में पुलिस ऑफिसर हैं। लेकिन, अचानक उनका ट्रांसफर साइबर क्राइम डिपार्टमेंट में हो जाता है।

धमाल-4 का गाना फुलौरी बिना... रिलीज

मुंबई। अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, अंजलि आनंद, अजय देवगन और रवि किशन से सजी फिल्म 'धमाल 4' का पहला गाना 'फुलौरी बिना चटनी कैसे बनी' रिलीज हो गया है। इसे नीलकमल सिंह ने गाया है। इस गाने में शानदार बीट्स और थिरकने पर मजबूर कर देने वाले रिदम हैं, जो इसे फिल्म की हंसी-मजाक और मस्ती भरी दुनिया के लिए एकदम सही बनाते हैं। यह गाना कलाकारों की मजेदार केमिस्ट्री और 'धमाल' फ्रैंचाइजी की खास पहचान बन चुकी मस्ती-मजाक को बखूबी दिखाता है। अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, अंजलि आनंद, अजय देवगन और रवि किशन जैसे कलाकारों वाले इस गाने में ढेर सारे मजेदार पल हैं, और रवि किशन इस जबरदस्त गाने में अपने खास भोजपुरी अंदाज का तड़का लगाते हैं।

टीवी मसाला

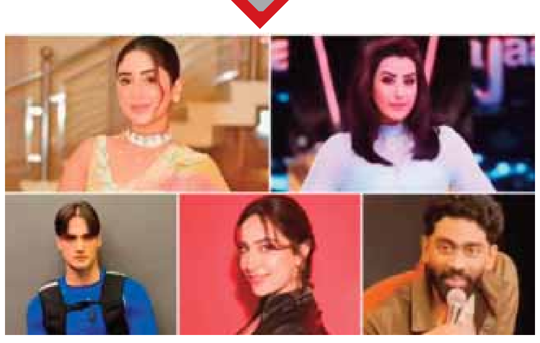

लॉक अप 2 में शिवांगी, शिल्पा, आसिम कुशा सहित 12 नामों पर ठप्पा!

नई दिल्ली। एकता कपूर के डिजिटल रियलिटी शो 'लॉक अप' का प्रीमियर सबसे पहले 2022 में ऑल्ट बालाजी पर हुआ था, जिसमें 16 विवादित कंटेस्टेंट्स को जेल जैसे सेट पर 72 दिनों के लिए बंद किया गया था। पहले सीजन को कंगना रनौत ने होस्ट किया था और कॉमेडियन से एक्टर बने मुनव्वर फारूकी इसके विनर बने थे। चार साल बाद, इस शो का दूसरा सीजन 27 जून को नेटफ्लिक्स पर शुरू होने के लिए तैयार है। नए सीजन को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट करेंगे। इस सीजन के संभावित कंटेस्टेंट्स को लेकर बढ़ती चर्चाओं के बीच कुछ नामों की पुष्टि हो चुकी है। इस साल 'लॉक अप' सीजन 2 में 14 सेलिब्रिटीज शामिल होंगे। शो के प्रोमो के मुताबिक, कंटेस्टेंट्स सर्वाइवल के लिए मुकाबला करेंगे और अपने सबसे गहरे राज भी खोलेंगे। सूत्रों के मुताबिक, शो के लिए गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा, पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी और एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे का नाम कन्फर्म हो गया है। 'लॉक अप' सीजन 2 में जिन दूसरे कंटेस्टेंट्स के शामिल होने की खबर पक्की है, उनमें 'स्प्लिट्सविला' के कंटेस्टेंट्स योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी, और बिग बॉस के पुराने कंटेस्टेंट्स प्रियंका शर्मा, विकास गुप्ता, रश्मि देसाई, पुनीत सुपरस्टार, अर्चना गौतम, उर्वशी ढोलकिया, प्रणीत मोरे, आसिम रियाज, कुशा कपिला और हर्षद चोपड़ा शामिल हैं। 'लॉक अप' सीजन 2 के प्रोमो में, होस्ट फराह खान ने इशारा किया कि कंटेस्टेंट्स में एक ऐसा सेलिब्रिटी शामिल होगा जिसने हाल ही में अपना वजन काफी कम किया है। इसके बाद, ऐसी खबरें आईं कि एक्टर राम कपूर इस रियलिटी शो में शामिल हो सकते हैं।

कनिका ने एकता को कहा 'मदर ऑफ ड्रैगन'

नई दिल्ली। लगभग छह महीने तक दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद ' नागिन 7 ' खत्म हो गया है। शो के खत्म होने पर, स्टार कास्ट ने सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट शेयर किए। राधिका का किरदार निभाने वाली कनिका मान ने शो के खत्म होने पर रोते हुए अपना एक इमोशनल वीडियो शेयर किया। पोस्ट में लिखा था, 'राधिका अब विदा ले रही है। लेकिन ड्रैगन कभी सच में नहीं मरते। चैनल, मेरी सबसे पसंदीदा एकता कपूर, पूरी टीम और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। एकता कपूर ने पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए कहा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि ड्रैगन रो रहा है। आग उगलने वाला ड्रैगन तो कमाल का है ही, लेकिन इमोशनल ड्रैगन ने तो हमें हैरान कर दिया। आपकी परफॉर्मेंस एक खोज की तरह रही है।' इसके बाद कनिका मान ने एकता के कमेंट का जवाब देते हुए कहा, 'माफ कीजिएगा, 'मदर ऑफ ड्रैगन्स'।

पेद्दी के शानदार प्रदर्शन की वजह से टली लेनिन की रिलीज...

मुंबई। अखिल अक्किनेनी की आने वाली फिल्म लेनिन पहले 26 जून को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन अब इसे आगे बढ़ा दिया गया है। मेकर्स ने इसकी नई रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। इस बार फिल्म टालने की सबसे बड़ी वजह राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' का शानदार प्रदर्शन बताया जा रहा है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है और दुनियाभर में लगभग 400 करोड़ रुपए के करीब पहुंच रही है। मेकर्स का कहना है कि 'पेद्दी' अभी सिनेमाघरों में अच्छा चल रही है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा स्क्रीन उसी को मिल रही हैं। ऐसे में 'लेनिन'को थोड़ा आगे बढ़ाना सही फैसला लगा। अखिल अक्किनेनी की मच अवेटेड फिल्म लेनिन का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को फिर से आगे बढ़ा दिया है। अब फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ मेकर्स ने वजह का भी खुलासा किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर नागार्जुन ने एक्स पर नई रिलीज डेट का ऐलान करते हुए लिखा कि टीम ने उनसे थोड़ा और समय मांगा था ताकि फिल्म को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने लिखा, 'लेनिन की टीम मेरे पास आई और कहा कि उन्हें फिल्म को 100% देने के लिए थोड़ा और वक्त चाहिए। उनके जुनून को देखकर मैंने हां कर दी। हमारा लड़का 10 जुलाई को आ रहा है। इस बार आपको एक नया अखिल देखने को मिलेगा। इस फिल्म को डायरेक्टर मुरली किशोर अब्बुरु ने बनाया है, जिसमें भाग्यश्री बोरसे फीमेल लीड में हैं। फिल्म को नागार्जुन और सूर्यदेवरा नागा वंशी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अब तक रिलीज हुए पोस्टर्स और गानों ने दर्शकों के बीच अच्छी उत्सुकता पैदा कर दी है। मेकर्स का मानना है कि रिलीज डेट आगे बढ़ाने से फिल्म को और बेहतर तरीके से पेश किया जा सकेगा। अब 10 जुलाई को 'लेनिनकी रिलीज का इंतजार और भी बढ़ गया है, और फैंस को उम्मीद है कि उन्हें एक नया और अलग अंदाज में अखिल देखने को मिलेगा।

महेश की फिल्म नाम-टू लिव इज वॉर का ऐलान, अहम भूमिका में नजर आएंगे वीर

मुंबई। फिल्म 'नाम-टू लिव इज वॉर' का एलान कर दिया गया है। इसमें वीर पहाड़िया अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म को दिग्गज निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट पेश कर रहे हैं। वहीं, निर्देशन की कमान सिद्धांत सचदेव के कंधों पर है। फिल्म में वरुण शर्मा भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं। अभिनेता वरुण शर्मा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें महेश भट्ट, सिद्धांत सचदेव और वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'जब शहर बीमार हो जाए, तो दवा और जहर में फर्क करना मुश्किल हो जाता है'। आगे लिखा है, 'नाम - टू लिव इज वॉर' यह फिल्म निश्चित रूप से एक रोमांचक होने वाली है। महेश भट्ट सर के मार्गदर्शन में बनी इस फिल्म का निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है। वहीं इसे रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय ने प्रोड्यूस किया है। एक पोस्ट वीर पहाड़िया ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है। वीर ने लिखा

है, 'कहते हैं सबसे छोटा जीव भी सबसे बड़ी शक्ति का प्रमाण होता है। जब बप्पा का आशीर्वाद साथ हो, तो हर 'नाम' एक तूफान होता है। गणपति बाप्पा मोरया'। 'नाम' एक डार्क एक्शन थ्रिलर फिल्म बताई जा रही है। इसमें वीर दमदार और रफ-टफ अवतार में नजर आने वाले हैं। निर्देशक सिद्धांत सचदेव ने लिखा है, 'कुछ नाम विरासत में मिलते हैं। कुछ नाम जंग लड़कर कमाने पड़ते हैं। महेश भट्ट सर के मार्गदर्शन और देखरेख में इस सफर को शुरू करने का सौभाग्य मिला है। वीर पहाड़िया और वरुण शर्मा के साथ मिलकर इस दमदार कहानी को पर्दे पर उतारने के लिए उत्साहित हूं।

दृश्यम 3 से ठुकरा के मेरा प्यार 2 तक, जमकर होगा मनोरंजन

इस हफ्ते ओटीटी पर रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

***नई दिल्ली।** बीते सप्ताह ओटीटी पर कई शानदार फिल्में और सीरीज रिलीज हुईं। सिनेमाघरों में भी बहार रही। इस वीक भी थिएटर्स में 'कॉकटेल 2' सहित कई फिल्में दस्तक देंगी। मगर, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी खूब माहौल जमने वाला है। इस वीक ओटीटी के पिटारे में कई रोचक फिल्में और सीरीज हैं।*

दृश्यम 3 : मोहनलाल की फिल्म 'दृश्यम 3' इस वीक ओटीटी पर रिलीज होगी। यह फिल्म 21 मई 2026 को सिनेमाघरों में आई थी। थिएटर्स में दर्शकों ने इसे हाथोंहाथ लिया। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी यह उपस्थिति दर्ज कराने वाली है। फिल्म 'दृश्यम 3' को 18 जून से प्राइम वीडियो पर देखा जा सकता है।

आई विल फाइंड यू : यह रोमांचक क्राइम थ्रिलर मिनी सीरीज है। इस वीक दर्शक इसका लुत्फ उठा सकते हैं। इसमें सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर सीन हैं। 'आई विल फाइंड यू' को आप 18 जून से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। यह सीरीज हार्लन कोबेन के उपन्यास पर आधारित है। इसमें सैम वर्थिंगटन (डेविड के रूप में) ब्रिट लोअर और मिलो वेंटिमिलिया मुख्य भूमिकाओं में हैं।

ठुकरा के मेरा प्यार 2 : वेब सीरीज 'ठुकरा के मेरा प्यार' का दूसरा सीजन इस वीक दर्शकों के बीच आएगा। इस सीरीज को आप 19 जून से जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। इसमें प्यार के साथ-साथ बदले की कहानी भी देखने को मिलेगी। सीरीज में संचिता बसु (शानविका चौहान) और धवल ठाकुर (कुलदीप कुमार) मुख्य भूमिकाओं में हैं।

केनाथा कानोम : यह भी कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इसमें योगी बाबू अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म को आप 16 जून से जियोहॉटस्टार पर देख पाएंगे। इसमें योगी बाबू के साथ-साथ लवलिन चन्द्रशेखर और रायचल रबेका अहम भूमिका में हैं। इस फिल्म की कहानी रामनाथपुरम के एक सूखे से जूझते गांव पर आधारित है। इसमें बाबू मंदिर के मूर्तिकार का किरदार निभा रहे हैं। गांव में पानी की कमी है और लोग पानी की तलाश में हर जगह भटक रहे हैं। फिल्म की कहानी में कई दिलचस्प मोड़ हैं।

कलर बुक : यह फिल्म भी इस वीक की लिस्ट में शामिल है। इसे आप 19 जून से नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे। यह फैमिली ड्रामा से भरपूर फिल्म है। इसे परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकता है।

अथिराडी : अगर आपको एक्शन कॉमेडी फिल्मों में दिलचस्पी है तो यह फिल्म आपके लिए है। इस वीक यह मलयालम फिल्म भी ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। यह तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और हिंदी में उपलब्ध रहेगी। इसे 19 जून से सोनी लिव पर देख सकते हैं।

मुहर्रम पर्व को लेकर शहर में बढ़ी हलचल ताजिए और सवारियों की तैयारियां हुई तेज

जबलपुर। पैगम्बर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम के नवासे हज़रत इमाम हुसैन रज़ियल्लाह अन्हो की याद में मनाए जाने वाले मुहर्रम पर्व की तैयारियां संस्कारधानी जबलपुर में शुरू हो गई हैं। मुस्लिम बहुल इलाकों में शहीदी कलाम गूंजने लगे हैं और इमामबाड़ों में साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं सजावट का कार्य तेज हो गया है।

मुफ़्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना मुशाहिद रज़ा क़ादरी बुरहानी के अनुसार 16 जून मुताबिक 29 जिलहिज्जा को मुहर्रम का चांद नजर आने की उम्मीद है। लिहाजा सांय मगरिब के वक्त चाँद देखने की पूरी कोशिश करें। चाँद नजर आने पर मौलाना साहब के मोबाइल नंबर 9302256729, 9303899999, 8889186720 पर फौरन इत्तिला दें, ताकि राब्ता कायम करने में सहूलियत हो और चाँद का ऐलान किया जा सके। इसके साथ ही इस्लामी नववर्ष हिजरी सन 1448 का आगाज होगा।संस्कारधानी जबलपुर में मुहर्रम का पर्व हजरत इमाम हुसैन की याद में अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाया जाता है। शहर का मुहर्रम कौमी एकता और सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल माना जाता है, जिसमें मुस्लिम समाज के साथ-साथ हिंदू एवं अन्य धर्मों के लोग भी अकीदत के साथ शामिल होते हैं।शहर के नालबंद मोहल्ला, मोतीनाला, चारखम्बा, गोहलपुर, मंडी मदार टेकरी, आनंद नगर, रजा चौक, ठक्कर

ग्राम, फूटाताल, ओमती, नया मोहल्ला, सदर, गढ़ा और रांझी सहित विभिन्न क्षेत्रों में शहीदी कलामों की गूंज सुनाई देने लगी है।मुहर्रम का प्रमुख आकर्षण ताजिया और कलात्मक सवारियां हैं। हज़रत इमाम हुसैन के रोजा-ए-मुबारक की प्रतीक झांकी के रूप में ताजियों का निर्माण किया जाता है। वहीं शहर में सवारियों की परंपरा लगभग 150 से 200 वर्ष पुरानी बताई जाती है। सदर क्षेत्र से शुरू हुई कलात्मक सवारी बनाने की परंपरा अब पूरे शहर में फैल चुकी है। गढ़ा क्षेत्र के पुराने मुजावर आज भी फूल और मखाने से पारंपरिक सवारियों का निर्माण करते हैं।शिया समुदाय द्वारा दस दिवसीय मुहर्रम के दौरान इमामबाड़ों में सुबह से रात तक मजलिसों का आयोजन किया जाएगा। गलगला स्थित जैदी विला एवं जाहिद हुसैन इमामबाड़े में जनानी मजलिस तथा इमामिया हॉल में रात्रिकालीन हुसैनी मजलिस आयोजित होगी, जिसमें मौलाना वाकियात-ए-कर्बला का बयान फरमाएंगे। शिया नौजवान भी पूरे उत्साह और अकीदत के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं।मुहर्रम को लेकर शहर के विभिन्न इमामबाड़ों में रंग-रोगन, साज-सज्जा और विद्युत सजावट का कार्य जारी है। वहीं मदन महल पहाड़ी स्थित हज़रत पीराने पीर की दरगाह और जिन्नाती मस्जिद में भी शाम के बाद अकीदतमंदों की आवा-जाही बढ़ गई है। मुस्लिम इस्लाह कमेटी के हाजी क़दीर सोनी, सरदार हामिद हुसैन, हाजी मक़बूल अहमद रज़वी, हाजी शेख जमील नियाज़ी, मतीन अंसारी, पप्पु वशीम खान, हाजी मुईन खान, चंगेज खान अशरफी, जमा खान, अमीन कुरैशी, प्यारे साहब, जैदी बाबा, मुबारक अली क़ादरी, सैयद क़ादिर अली क़ादरी, हाजी तौसीफ रज़ा, खलीफा इनायत क़ादरी, अकबर खान सरवर, याकूब अंसारी, नियाज़ मंसूरी, हाजी हामिद मंसूरी, शाकिर कुरैशी, सैयद शौकत अली, जवाहर कादरी,असलम घीवाला, एजाज़ उस्मानी सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने मुहर्रम के मद्देनजर मदन महल दरगाह रोड, कचहरी दरगाह पर पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग प्रशासन से की है।

कैंची धाम स्थापना दिवस महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न

जबलपुर। बाबा नीब करौरी आश्रम, मां नर्मदा तट दद्दा घाट, घाना नागपुर रोड, जबलपुर में कैंची धाम स्थापना दिवस महोत्सव बड़े ही श्रद्धा, उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आश्रम परिसर में प्रातःकाल से ही भक्तों का तांता लगा रहा।

महोत्सव के अंतर्गत भव्य संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी के गुणगान का रसास्वादन किया। इसके पश्चात बाबा नीब करौरी महाराज का विधि-विधान से अभिषेक, पूजन एवं हवन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान फूलों की होली महोत्सव ने भक्तों को भावविभोर कर दिया और पूरा आश्रम भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आश्रम प्रबंधन ने सभी भक्तों, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए बाबा नीब करौरी महाराज के आशीर्वाद से सभी के सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

एआई एवं मशीन लर्निंग प्रशिक्षण में आईटी अधिकारियों को आधुनिक तकनीकों का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआई), जबलपुर में आयोजित एआई एवं मशीन लर्निंग क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस आईटी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।प्रशिक्षण सत्र में मुख्य महाप्रबंधक (आईटी) प्रशांत गुप्ता ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग के मूलभूत सिद्धांतों, विद्युत वितरण क्षेत्र में उनके उपयोग तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनका सत्र अत्यंत संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।इस अवसर पर हेड कंप्यूटर पद्धति एवं स्वचलन ए.के. सक्सेना द्वारा भी अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण की रूपरेखा, स्थानीय एआई मॉडल, डेटा विश्लेषण तथा व्यावहारिक अनुप्रयोगों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पायथन, ओलामा तथा स्थानीय एआई प्रॉम्प्ट आधारित कार्यप्रणाली का प्रदर्शन कराते हुए व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कंपनी में तकनीक आधारित नवाचारों को बढ़ावा देने तथा डिजिटल कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

श्रीपरशुराम सेवा संस्था ने आयोजित किया ब्राम्हण मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह

जबलपुर। श्री परशुराम सेवा संस्था गढ़ा जबलपुर द्वारा ब्राम्हण मेधावी छात्र/छात्राओं का समारोह 2026 आयोजित किया गया जिसमें 10 वीं व बारहवीं, परीक्षा 2026 मे अधिकतम अंक हासिल कर उच्च श्रेणी मेरिट व प्रथम श्रेणी में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र जिन्होंने अध्यनरत विद्यालय के साथ ब्राम्हण समाज का गौरव बढ़ाया है ऐसे मेधावी छात्र छात्राओं का परशुराम संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों,एवम मुख्य अतिथियों द्वारा आयोजित समारोह में सम्मान किया गया है इसमें संस्था द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र मोमेन्टो मेधावी छात्र छात्राओं को दिया गया है संस्था के प्रमुख पंडित गुड्डा त्रिपाठी संयोजक प, राजेश मिश्रा

अध्यक्ष पं. विकास तिवारी सचिव प,अरुणकुमार दीक्षित कोषाध्यक्ष प,विकास गौतम संगठन मंत्री व सभी सरंक्षकगण, सदस्यगण, एवम महिला मंडल के सदस्यों की उपस्थिति में प, अभिलाष पांडे विधायक की मौजूदगी समारोह आयोजित हुआ जिसमें मेधावी छात्र, छात्राओं के साथ सभी के अभिभावक गण भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रीश तिवारी आकर्ष, मिश्रा सहित सभी छात्रों का सम्मान हुआ।

सोमवती अमावस्या पर लोगों ने किया स्नान, ध्यान

नर्मदा तटों में लगी आस्था की डुबकी

जबलपुर। सोमवार को सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और नर्मदा में डुबकी लगाकर दान पुण्य किया। तड़के चार बजे से श्रद्धालुओं का नर्मदा तटों पर पहुंचना प्रारंभ हो गया था। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तटों पर डुबकी लगाई। सोमवती अमावस्या को लेकर धर्मावलंबियों में खासा उत्साह रहा। पंडितों के अनुसार चूंकि सोमवार को पड़ी, इसलिए सोमवती अमावस्या भी कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और नर्मदा का स्नान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। पीपल के पेड़ की 108 बार परिक्रमा करने का भी विधान है। महिलाओं ने पूरी आस्था के साथ इस विधान को पूरा किया। मान्यतानुसार पीपल के वृक्ष में *६ करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। अमावस्या पर पूजन से सभी मन्नतें पूरी होती हैं। पंडितों का कहना है कि जिनका चंद्रमा कमजोर है, वह गाय को दही-चाव खिलाएं तो मानसिक शांति मिलेगी।

क्या है महत्व

सोमवती अमावस्या का पुराणों में विशेष महात्म्य बतलाया गया है। सोमवती अमावस्या भी स्नान दान का पर्व है। धार्मिक ग्रन्थों में उल्लेख है कि इस दिन स्नान-दान करने से पापों का नाश होता है। इस दिन व्रत रहकर मौन स्नान-दान करने से सन्तान को सुख एवं परिवार में शांति व समृद्धि बनी रहती हे। स्त्रियों को वैधव्य नहीं होता और चिरकाल तक सौभाग्य मिलता रहता है। अमावस्या पितृकार्य का दिन है और चन्द्रलोक ही पितृलोक का निवास स्थान है। अतः अमावस्या के दिन सोमवार का पड़ना विशेष पुण्यकाल का योग माना जाता है।

महाकौशल महाविद्यालय में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर हुआ जागरुकता कार्यक्रम

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में बाल श्रम उन्मूलन, बाल अधिकारों की रक्षा तथा प्रत्येक बालक को शिक्षा एवं सम्मानजनक जीवन का अवसर उपलब्ध कराने के प्रति जागरूकता विकसित करना था।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाल श्रम किसी भी सभ्य समाज के लिए गंभीर चुनौती है। बच्चों का स्थान कार्यस्थलों पर नहीं, बल्कि विद्यालयों में होना चाहिए। राष्ट्र के उज्जवल भविष्य के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक बालक को शिक्षा, सुरक्षा एवं विकास के समान अवसर प्राप्त हों।कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अरुण शुक्ल ने बाल श्रम निषेध से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों एवं शासकीय

प्रयासों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाल श्रम मुक्त भारत का निर्माण जनसहभागिता से ही संभव है। कार्यक्रम में उमा भारती सहायक प्राध्यापक एवं साक्षी मरावी सहायक प्राध्यापक ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बाल अधिकारों की सुरक्षा, शिक्षा के महत्व तथा सामाजिक उत्तरदायित्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने बाल श्रम के दुष्परिणामों एवं इसके उन्मूलन के उपायों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के अंत में बाल श्रम उन्मूलन एवं बाल अधिकार संरक्षण के प्रति सामूहिक संकल्प लिया गया। महाविद्यालय परिवार ने समाज के सभी वर्गों से बाल श्रम के विरुद्ध सजग रहने तथा प्रत्येक बच्चे को शिक्षा एवं विकास का अवसर उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

आसिफ इकबाल बने डॉ. जाकिर हुसैन ब्लॉक अध्यक्ष

जबलपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के अनुमोदन और पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखन घनघोरिया और नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा की अनुशंसा पर आसिफ इकबाल को पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत डॉ. जाकिर हुसैन ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इस नियुक्ति पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मतीन अंसारी, सुबोध पहाड़िया, राजू तोमर, ताहिर अली, रिजवान अली कोटी, राजू लाइक, हामिद मंसूरी, तौफीक खान चंकी, अदनान अंसारी, एजाज अंसारी, शफी खान, सैफ मंसूरी आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

आम आदमी पार्टी की 23 जून को होने वाले संभागीय सम्मेलन की तैयारी बैठक संपन्न

जबलपुर। आम आदमी पार्टी जबलपुर द्वारा 23 जून 2026 को आयोजित होने वाले संभागीय सम्मेलन एवं मध्य प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर के जबलपुर आगमन की तैयारियों को लेकर जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक घंटाघर स्थित इंडियन कॉफी हाउस में संपन्न हुई।

बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री रामकिशोर शिवहरे ने सम्मेलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को सम्मेलन को सफल बनाने हेतु आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपीं। उन्होंने कहा कि यह संभागीय सम्मेलन संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा आम आदमी पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जिला अध्यक्ष रितेश सिंह ने सभी साथियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया तथा सम्मेलन की व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न समितियों का गठन करने पर जोर दिया।

बैठक में जिला संगठन मंत्री दिनकर शुक्ला, जगदीश माली, युवराज विश्वकर्मा, अमरेश पटेल, धर्मदास आचार्य, सुमन चौधरी, वसीम खान सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में सम्मेलन के प्रचार-प्रसार, स्वागत व्यवस्था, पंजीयन, मंच संचालन एवं अन्य आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

जबलपुर टारगेट स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ियों ने जीती चैंपियनशिप

जबलपुर। 12 से 14 जून तक सागर में जिला सागर संगठन के द्वारा मध्य प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के सानिध्य में राज्य स्तरीय ताइक्वांडो एवं भूमि से सब जूनियर जूनियर कैडेट एवं सीनियर चारों ही कैटेगरी की प्रतियोगिता का आयोजन सागर सरोज मैरिज गार्डन में किया गया जिसमें अलग-अलग जिले से अलग-अलग क्लबोन की टीमों ने भाग लेकर अपना-अपना प्रदर्शन किया जिसमें जबलपुर से टारगेट स्पोर्ट्स क्लब के 28 खिलाड़ियों ने भाग लेकर पुमसे और क्यूरेगी में अपना-अपना प्रदर्शन किया, पुमसे प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों ने सर्वाधिक मेडल अर्जित कर अपने टारगेट स्पोर्ट्स क्लब और जबलपुर जिले का नाम गौरवांवित किया। खिलाड़ियों में शामिल रहे- सब जूनियर वर्ग में वैष्णवी कुशवाहा एकल पूमसे स्वर्ण पदक, खुशी कुशवाहा एकल पूमसे रजत पदक, शिवानी कुशवाहा एकल पूमसे कांस्य पदक, टीम पूमसे में शिवानी कुशवाहा, वैष्णवी कुशवाहा, खुशी कुशवाहा स्वर्ण पदक, कैडेट वर्ग में गुलाफशा खान एकल पुमसे में रजत पदक, परिनिधि गोंटिया कांस्य पदक,

ग्रुप पुमसे में गुलफ़्सा खान, परिनिधि गोंटिया, अर्चिता आनंद पिल्ले ने रजत पदक, जूनियर वर्ग में अलीशा सोनकर रजत पदक, अनायका सोनकर कांस्य पदक, सत्यम ने स्वर्ण पदक अर्जित किये, इसके साथ ही क्योंरुगी फाइट प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग में खिलाड़ियों ने 14 पदक अर्जित किए। विजय खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार रहे- वैष्णवी कुशवाहा रजत पदक, खुशी कुशवाहा कांस्य पदक, अभिषेक मिश्रा कांस्य पदक, आयत अली रजत पदक, शौर्य देव चक्रवर्ती रजत पदक, गुलाफशा खान कांस्य पदक, परिनिधि गोंटिया रजत पदक, दिव्यानी रायदास रजत पदक, सृष्टि सोनकर कांस्य पदक, जय अर्जन यादव रजत पदक, अनायका सोनकर कांस्य पदक, अर्चिता आनंद पिल्ले कांस्य पदक, रोहिताश चौधरी रजत पदक, राहुल स्वर्ण पदक अर्जित किए। विजेता सभी खिलाड़ियों को जबलपुर जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन एवं मध्य प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों ने अपनी हार्दिक बधाइयां और शुभकामनाएं दी, ताकि वे आने वाली प्रतियोगिता में और अच्छा प्रदर्शन कर अपने आपको राष्ट्रीय प्रतियोगिता तक ले जाएं।

जनेकृविवि खाद्यान्न भंडारण की चुनौतियों के समाधान पर शोध कृति का विमोचन

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जनेकृविवि), जबलपुर में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के पोस्ट हार्वेस्ट प्रोसेस एवं फूड इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. व्ही. के. तिवारी एवं शोध छात्रा सौम्या सैनी द्वारा लिखित तथा पाथेय संस्था द्वारा प्रकाशित शोध कृति 'खाद्यान्न प्रसंस्करण एवं संचयन : चुनौतियां एवं समाधान' का विमोचन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार (पी.के.) मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि यह कृति अनाज उत्पादन के बाद उसके सुरक्षित भंडारण की दिशा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि पुस्तक में भंडारण के बुनियादी सिद्धांतों एवं वैज्ञानिक तरीकों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है, जो शैक्षणिक संस्थानों के लिए भी मार्गदर्शक का कार्य करेगी।विभागाध्यक्ष डॉ. व्ही. के. तिवारी ने कहा कि बढ़ते कृषि उत्पादन के साथ सुरक्षित भंडारण की चुनौती भी बढ़ी है। अनाज को कीट, नमी और बर्बादी से बचाने के लिए वैज्ञानिक भंडारण तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पुस्तक में आधुनिक तकनीकों के माध्यम से खाद्यान्न संरक्षण के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है।

पाथेय संस्था के संयोजक श्री राजेश पाठक 'प्रवीण' ने कहा कि नवीनतम तकनीकों के उपयोग से अनाज को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम में पाथेय संस्था द्वारा कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा, डॉ. व्ही. के. तिवारी एवं शोध छात्रा सौम्या सैनी का साल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।इस अवसर पर कुलसचिव एवं संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. ए.के. जैन, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी.आर. शर्मा, लेखानियंत्रक श्रीमती संजू तिवारी, इंजी. एस.के. जैन तथा डॉ. बी.एस. द्विवेदी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

डॉ. अम्बेडकर जनसेवा मंच की सभा 21 को

जबलपुर। डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर जनसेवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी ने बताया कि मंच की आगामी सभा 21 जून को मध्यान्ह 12.30 बजे से रामसिपाही सेठ के निवास स्थान बादशाह हलवाई मंदिर के पास संत रविदास नगर में आयोजित है, जिसमें समाज व क्षेत्रीय जनसमस्याओं पर विचार किया जाएगा।

नाम सुधार सूचना

मैं, महिमा पटेल, पिता लक्ष्मण सिंह पटेल, उम्र लगभग 25 वर्ष, निवासी 150, शिव मंदिर के पास, सिंधी कालोनी, कृष्णा वार्ड, स्टेशनगंज नरसिंहपुर म.प्र. शपथपूर्वक निम्नलिखित घोषणा करती हूँ कि मेरा पूरा नाम- महिमा पटेल, पिता लक्ष्मण सिंह पटेल है जो मेरे समग्र आई.डी., आय प्रमाण पत्र एवं मेरे पिता के सर्विस रिकार्ड में दर्ज हैं, मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों आधार कार्ड एवं पेन कार्ड मे मेरा नाम महिमा पटेल पिता लक्ष्मण पटेल दर्ज है। उपरोक्त दोनो नाम एक ही महिला अर्थात मेरे ही हैं। उपरोक्त नामो की धारक मै ही हूँ। अतः भविष्य में मुझे महिमा पटेल पिता लक्ष्मण सिंह पटेल के नाम पढ़ा, लिखा, माना, समझा एवं पहचाना जावे।

पुराने नाम
महिमा पटेल पिता लक्ष्मण पटेल
महिमा पटेल पिता लक्ष्मण सिंह पटेल
सही नाम
महिमा पटेल पिता लक्ष्मण सिंह पटेल
भवदीय
अभय कुमार श्रीवास्तव (अधिवक्ता)

खबर संक्षेप

एसईपीसी ने 673 करोड़ का मेगा प्रोजेक्ट हासिल किया

चेन्नई। एसईपीसी लिमिटेड को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर से 4.08 मिलियन टन प्रति वर्ष कच्चे इस्पात विस्तार परियोजना के लिए 673.32 करोड़ का बड़ा ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ऑर्डर औद्योगिक ईपीसी क्षेत्र में एसईपीसी की बढ़ती उपस्थिति को और मजबूत करता है तथा बड़े पैमाने की इस्पात और भारी औद्योगिक अवसंरचना परियोजनाओं में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने की कंपनी की रणनीति में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है।

रवि किशन बने डाबर लाल दंत मंजन के ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। एफएमसीजी कंपनियों में शामिल डाबर इंडिया लिमिटेड ने अभिनेता और भोजपुरी स्टार रवि किशन को अपने लोकप्रिय ओरल केयर उत्पाद डाबर लाल दंत मंजन का नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। कंपनी ने इस अवसर पर अपना नया इंटीग्रेटेड विज्ञापन अभियान दांत में हमार दम बा, डाबर लाल पे घमंड बा भी लांच किया है। यह अभियान टीवी, डिजिटल और प्रिंट मीडिया पर चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य हिंदी और भोजपुरी भाषी क्षेत्रों में ब्रांड की पहुंच और मजबूत करना है।

टमाटर हुआ और लाल, कीमतें छू रहीं आसमान

सब्जियों की कीमतों में भी उछाल, उपभोक्ता परेशान, आपूर्ति घटने और मांग बढ़ने का असर

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

सब्जियों के बढ़ते दामों ने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। शहर में टमाटर के भाव अचानक 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। हरी सब्जियों में भी तेजी का दौर जारी है। इसके साथ ही अदरक और लहसुन 150 से 200 रुपए के करीब बिक रहे हैं। करोंद मंडी स्थित थोक टमाटर विक्रेता राजेंद्र कुमार सैनी के अनुसार स्थानीय सब्जी मंडी में टमाटर की भरपूर आवक घटने लगी है। जिसके चलते टमाटर के भाव जेब पर भारी पड़ने लगा है। टमाटर में यह तेजी अचानक से आई है। पिछले हफ्ते तक टमाटर 20 से 30 रुपए किलो था जो अब उछलकर से 40 से 60 रुपए किलो फुटकर में बिकने रहा है।

थोक सब्जी कारोबारी मो.वसीम और मो.सलीम एकेएस के अनुसार आसपास के क्षेत्रों में इस सीजन के टमाटर की फसल समाप्त हो चुकी है, जिसका भी असर भाव में देखा जा रहा है। यही कारण है कि दक्षिण भारत से टमाटर की बड़ी खेप बुला रहे हैं। मंडी में अब टमाटर महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे दूरदराज के राज्यों से आ रहे हैं।

सब्जियां और खाद्य सामग्री के लिए करना पड़ रहा ज्यादा खर्च

कई परिवारों ने खर्च नियंत्रित करने कम की सब्जियों की खरीदारी

लहसुन-अदरक के भाव भी ऊपर चढ़े, प्याज भी रुलाएगी

भोपाल के हाट बाजार में बिक रहीं सब्जियां

सब्जियों की महंगाई ने आम घरेलू बजट पर काफी दबाव डाला

राजधानी भोपाल सहित मध्य प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में टमाटर सहित अन्य सब्जियों का स्थानीय उत्पादन घटने और बाहर से आवक होने के कारण कीमतों में वृद्धि शुरू हो गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार खाद्य महंगाई दर बीते महीने बढ़कर 4.78 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जबकि अप्रैल में यह 4.20 प्रतिशत थी। इस वृद्धि ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर सीधा असर डाला है। आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है।

सब्जी की महंगाई टमाटर पर ही खत्म नहीं होती, लहसुन खुले बाजार में 150 से 200 रुपए किलो और अदरक120 से 150 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। जिस तरीके से टमाटर ने सीजन पर किसानों को धोखा दिया, इस साल लहसुन के दाम आसमान छू रहे हैं। सब्जी विक्रेताओं के अनुसार प्याज के दाम भी दिन-ब-दिन बढ़ना शुरू हो गए हैं, इस साल भी मानसून की दस्तक के साथ प्याज जल्दी खराब हो रही है। इसलिए ऐसा लगता है कि प्याज भी आसमान छू सकता है।
बीते कुछ दिनों में टमाटर, भिंडी, लौकी, करेला, बैंगन और अन्य सब्जियों के दामों में अचानक आई तेजी ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। सब्जी विक्रेताओं के अनुसार, बारिश के कारण कई क्षेत्रों में फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे मंडियों में आवक कम हुई है।

हाट-बाजार में सब्जियों के भाव क्वालिटीनुसार

- आलू : 20 से 25 रुपए
- प्याज : 20 से 25 रुपए
- टमाटर :50 से 60 रुपए
- लहसुन :150 से 200 रु.
- अदरक :120 से 150 रु.
- भिंडी: 40 से 50 रुपए
- बैंगन :30 से 40 रुपए
- लौकी :30 से 40 रुपए
- तोरई :40 से 50 रुपए
- हरी मिर्च :60 से 80 रु.
- धनिया: 120 रुपए
- पत्ता गोभी: 30- 40 रुपए
- फूल गोभी: 40 से 60 रु.
- परबल : 40 से 60 रुपए
- कटहल :60 रुपए

न्यूरोसाइंस की नई तकनीकों पर चर्चा

अपोलो सेज हॉस्पिटल्स का 'न्यूरो कनेक्ट 2026-चैप्टर 1' सफल

अपोलो सेज हॉस्पिटल्स परिसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अपोलो सेज हॉस्पिटल्स द्वारा न्यूरोसाइंस एवं न्यूरोलॉजी के क्षेत्र में नवीनतम चिकित्सा प्रगति और विशेषज्ञ ज्ञान के आदान-प्रदान के उद्देश्य से 'न्यूरो कनेक्ट 2026-चैप्टर 1' का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन में हर न्यूरॉन महत्वपूर्ण है ज्ञान से उपचार, उपचार से बेहतर जीवन का संदेश दिया।

आयोजित इस प्रतिष्ठित शैक्षणिक सम्मेलन में मध्य भारत सहित देशभर के वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में हो रहे नवीन शोध, आधुनिक उपचार पद्धतियों और तकनीकी प्रगति पर चर्चा कर रोगी देखभाल की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना था।

इन रोगों पर सत्र किए गए आयोजित

सम्मेलन के दौरान गंभीर सिरदर्द, न्यूरो एवं स्पाइन इमेजिंग, इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजी, ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस, मिर्गी, अल्ज़ाइमर रोग, मूवमेंट डिसऑर्डर्स, आधुनिक न्यूरोसर्जरी, स्पीच डिसऑर्डर्स, कीहोल स्पाइन सर्जरी, वर्टिगो और स्ट्रोक मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। अपोलो सेज हॉस्पिटल्स के प्रबंधन ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर सीखना और विशेषज्ञों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला है। ताकि न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में नई जानकारी और आधुनिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा मिल सके।

अदाणी फाउंडेशन ने थोडा गांव में लगाए चार हैंडपंप, परिवारों तक पहुंचाया स्वच्छ पेयजल

जबलपुर। विविधीकृत अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट एवं निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी और अदाणी फाउंडेशन मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी आवश्यकता से कोई भी दूरस्थ और वंचित समुदाय वंचित न रह जाए। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित थोडा गांव इतना दूरस्थ है कि यहां के कुछ परिवार नल-जल योजना की पहुंच से बाहर रह गए थे। वर्षों तक गांव के 28 निवासी—पुरुष, महिलाएं और बच्चे—पीने के पानी के लिए पास की एक स्टॉप-डैम जलधारा पर निर्भर रहे। यह जल स्रोत न केवल असुरक्षित था, बल्कि भरोसेमंद भी नहीं था। गर्मियों के दौरान जलधारा के सूख जाने से उन्हें कई दिनों तक पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ता था। इन परिवारों को इस स्थिति से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का भली-भांति एहसास था। वर्षों तक कठिनाइयों का सामना करने के बाद उन्होंने बदलाव का निर्णय लिया। जब उन्होंने अदाणी फाउंडेशन से सहायता मांगी, तो उनकी मांग कोई बड़ी नहीं थी। वे केवल उस सुविधा की अपेक्षा कर रहे थे, जिसे अधिकांश लोग सामान्य मानकर चलते हैं—सुरक्षित पेयजल। थोडा गांव के इन 28 निवासियों के लिए चार हैंडपंपों की स्थापना एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आई है। पहली बार उन्हें उस मूलभूत अधिकार और आवश्यकता तक नियमित पहुंच मिली है, जिसे दुनिया भर में जीवन की बुनियादी जरूरत माना जाता है। अदाणी फाउंडेशन अपने परिचालन क्षेत्रों के आसपास के समुदायों में आवश्यक संसाधनों तक पहुंच की कमी को संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ दूर करने का कार्य कर रहा है।

मुकेश अंबानी ने किए बद्रीनाथ एवं केदारनाथ धाम के दर्शन

देवभूमि उत्तराखंड में आध्यात्मिक यात्रा पर पहुंचे उद्योगपति मुकेश अंबानी

देहरादून/रुद्रप्रयाग। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी ने उत्तराखंड स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम पहुंचकर भगवान के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में विधिवत पूजा कर देश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।मुकेश अंबानी की यात्रा के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। उन्होंने पहले बाबा केदार के दरबार में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया और बाद में बद्रीनाथ धाम पहुंचकर भगवान बद्रीविशाल के दर्शन किए। मंदिर के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा संपन्न कराई गई।चारधाम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी दर्शन के लिए पहुंचे हुए थे। अंबानी के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में उत्सुकता देखने को मिली। दर्शन के उपरांत उन्होंने मंदिर प्रशासन और तीर्थ पुरोहितों से भी भेंट की।गौरतलब है कि मुकेश अंबानी समय-समय पर देश के विभिन्न प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते रहे हैं। उनकी यह यात्रा भी आस्था और आध्यात्मिकता से जुड़ी महत्वपूर्ण यात्रा मानी जा रही है।

बाजार की नजर कल होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर

कच्चे तेल की कीमतों में 5 फीसदी की गिरावट पेट्रोल-डीजल के सस्ते होने की उम्मीद बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कीमतों में लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 80.55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले संघर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़कर 119.48 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, यानी उस समय लगभग 59 प्रतिशत की भारी तेजी देखी गई थी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह नरम बनी रहती हैं तो इसका सीधा असर भारत पर भी देखने को मिल सकता है। इससे आयात लागत घटेगी और रुपये में मजबूती आने की संभावना है। अनुमान है कि रुपया 94.80 के स्तर की ओर मजबूत हो सकता है, जबकि एमसीएक्स क्रूड 7,200 से 7,300 रुपए के दायरे तक नीचे आ सकता है।

नजर 19 जून को स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर भी

विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर इसका असर धीरे-धीरे देखने को मिलेगा, क्योंकि घरेलू ईंधन दरें कई कारकों पर निर्भर करती हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल लंबे समय तक कम रहता है, तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की संभावना बन सकती है। इस बीच बाजार की नजर 17 जून को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक और 19 जून को स्विट्जरलैंड में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर भी टिकी हुई है।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
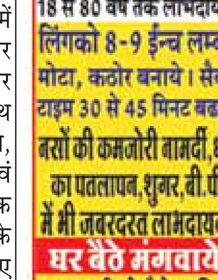
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष: मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष: परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन: आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती है।

कर्क: क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला: किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु: आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती है।

मकर: क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की

खून से जुड़ी बीमारियों के इलाज में देरी हो सकता है खतरनाक

डॉ. शैलेश बांबोर्डे, एसोसिएट डायरेक्टर – हेमेटोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर

जबलपुर। डॉ. शैलेश बांबोर्डे, एसोसिएट डायरेक्टर – हेमेटोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट,मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर के मुताबिक, खून से जुड़ी बीमारियां अक्सर धीरे-धीरे बढ़ती हैं और शुरुआत में इनके ज्यादा साफ लक्षण दिखाई नहीं देते। इनके संकेत जैसे थकान, कमजोरी या बार-बार इंफेक्शन होना, आम समस्याओं जैसे ही लगते हैं। इसी वजह से कई लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं और डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। लेकिन अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें या आपको कुछ अलग महसूस हो, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह किसी गंभीर खून की बीमारी का संकेत हो सकता है। ऐसे में खून के रोगों के विशेषज्ञ (हेमेटोलॉजिस्ट) डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। समय पर जांच और सही इलाज से बीमारी का जल्दी पता चल सकता है और आगे होने वाली गंभीर परेशानियों से बचा जा सकता है।

ऐसे सामान्य लक्षण जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए- कुछ लक्षण ऐसे होते हैं जो खून से जुड़ी बीमारियों का संकेत दे सकते हैं, इसलिए इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर पर्याप्त आराम करने के बाद भी लगातार थकान या कमजोरी महसूस होती है, बिना कारण शरीर पर नीले निशान (चोट के दाग) पड़ते हैं, या नाक और मसूड़ों से बार-बार खून आता है, तो ये चेतावनी के संकेत हो सकते हैं। बार-बार संक्रमण होना या घाव भरने में ज्यादा समय लगना भी खून से जुड़ी समस्या की ओर इशारा कर सकता है। इसके अलावा त्वचा का पीला या फीका पड़ना, शरीर में गांठ (लिम्फ नोड्स) आना, बिना वजह वजन कम होना या बार-बार बुखार आना भी ध्यान देने वाली बातें हैं। अगर ब्लड टेस्ट में कोई गड़बड़ी दिखे, तो उसे भी गंभीरता से लेना चाहिए।

शुरुआत में ये लक्षण सामान्य लग सकते हैं, लेकिन अगर ये लंबे समय तक बने रहें, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

खून से जुड़ी बीमारियों की गंभीर स्थितियां- मेडिकल जांच में हुई प्रगति के कारण अब खून से जुड़ी बीमारियों को जल्दी पहचानना और उनका इलाज करना पहले से ज्यादा आसान और प्रभावी हो गया है। बोन मैरो बायोप्सी, फ्लो साइटोमेट्री और मॉलिक्यूलर टेस्टिंग जैसी आधुनिक जांचों की मदद से हेमेटोलॉजिस्ट डॉक्टर बीमारी का सही पता लगा सकते हैं और हर मरीज के लिए अलग-अलग इलाज की योजना बना सकते हैं। इसके अलावा टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसी नई उपचार पद्धतियों से कई मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे है।

वेदांता ने रचा इतिहास कंपनियों की लिस्टिंग

मुंबई। वेदांता समूह ने भारतीय कॉर्पोरेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी चार नव-डिमर्ज्ड कंपनियों को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किया। इस ऐतिहासिक लिस्टिंग के साथ रणनीतिक धातुओं, क्रिटिकल मिनरल्स, एल्युमिनियम, ऑयल एवं गैस, पावर तथा आयरन एवं स्टील क्षेत्रों में केंद्रित, विश्वस्तरीय व्यवसायों का एक मजबूत पोर्टफोलियो तैयार हुआ है। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि वेदांता के लिए एक ऐतिहासिक दिन है और बेहद खास है। 24 वर्ष पहले वेदांता लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी थी और आगे चलकर एफटीएसई-100 कंपनी का दर्जा हासिल किया।

एमएसएमई कारोबारियों के लिए नए स्मार्ट टूल्स

बेंगलुरु। भारतीय सेलर्स और एमएसएमई कारोबारियों के लिए अमेजन इंडिया ने एआई आधारित नई सुविधाओं की घोषणा की है। कंपनी का दावा है कि ये इनोवेशन भारत और वैश्विक बाजारों में छोटे एवं मध्यम व्यवसायों को तेजी से बढ़ने और प्रतिस्पर्धा में आगे रहने में मदद करेंगे। अमेजन इंडिया के अनुसार, उसका एआई-पावर्ड सेलर असिस्टेंट अब लाखों सेलर्स के लिए एक वर्चुअल बिजनेस पार्टनर की तरह काम कर रहा है।

शब्द पहेली - 6258

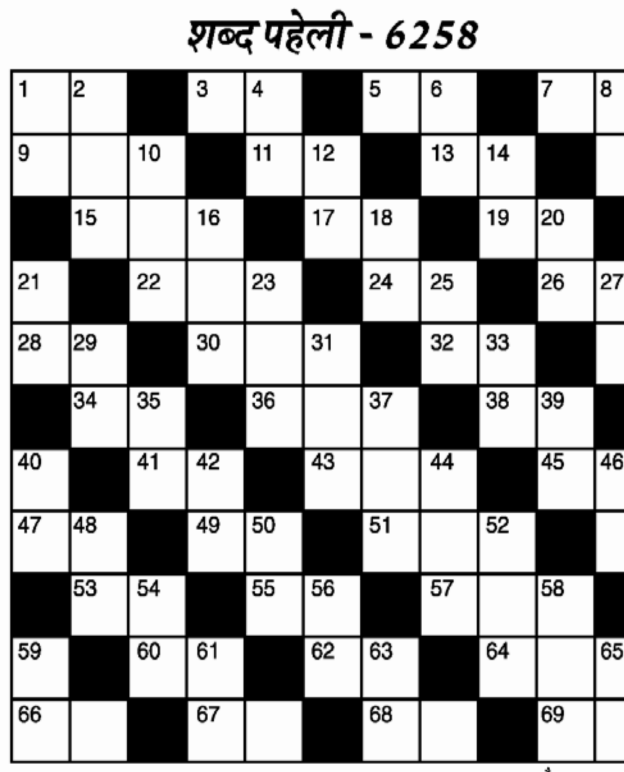

बाएँ से दाए
1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली - 6257 का हल

	य	ती	म	खा	ना		म	हा	वी	र
क	क्ष		हा		ना	ह	क		र	म
हा		ना	न	सें	स		र	मा		जा
नी	र	व	ता		सु	र		न	म	न
का		खे		अ	र	क्त			सी	
र	बा	ना	हो	ना		पा	ल	न	हा	र
	ह			चा	ह	त		का		च
का	न	न		र	म		ब	र	सा	ना
म		र	ज		स	का	र	ना		का
धा	र		खि	ला	फ		स		भो	र
म	स	ख	रा		र	म	ता	जो	गी	

सूडोकु नवताल - 6268

✱✱✱✱✱ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6267 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

विशेष
पिता दिवस-योग दिवस
21 जून

पिता अब छिपी-छिपी नहीं रही प्रेम की अभिव्यक्ति

एक समय था, पिता की छवि एक सख्त व्यक्ति की होती थी, ऐसा भी नहीं था कि वे अपने बच्चों से स्नेह-प्रेम नहीं करते थे, करते थे लेकिन अभिव्यक्त नहीं करते थे। इस कारण बच्चों और पिता के बीच रिश्तों में वह ऊष्मा नजर नहीं आती थी, जो होनी चाहिए। लेकिन आज पिता अपने बच्चों के साथ अपने रिश्तों को अभिव्यक्त कर रहे हैं। बेटियों के साथ तो उनके रिश्तों के रंग बहुत ही अलग हैं।

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

मां का प्रेम-स्नेह अकसर शब्दों और स्पर्शों में सहज ही दिखाई देता है, जबकि पिता अपने प्रेम को व्यक्त नहीं कर पाते। पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन्होंने अपने पिता को मौन रहकर जिम्मेदारियां निभाते देखा, इसलिए वे भी अपने प्रेम को त्याग और कर्तव्य के पीछे छिपाते रहे। पिता हर संघर्ष का चुपचाप सामना करते हुए परिवार की सुरक्षा-स्थिरता का आधार बने रहे। पिता की इस छवि को गढ़ने की जिम्मेदारी केवल समाज की नहीं, परिवार की स्त्रियों की भी रही। आखिर हर पिता पहले एक बेटा होता है, उसे पिता बनने का कोई औपचारिक पाठ नहीं पढ़ाया जाता। वह अपने आस-पास के व्यवहारों, संकेतों और अपेक्षाओं से सीखता रहा। बचपन से अपनी मां, दादी, बुआ, मौसी और नानी से उसे मजबूत बने रहने, कमजोरी न दिखाने और भावनाओं पर नियंत्रण रखने की सीख दी जाती रही। कोमलता और कठोरता के बीच एक अदृश्य रेखा खींच दी गई। पिता से अपेक्षा की गई कि वह घर की जिम्मेदारियां उठाए, कठिन परिस्थितियों में संयम बनाए रखे और हर संकट में अडिग खड़ा रहे। नतीजा यह हुआ ये बातें समय के साथ उसके स्वभाव का हिस्सा बन गईं। पिता अपनी संतान से प्रेम तो करता रहा, पर उसे व्यक्त करने में संकोच करता।

पिता की परंपरागत छवि

पुरानी पीढ़ी के परिवारों में पिता का व्यक्तित्व अनुशासन का पर्याय माना जाता था। उनकी मौजूदगी भर से घर का माहौल बदल जाता था। बच्चे उनसे डरते थे, लेकिन एक भरोसा भी करते थे। वे बच्चों के साथ बैठकर लंबी बातचीत भले न करते हों, लेकिन उनकी पढ़ाई, भविष्य को लेकर लगातार सजग रहते थे। अपने संघर्षों का बोझ परिवार पर डालने के बजाय पिता उसे स्वयं ही उठाते रहे। कई लोगों की स्मृतियों में पिता ऐसे व्यक्ति के रूप में बसे हैं, जिन्होंने उनके लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन शायद ही कभी सिर पर हाथ रखकर पूछा हो, 'तुम खुश तो हो बेटा?' यह अभाव हमेशा बच्चों के मन में शिकायत नहीं बनता, फिर भी किसी कोने में बना रहता है। बच्चे उनके स्नेह को शब्दों में नहीं, कर्मों में पढ़ना जानते थे-फीस भर देने में, देर रात तक काम करते रहने में, बीमारी के दौरान सिरहाने बैठे रहने में या अपनी इच्छाओं को पीछे रख देने में। दरअसल, पुरुषों की कई पीढ़ियां ऐसे वातावरण में बड़ी हुईं, जहां कोमलता को मान नहीं मिलता था। उन्हें बताया गया कि भावुक होना एक कमजोरी है। आंसू छिपाने हैं, डर प्रकट नहीं करना है, मन की बात अपने भीतर रखनी है। यही कारण है कि अनेक पिता अपने बच्चों के सामने सहज नहीं हो पाए। उन्होंने अपने लगाव को जिम्मेदारियों में ढाल दिया।

तोड़ी है परंपरागत छवि

आज समय बदल चुका है, उसके साथ रिश्तों की भाषा भी बदली है। आज पितृत्व के स्वरूप में परिवर्तन दिखाई देने लगा है। यह परिवर्तन हर जगह एक जैसा नहीं है, लेकिन उसकी मौजूदगी से इंकार नहीं किया जा सकता। अब पिता केवल बच्चों के भविष्य की चिंता भर नहीं करते, वे उनके वर्तमान का भी हिस्सा बनते हैं। पिता यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा क्या सोचता है, किस बात से डरता है, किस बात पर खुश होता है? नई पीढ़ी के पिता बच्चों से खुलकर बातचीत करते हैं। वे उनके साथ खेलते हैं, उनकी बातें सुनते हैं, उनकी दुनिया को समझने का प्रयास करते हैं। आज के पिता यह सोचते हैं कि केवल सुविधाएं जुटा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चों को समय चाहिए, भरोसा चाहिए और ऐसा साथ चाहिए, जहां वे बिना झिझक अपने मन की बात कह सकें।

अलग रंग लिए है पिता-बेटी का रिश्ता

पिता और बेटी का रिश्ता परिवार के अन्य रिश्तों से कुछ अलग रंग लिए होता है। बेटी अपने पिता के माध्यम से दुनिया के पुरुष समाज को देखना और समझना शुरू करती है। उसके भीतर आत्म-सम्मान, सुरक्षा और अपने अस्तित्व के मूल्य का जो पहला बोध बनता है, उसमें पिता की भूमिका अहम होती है। एक पिता अपनी बेटी के साथ जैसा व्यवहार करता है, वह उसके आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन दृष्टि को गहराई से प्रभावित करता है। शायद यही कारण है कि अब बेटियों को पापा की परी कहा जाता है। बहुत-सी बेटियों के लिए पिता केवल अभिभावक भर नहीं, बल्कि ऐसे इंसान हैं, जिन पर वे सबसे ज्यादा भरोसा करती हैं। कई बार वे अपने मन की वो बातें भी पिता से कह देती हैं, जिन्हें कहना सहज नहीं है। दूसरी ओर पिता भी अब तमाम परंपरागत अवधारणाओं से उबर कर अपनी बेटियों के प्रति कोमल भाव संजोए दिखते हैं। उन्हें अपनी बेटी की इच्छाओं को पूरा करने में खुशी मिलती है, उनकी उपलब्धियों पर वे गर्व से भर उठते हैं। बदलते हुए इस दौर में आज के पिता बेटियों को संरक्षण देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व गढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। आज के दौर में पिता को यह भी समझ में आ गया है कि दुनिया केवल अनुशासन से नहीं, प्रेम और संवेदनाओं से भी फलती-फूलती है। a

समाज समयानुकूल बदल रहा है। पिता भी अपनी परंपरागत छवि से उबरे हैं। लेकिन वह वास्तव में कितने बदले हैं, उनका बदलना कितना जरूरी है, एक विवेचन।

वास्तव में कितने बदले हैं आज के पिता

बदलाव

अलका 'सोनी'

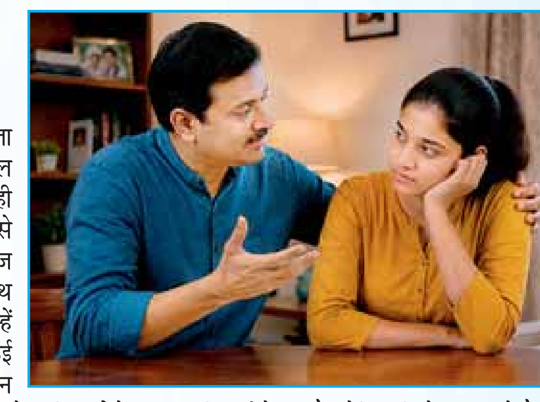

भारत सहित दुनिया भर में पिता की भूमिका तेजी से बदल रही है। पहले जहां 'अच्छा पिता' वही माना जाता था, जो आर्थिक रूप से परिवार को सुरक्षित रखे, वहीं आज अच्छा पिता वो है, जो बच्चों के साथ समय बिताए, भावनात्मक रूप से उन्हें सपोर्ट करे। यूनिसेफ और कई पारिवारिक अध्ययन बताते हैं कि जिन बच्चों के जीवन में पिता सक्रिय रूप से शामिल होते हैं, उनमें आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल और मानसिक संतुलन बेहतर पाया जाता है। आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी 'हैंड्स-ऑन डैड' की छवि तेजी से उभर रही है। वे अपने बच्चे को खाना खिलाते हुए, स्कूल के लिए तैयार करते हुए, उनके साथ खेलते हुए दिखते हैं, आज ये पिताओं के सामान्य दृश्य बनते जा रहे हैं।

क्यों जरूरी है इमोशनल फादरहुड: पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स का कहना है कि केवल आर्थिक सुरक्षा बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए पर्याप्त नहीं होती है, भावनात्मक सुरक्षा भी जरूरी है। आज की तेज और डिजिटल दुनिया में बच्चे कई मानसिक दबावों से गुजर रहे हैं, जैसे पढ़ाई का तनाव, सोशल मीडिया का प्रभाव, अकेलापन और प्रतिस्पर्धा। ऐसे समय में यदि पिता बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करते हैं, उनकी बात सुनते हैं और भावनात्मक समर्थन देते हैं, तो बच्चे अधिक मजबूत बनते हैं। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों के पिता नियमित रूप से उनके साथ समय बिताते हैं, उनमें व्यवहार संबंधी समस्याएं कम होती हैं, पढ़ाई में आत्मविश्वास अधिक होता है।

भारतीय समाज कितना बदला: हालांकि बदलाव साफ दिखाई दे रहा है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि भारतीय समाज अभी संक्रमण के दौर में है। कई परिवारों में आज भी यह धारणा मौजूद है कि बच्चों की देखभाल मुख्यतः मां की जिम्मेदारी है। ग्रामीण और छोटे शहरों में अभी भी ऐसे पिता कम दिखाई देते हैं, जो खुलकर भावनात्मक जुड़ाव दिखाते हों। 'मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी सोच पुरुषों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने से रोकती हैं। इसके अलावा लंबे कार्य घंटे, नौकरी का दबाव और डिजिटल व्यस्तता, कई पिताओं को बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने से दूर कर देते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बच्चों के साथ समय बिताने के लिए हमेशा घंटों की जरूरत नहीं होती। यदि पिता रोज कुछ समय पूरी ईमानदारी से बच्चों के साथ बातचीत करें, तो यह रिश्ता गहरा बन सकता है।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि पिता यदि घर के छोटे कामों और बच्चों की देखभाल में भाग लेते हैं, तो बच्चे लैंगिक समानता भी सीखते हैं। यह बदलाव केवल परिवारों को नहीं, बल्कि पूरे समाज को अधिक संवेदनशील बना सकता है। क्योंकि जिन बच्चों को बचपन में भावनात्मक सुरक्षा मिलती है, वे बड़े होकर अधिक आत्मविश्वासी और सहानुभूतिपूर्ण इंसान बनते हैं। a

पिता का 'परफेक्ट' नहीं 'उपलब्ध' होना जरूरी

पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स के अनुसार अच्छे पिता बनने के लिए 'परफेक्ट' होना जरूरी नहीं, 'उपलब्ध' होना जरूरी है। जैसे कि-

- बच्चों की बात बिना टोके सुनें।
- बतौर पिता आप हर दिन कुछ समय केवल अपने बच्चों के लिए जरूर निकालें।
- डांट के बजाय संवाद को प्राथमिकता दें।
- बच्चों की छोटी उपलब्धियों की भी सराहना करें।
- अपनी भावनाएं व्यक्त करने से न हिचकें।
- स्क्रीन टाइम कम करके फैमिली टाइम बढ़ाएं।

बच्चों के लिए योग से जुड़ी जरूरी बातें

बच्चों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग बहुत जरूरी है। बच्चों को किस उम्र से योग का प्रशिक्षण दिया जाए, उन्हें कितनी देर तक योगाभ्यास करना चाहिए? जानिए, योग प्रशिक्षक से।

बच्चे और योग

अजेश कुमार

योग बच्चों के शारीरिक-मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। बच्चों को योग सिखाने की सही उम्र क्या है, उन्हें कितनी देर तक योगाभ्यास करना चाहिए, यह जानना जरूरी है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के पूर्व योगाचार्य **उदय जी** के अनुसार, 'अगर आपका बच्चा अभी तक योग नहीं करता है, तो उसे जल्द से जल्द योग सिखाना शुरू करें। योग से बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं। यह उनकी एकाग्रता, लचीलापन और सहनशक्ति को बढ़ाता है। छोटी उम्र से योग करने से बच्चे जीवन भर स्वस्थ रहते हैं।' उदय जी ने बच्चों को योग सीखने से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताईं, आप भी इनके बारे में जानिए।

सही उम्र: बच्चों को योग सिखाने की सही उम्र 4-5 साल मानी जाती है। इस उम्र में बच्चे आसानी से योग की बुनियादी मुद्राएं सीख सकते हैं।

योग कितनी देर करें: शुरुआत में बच्चों को 10-15 मिनट तक योग कराना चाहिए। धीरे-धीरे इस समय को बढ़ाकर 20-30 मिनट किया जा सकता है। बच्चों के लिए रोजाना योग करना अच्छा होता है, लेकिन अगर वे हर दिन योग नहीं कर पाते हैं तो सप्ताह में 3-4 दिन भी योग करना पर्याप्त है।

योग के फायदे: योग से बच्चों का शारीरिक विकास बेहतर ढंग से होता है। उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं, शरीर में लचीलापन बढ़ता है। योग से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है, मानसिक शांति भी मिलती है। ध्यान केंद्रित होने से बच्चों की पठन-पाठन क्षमता बढ़ती है।

इन बातों का रखें ध्यान: शुरुआत में बच्चों को सरल और आसान योग मुद्राएं सिखाएं। बच्चों के लिए योग को मजेदार बनाएं ताकि वे इसे खुशी-खुशी करें। छोटे बच्चों के लिए योग को खेल के रूप में सिखाना चाहिए, जिससे वे इसे आसानी से और मजे से कर सकें। खेल-खेल में योग करने से बच्चों को आनंद मिलता है, वे आसानी से योग की ओर आकर्षित होते हैं। a

स्टार फिटनेस

बढ़ती उम्र में, वर्क स्ट्रेस में भी योग कैसे फिट और एनर्जेटिक बनाए रखता है, बता रही हैं एक्ट्रेस करीना कपूर खान और आलिया भट्ट।

योग ने दी हेल्दी लाइफ

मेरे लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, खुद की देखभाल का नायाब तरीका है

करीना कपूर खान

मैं तो यही कहूंगी कि अगर आपकी जिंदगी में योगासन का साथ है तो आप सही दिशा की तरफ चल रही हैं, क्योंकि योग ही एक ऐसी प्रक्रिया है, जो आपके बिखरे हुए लाइफस्टाइल को सही दिशा में ले जाता है। अगर मैं अपनी जिंदगी में योग की अहमियत की बात करूं तो योगासन मेरी भाग-दौड़ भरी जिंदगी में शांति और एकाग्रता का सुख लाता है। मेरे हिसाब से योग ऐसा तरीका है, जो सिर्फ शारीरिक फिटनेस नहीं बल्कि मन, शरीर, हृदय के बीच संतुलन बनाए रखने का काम भी करता है। मैंने अपने एक्टिंग करियर में एक फिल्म में किरदार को निभाने के लिए जीरो फिगर बनाने का जोखिम उठाया था। एक खाती-पीती लड़की के लिए, जो फिल्मों में आने से पहले थोड़ा मोटी भी थी, उसके लिए जीरो फिगर बनाना आसान नहीं था। लिहाजा जीरो फिगर तक पहुंचने के बाद मुझे कुछ

शारीरिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन जब से मैंने प्रतिदिन योग को अपनी जिंदगी में शामिल कर लिया, इससे मुझे न सिर्फ मानसिक शांति मिली, शारीरिक परेशानियां भी दूर हुईं। मेरे लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं है, खुद की देखभाल का नायाब तरीका भी है। सच कहूं तो योग में कई ऐसे प्रकार होते हैं, जो आपको न सिर्फ अच्छा महसूस कराते हैं, बल्कि आप एक आत्म दृढ़ता भी महसूस करती हैं। योग दिवस के अवसर पर मैं यही कहना चाहूंगी, योगासन को स्कूल कॉलेज में भी शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को भी बचपन से ही मजबूत बनाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। a

योग से सिर्फ हेल्थ ही ठीक नहीं रहती पर्सनालिटी भी निखरती है

आलिया भट्ट

अपने एक्टिंग करियर में बहुत ज्यादा बिजी रहने की वजह से मुझे कुछ हेल्थ इश्यूज होने लगे थे, जिसकी वजह से मेरी लाइफ बहुत डिस्टर्ब हो रही थी। इसी दौरान मैंने पावर योगा और योगा की कुछ बेहतरीन टेक्नीक्स के बारे में सुना। लगा कि मुझे भी योगासन शुरू करना चाहिए। जब मैंने रेग्युलर योग करना शुरू किया तो मुझे एहसास हुआ कि योगासन एक इंसान के जीवन को पूरी तरह बदलने की कैपेसिटी रखता है। सच कहूं तो जब आप रेग्युलर योग करती हैं तो सिर्फ आपकी हेल्थ ही ठीक नहीं रहती, आपकी पर्सनालिटी में भी निखार आता है। रोज योग करने से आप अपने आप को खुश और फ्रेश महसूस करती हैं। बता दूं, फिल्मों में आने से पहले मैं बहुत मोटी थी, उस वक्त मेरा वजन 67 से 70 किलो के बीच था। फिल्मों में आने के बाद जब मैंने क्रैश डाइट और ज्यादा एक्सरसाइज की तो मुझे हेल्थ इश्यू होने लगे थे। लेकिन जब से मैंने योग करना शुरू किया है, तब से मैं अंदरूनी तौर पर अपने आप को स्वस्थ और तरोताजा महसूस करने लगी। योग के अलग-अलग फॉर्म्स से बहुत फायदे हुए। जैसे मेडिटेशन से मानसिक तौर पर शांति महसूस करती हूं। सच कहूं तो अपनी बिजी लाइफ में फिट और फाइन रहने के लिए मुझे योग नामक गुरु मंत्र मिल गया है। मैं तो सभी से कहना चाहूंगी कि आपकी जिंदगी आपकी अपनी है। आप जैसे चाहें वैसे जिएं, लेकिन अगर आपने योगासन को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लिया तो आप अपने जीवन में कई सारे अच्छे बदलाव महसूस करेंगी, जैसा मैं महसूस करती हूं। a

प्रस्तुतिः आरती सक्सेना

ग्रुप ईः हार के बाद भी क्यूरासाओ ने रचा इतिहास, जर्मनी ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

काई हावर्ट्ज के दो गोल की मदद से चार बार के चैंपियन जर्मनी ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप ई के मैच में इतिहास रचने वाले क्यूरासाओ को 7-1 से हराकर कड़ा सबक सिखाया। क्यूरासाओ को भले ही करारी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह विश्व कप में भाग लेने वाला सबसे छोटा देश बन गया। यही नहीं उसने एक गोल भी किया, जो उसके लिए बड़ी उपलब्धि है। फेलिक्स नेमेचा ने छठे मिनट में गोल करके जर्मनी को बढ़त दिलाई। क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने 21वें मिनट में बॉक्स के केंद्र से बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इससे इस छोटे से कैरेबियाई देश के प्रशंसक खुशी से झूम उठे। इसके बाद पूरे मैच में जर्मनी का दबदबा रहा। उसने 38वें मिनट में नथानिएल ब्राउन के कॉर्नर किक पर निको श्लॉटरबेक के हेडर से किए गए गोल से फिर से बढ़त हासिल कर ली। जर्मनी की जीत का अंतर विश्व कप के 9 गोल के रिकॉर्ड से काफी कम है। ऐसा तीन बार हो चुका है। आखिरी बार ऐसा तब हुआ था जब हंगरी ने 1982 में अल साल्वाडोर को 10-1 से हराया था। क्यूरासाओ के भी कुछ दर्शक पहुंचे हुए थे, जिन्होंने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जर्मनी का अगला मैच शनिवार को टोरंटो में आइवरी कोस्ट से होगा, जबकि क्यूरासाओ शनिवार को कैनसस सिटी में इक्वाडोर से भिड़ेगा।

गोलरहित ड्रॉ की ओर बढ़ रहे मैच में डियालो ने पलटा पूरा खेल

फिलाडेल्फिया। अमाद डियालो ने 90वें मिनट में गोल करके पिछले 12 वर्ष में पहली बार विश्व कप फुटबॉल में भाग ले रहे आइवरी कोस्ट को इक्वाडोर पर 1-0 से जीत दिलाई। दोनों टीमों ने मिलकर तीन बार क्रॉसबार पर गेंद मारी, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। ऐसे में जब मैच गोलरहित ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था तब मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्थानापन्न विंगर डियालो (56वें मिनट में मैदान पर उतरे) ने पेनल्टी क्षेत्र के ठीक अंदर गोता लगाते हुए बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज़ को चकमा देकर गोल कर दिया। विल्फ्रेड सिंगो ने दाहिनी ओर से शानदार दौड़ लगाते हुए इस गोल की नींव रखी थी। इस तरह से विश्व कप में चौथी बार और 2014 के बाद पहली बार हिस्सा ले रहे आइवरी कोस्ट ने नॉकआउट चरण में पहुंचने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया।

68,274 दर्शकों से भरे स्टेडियम में रोमांच

पांचवीं बार विश्व कप में भाग ले रहा इक्वाडोर के लिए लिंकन फाइनेंशियल फील्ड का माहौल घरेलू मैदान जैसा था क्योंकि 68,274 दर्शकों में से अधिकांश ने ला ट्राई (इक्वाडोर की टीम) की पीली जर्सी पहनी हुई थी। डियालो के गोल से पहले इक्वाडोर की टीम मजबूत नजर आ रही थी। उसे हाफ टाइम के बाद सबसे अच्छा मौका 68वें मिनट में मिला जब गोंज़ालो प्लाटा ने लगभग 25 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर याहिया फोफाना ने रोक दिया।

स्वीडन की शानदार शुरुआत, ट्यूनीशिया को दी करारी शिकस्त

मॉन्टेरी। यासीन अयारी के दो गोल की मदद से स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से करारी शिकस्त देकर विश्व कप फुटबॉल में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए ग्रुप एफ में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। अयारी ने एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में स्वीडन के लिए सातवें मिनट और दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में लंबी दूरी से गोल दागकर स्कोर की शुरुआत और अंत किया। उन्होंने संयमित तरीके से जश्न मनाया और अपने पिता के जन्मस्थान के प्रति सम्मान दिखाते हुए अपने हाथ ऊपर उठाए। अलेक्जेंडर इसाक (30वें मिनट) और विक्टर ग्योकेरेस (59वें) ने एक-एक गोल करने के साथ एक दूसरे के गोल में मदद की। स्वीडन की तरफ से मैटियस स्वानबर्ग (84वें) ने भी गोल किया। स्वीडन विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर है और आठ साल पहले रूस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद 2022 के विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था।

कामाडा ने 88वें मिनट में दागा गोल समुराई ब्लू के फैंस खुशी से झूमे

ग्रुप एफ : जापान ने नीदरलैंड को बराबरी पर रोका

आर्लिंगटन। दाइची कामाडा ने अंतिम सीटी बजने से कुछ मिनट पहले गोल किया, जिससे जापान ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एफ के मैच में नीदरलैंड को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। जब जापान की हार सुनिश्चित लग रही थी तब कामाडा ने यह महत्वपूर्ण गोल किया, जिसे उनका देश वर्षों तक याद रखेगा। कोकी ओगावा के कॉर्नर किक पर कामाडा ने 88वें मिनट में हेडर से गोल किया, जिससे समुराई ब्लू (जापानी टीम) के प्रशंसक खुशी से झूम उठे। इससे जापान ने अपने से अधिक रैंकिंग वाले नीदरलैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नीदरलैंड की टीम को भले ही अंक बांटने पड़े लेकिन इस ड्रॉ से उसने विश्व कप के ग्रुप चरण में अपने अजेय अभियान को 17 मैच तक पहुंचा दिया है। कामाडा के गोल से नारंगी रंग की जर्सी पहने नीदरलैंड के प्रशंसक सन्न रह गए। दोनों टीम हाफ टाइम तक गोल नहीं कर पाई थी। दूसरे हाफ की शुरुआत में वर्जिल वैन डाइक (50वें मिनट) और क्रिसेंसियो समरविले (64वें) ने नीदरलैंड के लिए एक-एक गोल दागा, जबकि कीटो नाकामुरा (57वें) ने जापान की तरफ से गोल किया। यह तीनों गोल 14 मिनट के अंदर किए गए।

अमेरिका युद्ध के कारण विश्व कप का अनुभव सुखद नहीं : ईरानी कप्तान

इंगलवुड। ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने कहा कि विश्व कप फुटबॉल के सह-मेजबान अमेरिका के साथ चल रहे उनके देश के युद्ध के कारण उन्हें अभी तक कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उनके लिए अभी तक का अनुभव सुखद नहीं रहा है। ईरान की टीम मैक्सिको के तिजुआना स्थित अपने अभ्यास स्थल से लॉस एंजिलिस पहुंची। तिजुआना अमेरिकी सीमा के ठीक पार है और उस स्टेडियम से लगभग 140 मील (225 किलोमीटर) दूर है, जहां वह न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का अपना पहला मैच खेलेगा। जंग के कारण ईरान के अभ्यास स्थल को अमेरिका से स्थानांतरित कर दिया गया था। तारेमी ने कहा, 'विश्व कप के लिए यहां पहुंचते ही मुझे तनाव महसूस होने लगा था। किसी भी टूर्नामेंट में जब तनाव होता है, तो हमें वह सुखद अनुभव नहीं मिलता, जिसके बारे में हम हमेशा शांति और खुशी से बात करते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि ऐसा सिर्फ हमारे साथ ही नहीं हुआ। मुझे पता है कि कई अन्य देशों को भी वीजा संबंधी समस्याओं और अभ्यास शिविरों में बदलाव का सामना करना पड़ा।

खबर संक्षेप

गोवा में 21 से एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप

पणजी। एशिया ओशिनिया क्षेत्र के 16 देशों के लगभग 350 खिलाड़ी 21 से 27 जून तक यहां होने वाली पांचवीं एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में भाग लेंगे। भारतीय ब्रिज महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष प्रसाद केनी ने कहा कि गोवा प्रत्येक चार साल में होने वाले इस टूर्नामेंट की दूसरी बार मेजबानी करेगा। इससे पहले 2018 में यह चैंपियनशिप गोवा में आयोजित की गई थी। बीएफआई के सचिव देबासिस रे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, हांगकांग, जापान, चीनी ताइपे, फिलीपींस, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, थाईलैंड और मेजबान भारत इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा पाकिस्तान ने भी प्रतियोगिता में भाग लेने में दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन उसने अपना आवेदन जमा नहीं किया।

इंटरवेटेन ओपनः संयुक्त 17वें स्थान पर तलवार

ओबरहास। शीर्ष 10 में जगह बनाने की ओर बढ़ रहे भारत के सप्तक तलवार अंततः अंतिम दौर में दो अंडर 67 के स्कोर से इंटरवेटेन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 17वें स्थान पर रहे। तलवार का कुल स्कोर 10 अंडर रहा। इससे पहले वीर अहलावत कट हासिल करने में नाकाम रहे थे। तलवार ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती नौ होल में चार बर्डी की। उन्होंने अंतिम 9 होल में भी 12वें होल में बर्डी की लेकिन इसके बाद 13वें होल में ट्रिपल बोगी कर गए। उन्होंने 16वें होल में एक और बोगी की लेकिन 18वें होल में बर्डी के साथ दो अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से 17वां स्थान हासिल किया।

सुपर ओवर में टीम इंडिया की हार, वैभव और सूर्यांश से 17 रन नहीं हुए चेज

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

इंडिया ए को ट्राई सीरीज में श्रीलंका ए के हाथों सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित ओवर्स में दोनों टीमें 265 रन ही बना सकी और मुकाबला टाई रहा। इससे सुपर ओवर की जरूरत पड़ी। इसमें इंडिया ए को जीत के लिए 17 रन का लक्ष्य मिला लेकिन केवल 10 ही रन बने।

यह श्रीलंका ए की लगातार दूसरी जीत रही तो इंडिया ए की लगातार दूसरी हार। इंडिया ए ने पहले बैटिंग करते हुए सूर्यांश शेडगे (72) और विप्रज निगम (51) के अर्धशतकों से 265 का स्कोर बनाया। जवाब में मेजबान टीम सदीरा समरविक्रमा के 93 रन के बूते 9 विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई। मगर जीत के लिए आखिरी ओवर में पांच रन नहीं बने। सुपर ओवर में श्रीलंका की ओर से साहन अराच्चिगे और अविष्का फर्नान्डो बैटिंग के लिए उतरे। इन दोनों ने मिलकर 16 रन बनाए। जवाब में भारत की ओर से सूर्यवंशी और शेडगे बैटिंग के लिए आए लेकिन दोनों 10 रन ही बना सके।

भारतीय टीम के ओपनर्स रहे नाकाम

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर भारतीय टीम के ओपनर्स एक बार फिर से नाकाम रहे। प्रभसिमरन सिंह 13 गेंद में 11 रन बना सके तो वैभव सूर्यवंशी तूफानी आगाज के बाद भी 21 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने 14 गेंद खेली और तीन चौके व एक छक्का लगाया। ऋतुराज गायकवाड़ (37) और कप्तान तिलक वर्मा (23) ने तीसरे विकेट के लिए 52 रन की पार्टनरशिप करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। लेकिन दोनों ही लंबी पारी नहीं खेल रहे। निशांत सिंधू (6), आयुष बडोनी (15) और अनुकूल रॉय (8) सस्ते में निपट गए। सूर्यांश और विप्रज ने मिलकर पारी को संभाला।

श्रीलंका के टॉप ऑर्डर की शानदार बैटिंग

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने ठोस शुरुआत की। निरोशन डिकवेला (37) और अविष्का फर्नान्डो (22) ने पहले विकेट के लिए 4.6 ओवर में ही 56 रन बटोर लिए। सिंधु ने इस जोड़ी को तोड़ा। फर्नान्डो 14 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए। विशेन हालम्बागे 17 रन बना सके और आयुष बडोनी की गेंद पर आउट हुए। डिकवेला ने 33 गेंद में 37 रन की पारी खेली और वे विप्रज की गेंद पर वापस गए। मिडिल ऑर्डर में कप्तान साहन अराच्चिगे (8) और अहान विक्रमसिंघे (6) ज्यादा कुछ नहीं कर पाए।

'दोहा में मिलते हैं', नीरज चोपड़ा ने किया वापसी का ऐलान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फिट हो चुके भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने घोषणा की कि वह 19 जून को होने वाली दोहा डायमंड लीग के जरिए प्रतिस्पर्धा में वापसी करेंगे। 28 वर्ष के चोपड़ा ने 2025 विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक आठवें स्थान पर रहने के बाद प्रतिस्पर्धा में हिस्सा नहीं लिया है। दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक की प्रविष्टियों में चोपड़ा का नाम शामिल है जबकि 12 जून को जारी सूची में उनका नाम नहीं था। उन्होंने पिछले साल इसी टूर्नामेंट में 90 मीटर का आंकड़ा पारी किया था। चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा ,' दोहा में मिलते हैं।'

स्विटजरलैंड में अभ्यास शिविर में हिस्सा ले रहे चोपड़ा

चोपड़ा इस समय स्विटजरलैंड के बियेने में अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी के साथ 47 दिन के आफ सीजन अभ्यास शिविर में भाग ले रहे हैं। आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए घोषित भारतीय एथलेटिक्स टीम में भी चोपड़ा का नाम सशर्त शामिल किया गया है। उन्हें इसके लिए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का 82.61 मीटर का क्वालीफिकेशन मार्क हासिल करना होगा। अगर वह ग्लास्गो में अगले महीने होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हैं तो भारत के तीन भालाफेंक खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे।

वेस्टइंडीज ने पांच विकेट से जीता तीसरा टी20

रदरफोर्ड-होल्डर ने श्रीलंका से छीनी जीत

एजेंसी ▶▶| जमैका

वेस्टइंडीज ने रोमांच से भरपूर तीसरे टी20 मुकाबले में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया। किंग्स्टन के सबीना पार्क में कैरेबियाई टीम ने श्रीलंका से मिले 170 रनों के लक्ष्य को 19.4 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल किया।

श्रीलंका से मिले 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। शाई होप गोल्डन डक पर पवेलियन लौटे। इसके बाद ब्रैंडन किंग को वानिंदु हसरंगा ने 16 रनों के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। अकीम ऑगस्टे बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज एक रन बनाकर आउट हुए। हेटमायर 19 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। 53 रनों के स्कोर पर 4 विकेट खोकर मुश्किल में दिख रही वेस्टइंडीज की पारी को रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड ने संभाला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 52 गेंदों में 81 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। पॉवेल 27 गेंदों में 33 रन बनाए। रदरफोर्ड ने 40 गेंदों में 54 रनों की नाबाद पारी खेली। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने 17 रन देकर 2 विकेट चटकाए, तो दुनिथ वेल्लालगे, चमीरा और महेश तीक्षणा ने एक-एक विकेट निकाला।

इससे पहले, श्रीलंका की पूरी टीम 20 ओवर में 169 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की ओर से दुनिथ वेल्लालगे ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाए। वहीं, कामिल मिशारा ने 28 रनों का योगदान दिया।

आज से उस्ती नाद ग्रां प्री, भारतीय मुक्केबाज लेंगे हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन सहित राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल भारतीय मुक्केबाज बुधवार से चेक गणराज्य में शुरू हो रही आमंत्रण ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम में हिस्सा लेंगे। लवलीना (75 किग्रा) के अलावा एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), साक्षी (51 किग्रा) और परवीन हुड्डा (65 किग्रा) महिला टीम की सदस्य हैं। दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगी क्योंकि वे चोट से उबर रही हैं। पुरुष टीम में जादुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिव सिचाव (60 किग्रा), आदित्य प्रताप (65 किग्रा), सुमित (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक) को जगह मिली है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने, अलग-अलग संयोजन को आजमाने और यूरोप के प्रतिस्पर्धी माहौल में मजबूत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सामना करने का अनुभव मिलेगा।

नेशंस कप : 3 अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर भारत

दीपिका के दो गोल, भारत ने अमेरिका के खिलाफ पलटा मैच

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

दीपिका के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप के पूल ए के अपने पहले मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका पर 3-2 से जीत हासिल की। भारत की तरफ से दीपिका के दो गोल के अलावा नवनीत कौर ने भी एक गोल किया। अमेरिका की ओर से एशले सेसा और मैडलीन ज़िमर ने गोल किए।

नेशंस कप की विजेता टीम अगले सत्र में प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इससे बाहर हो गया था। जीत के साथ भारत ने 3 महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। भारत 3 अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। शीर्ष पर काबिज जापान के भी तीन अंक हैं लेकिन उसका गोल अंतर भारत से बेहतर है।

अमेरिका ने की शानदार शुरुआत

अमेरिका ने शानदार शुरुआत की और एशले ने चौथे मिनट में ही मैदानी गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके महज तीन मिनट बाद अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी जब मैडलीन जिमर (सातवें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने आक्रामक रवैया अपनाया और धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ बना दी।

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में मिली बढ़त

भारत को आक्रामक अंदाज में खेलने का फायदा दूसरे क्वार्टर के शुरू में मिला जब ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका (17वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और उसने दूसरे क्वार्टर में फिर से एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। दीपिका (24वें) एक बार फिर आगे बढ़ीं और उन्होंने फिर से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। भारत ने दबाव बनाए रखा और हाफ टाइम से पहले एक और गोल करके मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया।

दोनों टीमों को मिले छह-छह पेनल्टी कॉर्नर

नवनीत (28वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। इस तरह से भारत ने हाफ टाइम तक 3-2 से आगे था। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के अच्छे प्रयास किए। मैच में दोनों टीमों ने छह-छह पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन आखिरी दो क्वार्टर में गोल करने में नाकाम रही।

हजार बिस्तर अस्पताल में 2.41 करोड़ की आर्थिक गड़बड़ी करने वाले अफसर को दिया गया था प्रभार

दागी अफसर खुद अपनी जांच की निगरानी कैसे कर सकता है? हाई कोर्ट ने निरस्त किया चीफ इंजीनियर का प्रभार

मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव को दिया आदेश कि भविष्य में ऐसी गलती न हो, उसका ध्यान रखा जाए

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में नियमों को ताक पर रखकर दागी अधिकारियों को बड़ा प्रभार सौंपने की प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने भोपाल ब्रिज जोन के मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) के पद से जुड़े एक विवादित प्रशासनिक आदेश को पूरी तरह निरस्त कर दिया है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने कहा कि पीडब्ल्यूडी के जिस दफ्तर को दागी अधिकारी के खिलाफ चार्जशीट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उसी दफ्तर की कमान उसे सौंप दी गई। यह प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग है, जहां एक आरोपी अधिकारी को ही अपनी अभियोजन प्रक्रिया की निगरानी करने की छूट दे दी गई, जिसे कानूनन स्वीकार नहीं किया जा सकता। पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव को निर्देश दिया गया है कि वे भोपाल ब्रिज जोन के मुख्य अभियंता का

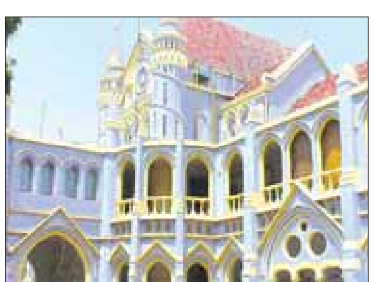

अतिरिक्त प्रभार किसी ऐसे योग्य अधिकारी को सौंपें जिसका सेवा रिकॉर्ड पूरी तरह निष्कलंक हो और जो पदोन्नति की पात्रता श्रेणी में आता हो। राज्य के मुख्य सचिव (चीफ सेक्रेटरी) और पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव को आवश्यक अनुपालन और भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों को रोकने के लिए भेजने के निर्देश दिए हैं।

क्या है पूरा मामला?

मामला पीडब्ल्यूडी के प्रभारी मुख्य अभियंता पीसी वर्मा से जुड़ा है। उन्हें जुलाई 2025 में मुख्य अभियंता, पीडब्ल्यूडी ब्रिज जोन, भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया थ। इसके बाद 29 अप्रैल 2026 को विभाग ने उन्हें निविदा मूल्यांकन में कथित अनियमितताओं को लेकर एक कारण बताओ नोटिस जारी किया। हैरान करने वाली बात यह रही कि इस नोटिस के जारी होने के महज 3 घंटे के भीतर ही विभाग ने एक नया आदेश जारी कर पीसी वर्मा से अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया। यही नहीं, यह प्रभार भोपाल जोन के मुख्य अभियंता का कार्यभार संभाल रहे एक अन्य अधिकारी को सौंप दिया गया, जिनके खिलाफ पहले से ही गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और पुल ढहने के मामलों में जांच लंबित है। विभाग के इसी आदेश को पीसी वर्मा ने हाई कोर्ट में संजय कुमार मस्के के प्रभार को चुनौती दी।

दागी अफसर खुद अपनी जांच की निगरानी कैसे कर सकता है?'

हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की इस कार्रवाई को पूर्वाग्रह से ग्रसित और 'दुर्भावनापूर्ण' माना। अदालत ने इस बात पर गहरी नाराजगी जताई कि जिस अधिकारी को नया प्रभार सौंपा गया, उसके खिलाफ सिवनी में वैनगंगा नदी पर बने सबमर्सिबल पुल के ढहने और ग्वालियर में 1000 बिस्तर के अस्पताल प्रोजेक्ट में करीब 2.41 करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय गबन के गंभीर आरोप हैं।

पिछले दरवाजे से बांटे जा रहे उच्च पदों पर प्रभार, वरिष्ठता प्रभावित

-कोर्ट ने पीडब्ल्यूडी के भर्ती व सेवा नियम 1983 का हवाला देते हुए इस बात पर भी चिंता जताई कि जोन ऑफ कंसीडरेशन (पदोन्नति की पात्रता श्रेणी) से बाहर के जूनियर अधिकारियों को पिछले दरवाजे से उच्च पदों के प्रभार बांटे जा रहे हैं, जिससे विभाग का पूरा प्रशासनिक ढांचा और वरिष्ठता क्रम प्रभावित हो रहा है।

एक्टिंग चीफ जस्टिस ने किया प्रदेशव्यापी योग अभियान का शुभारंभ

जबलपुर। आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जेलों में निरुद्ध बंदियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए सप्ताह भर चलने वाले प्रदेशव्यापी योग अभियान का शुभारंभ किया गया। सेंट्रल जेल, में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का उद्घाटन एक्टिंग चीफ जस्टिस व प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक जस्टिस विवेक रूसिया ने किया। वर्चुअल माध्यम से प्रदेश की समस्त जेलों में एक साथ आयोजित इस कार्यक्रम में ग्वालियर खंडपीठ से जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया और इंदौर खंडपीठ से जस्टिस सुबोध अभ्यंकर भी सहभागी बने। समारोह को संबोधित करते हुए जस्टिस विवेक रूसिया ने श्रीमद्भगवद्गीता के सूत्र ‟योगः कर्मसु कौशलम्” का उल्लेख करते हुए बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव और पुनर्वास के लिए योग को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। योग सत्र का संचालन योग विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिक डॉ. पराग जैन ने किया। प्राधिकरण द्वारा श्रवण एवं वाक बाधित बंदियों के लिए सांकेतिक भाषा (साइन लैंग्वेज) में एक विशेष योग वीडियो भी तैयार कराया गया, जिसका लाभ उठाकर ऐसे बंदियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। यह अभियान 15 जून से 21 जून 2026 तक संचालित रहेगा।

संज्ञेय अपराध की शिकायत पर मामला दर्ज न करने का आरोप, थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय जांच की मांग पर राज्य शासन सहित सात को नोटिस

एफआईआर की जगह प्रारंभिक जांच, मामला हाई कोर्ट पहुंचा, पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने गोरखपुर थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने वाली एक महत्वपूर्ण याचिका पर राज्य शासन सहित अन्य अनावेदकों को नोटिस जारी किए। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने सभी से जवाब तलब किया है।याचिका में आरोप लगाया गया है कि संज्ञेय अपराध की शिकायत मिलने के बावजूद एफआइआर दर्ज नहीं की गई और उसके स्थान पर प्रारंभिक जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

जबलपुर निवासी अधिवक्ता वंदना श्रोती की ओर से याचिका दायर की गई है।अधिवक्ता योगेश सोनी ने कोर्ट को बताया कि 19 फरवरी 2026 को गोरखपुर थाने में प्रस्तुत शिकायत में संज्ञेय अपराध के स्पष्ट तथ्य होने के बावजूद थाना प्रभारी नितिन कमल ने एफआइआर दर्ज नहीं की। याचिका के अनुसार बीएनएसएस की धारा 173(3) का सहारा लेकर प्रारंभिक जांच और अन्य कार्यवाही तो शुरू कर दी गई, लेकिन विधिसम्मत अपराध पंजीबद्ध नहीं किया गया। याचिका में यह भी कहा गया है कि शिकायत को जनरल डायरी में दर्ज कर उसका क्रमांक तक शिकायतकर्ता को उपलब्ध नहीं कराया गया। जबकि हाईकोर्ट पूर्व में अपने एक फैसले में स्पष्ट कर चुका है कि प्रत्येक शिकायत की जनरल डायरी में प्रविष्टि कर उसका नंबर शिकायतकर्ता को देना अनिवार्य है। साथ ही लंबित शिकायतों की निगरानी की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक की मानी गई है।सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के चर्चित ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश शासन प्रकरण का भी उल्लेख किया गया, जिसमें शीर्ष अदालत ने कहा था कि संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर एफआइआर दर्ज करना पुलिस का बाध्यकारी कर्तव्य है।ऐसा नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए।

पुलिस ने इसे बता दिया सामान्य ड्यूटी हाईकोर्ट से 20 साल बाद मिला इंसाफ

दो जिंदगियां बचाने 200 फीट गहरी खाई में उतरा पुलिस अधिकारी

20 साल बाद बहादुरी को मिला सम्मानः हाईकोर्ट ने कहा- 200 फीट खाई में उतरना 'रूटीन ड्यूटी' नहीं, असाधारण साहस था

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी पुलिस अधिकारी द्वारा अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाने के लिए किए गए असाधारण प्रयास को केवल उसकी नियमित ड्यूटी बताकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने गोरखपुर थाने में पदस्थ निरीक्षक इंद्रमणि पटेल को बड़ी राहत देते हुए उनके आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन का दावा स्वीकार कर लिया। अदालत ने राज्य सरकार, डीजीपी और चयन समिति के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें उनकी बहादुरी को महज नियमित कर्तव्य मानते हुए पदोन्नति देने से इनकार कर दिया गया था। भेरूघाट की यह घटना वर्ष 2004 की है, जब इंद्रमणि पटेल इंदौर जिले के सिमरोल थाने में थाना प्रभारी थे। देर रात एक भारी ट्रक 200 फीट गहरी खाई में गिरकर पेड़ के सहारे लटक गया था और चालक तथा हेल्पर उसमें फंस गए थे। हालात इतने खतरनाक थे कि पेशेवर क्रेन ऑपरेटर भी नीचे उतरने को तैयार नहीं हुए। ऐसे समय में पटेल रस्सी के सहारे स्वयं खाई में उतरे, दोनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और ट्रक को भी बांधकर आगे गिरने से रोक दिया। हाईकोर्ट ने माना कि यदि उस समय यह कदम नहीं उठाया जाता तो नीचे से गुजर रहे यात्रियों के लिए बड़ा हादसा हो सकता था। अदालत ने अपने आदेश में स्क्रीनिंग कमेटी की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि एक ओर विभाग ने उसी घटना के लिए इंद्रमणि पटेल को नकद पुरस्कार देकर उनकी बहादुरी स्वीकार की, जबकि दूसरी ओर आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन के मामले में उसी कार्य को नियमित ड्यूटी बताकर खारिज कर दिया। न्यायालय ने इसे विरोधाभासी और मनमाना रवैया बताते हुए कहा कि प्रशासन एक ही घटना को पुरस्कार के लिए बहादुरी और पदोन्नति के लिए सामान्य कर्तव्य नहीं मान सकता। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि वरिष्ठ अधिकारियों ने शुरू से ही उनके प्रमोशन की सिफारिश की थी, लेकिन चयन समिति ने बिना ठोस कारणों के उसे अस्वीकार कर दिया। करीब दो दशक तक चली कानूनी लड़ाई के बाद हाईकोर्ट ने इंद्रमणि पटेल को 10 फरवरी 2005 से निरीक्षक पद पर वैचारिक आउट-ऑफ-टर्न पदोन्नति देने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि मामले को दोबारा विभाग के पास भेजना न्याय का उपहास होगा, क्योंकि पहले भी पुनर्विचार का अवसर दिए जाने के बावजूद निष्पक्ष मूल्यांकन नहीं किया गया। कोर्ट ने राज्य सरकार को 60 दिनों के भीतर आदेश का पालन करते हुए वरिष्ठता, पदोन्नति विचार और अन्य सभी परिणामी लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। यह फैसला पुलिस सेवा में असाधारण साहस और कर्तव्यनिष्ठा की पहचान को लेकर एक महत्वपूर्ण नजीर माना जा रहा है।

अतिक्रमणकारियों को दी गई सख्त हिदायत

ब्लैक स्पॉट शारदा मंदिर दुर्घटना क्षेत्र का प्रशासनिक टीम ने किया निरीक्षण

जबलपुर, बरेला। बरेला स्थित शारदा मंदिर के पास हुई सड़क दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को अतिरिक्त तहसीलदार शशांक दुबे (राजस्व विभाग, बरेला) के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा दुर्घटना स्थल का विस्तृत मौका निरीक्षण किया गया।इस संयुक्त निरीक्षण टीम में राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन, ग्राम पंचायत तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी मुख्य रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर अतिक्रमण हटाने की समझाइश और चेतावनी दी गई।संयुक्त टीम द्वारा शारदा मंदिर के आसपास के पूरे क्षेत्र का बारीकी से मुआयना किया गया। सड़क सुरक्षा में बाधा बन रहे सभी अतिक्रमणकारियों को टीम द्वारा मौके पर ही सख्त

समझाइश दी गई। स्वयं अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटमः सभी संबंधित दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे सड़क किनारे से अपना-अपना अतिक्रमण स्वयं ही हटा लें। ऐसा न करने की स्थिति में प्रशासन द्वारा वैधानिक कानूनी कार्रवाई करते हुए बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी स्वयं अतिक्रमणकारी की होगी। 'ब्लाइंड स्पॉट' का निरीक्षणः क्षेत्र में आगामी दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से टीम द्वारा बरेला स्थित दुर्घटना संभावित क्षेत्र (ब्लाइंड स्पॉट) और 'मंगलायतन यूनिवर्सिटी' के आस-पास के मार्ग का भी गहन निरीक्षण किया गया। यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी सुधारों पर चर्चा की गई।

बाल संरक्षण गृह में दिया योग से स्वास्थ्य और आत्मविश्वास का संदेश

जबलपुर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के सहयोग से रविवार को बाल संरक्षण गृह में विशेष योग एवं वेलनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन योगाचार्य डॉ. पराग जैन ने किया। उन्होंने किशोरों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराते हुए योग के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक लाभों से अवगत कराया। डॉ. जैन ने कहा कि योग एकाग्रता, आत्म-अनुशासन, सकारात्मक सोच और व्यक्तित्व विकास का प्रभावी माध्यम है। किशोरों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योग को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसी गतिविधियां संस्थागत देखरेख में रह रहे बच्चों के पुनर्वास और सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी बीडी दीक्षित भी मौजूद रहे।

प्यार, जुनून और मौत का खेल

पार्लर संचालिका शक्ति कोहली की हत्या के बाद आरोपी दीपेश राठौर ने खुद को भी मारी गोली

हरिभूमि, जबलपुर।

गोरखपुर थाना क्षेत्र स्थित राजुल डुप्लेक्स में सोमवार को हुई दोहरी मौत की घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। एक तरफ शहर की जानी-मानी पार्लर संचालिका शक्ति कोहली की गोली मारकर हत्या कर दी गई, तो दूसरी ओर आरोपी दीपेश राठौर ने भी खुद को गोली मारकर जीवन समाप्त कर लिया। कुछ ही मिनटों में घटी इस खौफनाक वारदात ने न सिर्फ एक परिवार की खुशियां छीन लीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस कार्रवाई और रिश्तों में बढ़ती हिंसा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कई सवाल छोड़ गई सनसनीखेज वारदात

नई शुरुआत से पहले मौत का साया

जानकारी के अनुसार शक्ति कोहली पिछले दो दशकों से अधिक समय से ब्यूटी और वेलनेस क्षेत्र से जुड़ी थीं। अपने हुनर और मेहनत के दम पर उन्होंने शहर में एक अलग पहचान बनाई थी। हाल ही में उन्होंने राजुल डुप्लेक्स क्षेत्र में नया पार्लर शुरू करने की तैयारी की थी और उसी सिलसिले में वह वहां सामान शिफ्ट कराने पहुंची थीं। परिवार और परिचितों के अनुसार शक्ति अपने करियर के नए अध्याय को लेकर बेहद उत्साहित थीं। लेकिन उन्हें शायद यह अंदेशा नहीं था कि उनका अतीत एक बार फिर उनके सामने खड़ा होने वाला है।

पुराना रिश्ता बना मौत की वजह

बताया जा रहा है कि आरोपी दीपेश राठौर कभी शक्ति का बिजनेस पार्टनर रहा था। दोनों के बीच लंबे समय से विवाद और मतभेद चल रहे थे। धीरे-धीरे संबंध इतने खराब हो गए कि शक्ति ने उससे पूरी तरह दूरी बना ली थी। परिजनों का आरोप है कि दीपेश इस दूरी को स्वीकार नहीं कर पा रहा था और लगातार शक्ति पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था। कई बार विवाद और धमकियों की बात भी सामने आई थी। इसी तनावपूर्ण रिश्ते का अंत सोमवार को खूनी वारदात में बदल गया।

बहस के बाद चली गोलियां- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना के समय दोनों के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दीपेश ने अपने पास मौजूद पिस्टल निकाल ली। इससे पहले कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उसने शक्ति कोहली पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगते ही शक्ति लहूलुहान होकर गिर पड़ीं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। लोगों के संभलने से पहले ही दीपेश ने उसी हथियार से खुद को भी गोली मार ली। कुछ ही क्षणों में घटनास्थल दो शवों और खून से सने फर्श में तब्दील हो चुका था।

परिजनों के गंभीर आरोप- घटना के बाद शक्ति कोहली के परिजनों ने पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि दीपेश पहले से आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था और एक गंभीर मामले में जमानत पर बाहर चल रहा था। परिजनों का दावा है कि वह लंबे समय से शक्ति को धमकियां दे रहा था और इसकी शिकायत भी संबंधित पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाई गई थी। उनका आरोप है कि यदि शिकायतों पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जाती, तो इस दर्दनाक घटना को रोका जा सकता था। अब परिजन यह जानना चाहते हैं कि शिकायतों के बावजूद आरोपी पर निगरानी क्यों नहीं रखी गई और सुरक्षा संबंधी कदम क्यों नहीं उठाए गए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240